THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 69 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.10 2082 गुरुवार, 5 जून-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

अक्टूबर 2026 से 4 राज्यों में जातीय जनगणना

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार देश में जातीय जनगणना 1 मार्च 2027 से कराने जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जातीय जनगणना को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर पहले 4 पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में कराई जाएगी। यहां 1 अक्टूबर 2026 से इसकी शुरुआत होगी। केंद्र ने 30 अप्रैल को देश में आजादी के बाद पहली बार जातीय जनगणना कराने का ऐलान किया था। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि जातीय जनगणना को मूल जनगणना के साथ ही कराया जाएगा। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल जाति जनगणना कराने की मांग करते रहे हैं।

चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़

भाजपा नेता अमित मालवीय का दावा-11 लोगों की जान गई, 33 घायल

बंगलूरू, 4 जून (एजेंसियां)। आईपीएल चैंपियन आरसीबी की जीत के बाद एक बुरी खबर सामने आई है। बंगलूरू में अपनी चैंपियन टीम को देखने के लिए भारी भीड़ जमा हुई। इस दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इस भगदड़ में दो लोगों के मरने की आशंका है, जबकि कई घायल हुए हैं।

वहीं, भाजपा नेता अमित मालवीय ने भगदड़ में 11 लोगों के मरने का दावा किया है। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर 33 लोगों के घायल होने का भी दावा किया है। मालवीय राज्य की कांग्रेस सरकार पर व्यवस्थाएं नहीं कर पाने का आरोप लगाया है। कर्नाटक के उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार अस्पताल के लिए निकल चुके हैं। अमित मालवीय ने लिखा, 'बंगलूरू में भगदड़ की दुखद घटना घटी। जश्न का माहौल दुःस्वप्न में बदल गया। कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा आरसीबी के आईपीएल अभियान का जश्न मनाने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में, खराब योजना और भीड़ के कुप्रबंधन के कारण भगदड़ मच गई। भगदड़ में 7 लोगों की जान चली गई। भगदड़ में 16 घायल, कई की हालत गंभीर है। इस दिल दहला देने वाली घटना को टाला जा सकता था। राज्य सरकार द्वारा बुनियादी प्रशासनिक दूरदर्शिता की कमी और भीड़ नियंत्रण में विफलता के कारण अपूरणीय क्षति हुई है। जवाबदेही तय की जानी चाहिए। लापरवाही के कारण जान गई, संयोग से नहीं।' दरअसल, विधान सौधा में मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और राज्यपाल की मौजूदगी में खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान ही बीच में बारिश हुई। इसके बाद खिलाड़ी और वहां मौजूद लोग भागते नजर आए। खिलाड़ी तुरंत जाकर बस में चढ़ गए। इसके बाद न्यूज एजेंसी पीटीआई ने अपडेट दिया कि चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भारी भीड़ जमा हुई थी। वहां एक बच्चा बेहोश हुआ, जिसे लेकर पुलिस दौड़ती नजर आई। पीटीआई के मुताबिक, प्रशांसक के पेड़ और बस पर चढ़कर अपनी टीम की झलक पाने के लिए बेताब दिखे। वहीं, न्यूज एजेंसी ने वीडियो जारी किया, जिसमें कुछ प्रशंसक चिन्नास्वामी स्टेडियम की दीवार और फेंस पर चढ़ते नजर आए। अपनी चैंपियन टीम की झलक पाने के लिए चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर और विधान सौधा के बाहर भारी संख्या में लोग मौजूद हैं।

'अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब सेना को बदनाम करना नहीं'

राहुल गांधी को इलाहाबाद हाईकोर्ट की फटकार

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सैनिकों के खिलाफ की गई टिप्पणी को लेकर बुधवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट की फटकार का सामना करना पड़ा। हाईकोर्ट ने 2022 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी के संबंध में लखनऊ की एक अदालत द्वारा जारी समन के खिलाफ गांधी द्वारा दायर याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। दरअसल, राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया गया था, क्योंकि उन्होंने कहा था कि चीनी सैनिक अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सैनिकों की पिटाई कर रहे हैं. यह टिप्पणी 2022 में राजस्थान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की गई थी। राहुल गांधी ने कहा था, लोग भारत जोड़ो यात्रा, अशोक गहलोत और सचिन पायलट और न जाने किस-किस के बारे में पूछेंगे. लेकिन वे चीन द्वारा 2000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करने, 20 भारतीय सैनिकों को मारने और अरुणाचल प्रदेश में हमारे सैनिकों की पिटाई करने के बारे में एक भी सवाल नहीं पूछेंगे. लेकिन भारतीय मीडिया उनसे इस बारे में एक भी सवाल नहीं पूछता। क्या यह सच नहीं है? देश यह सब देख रहा है. ऐसा दिखावा न करें कि लोगों को नहीं पता।

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक

रिजिजू बोले-ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को तैयार

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को नई दिल्ली में इसकी जानकारी दी। रिजिजू ने बताया कि यह सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक चलेगा।

किरेन रिजिजू ने कहा-सरकार नियमों के तहत सत्र में किसी भी विषय पर चर्चा को तैयार हैं। साथ ही बताया कि सत्र के दौरान जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश हो सकता है। सरकार ने मानसूत्र सत्र का ऐलान विपक्ष के 'स्पेशल सेशन' की मांग के बीच की है। विपक्ष पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर और भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और सीडीएस अनिल चौहान के भारतीय जेट गिरने पर सिंगापुर में दिए बयान पर चर्चा की मांग कर रहा है। इंडिया गठबंधन के 17 दलों ने 3 जून को नई दिल्ली में बैठक की। इसमें स्पेशल सेशन बुलाने के लिए पीएम मोदी को लेटर लिखा। मोदी सरकार 3.0 और ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह संसद का पहला सत्र होगा।

रिजिजू ने कहा-सरकार का कहना है कि संसद के आगामी मानसून सत्र के दौरान विपक्ष अगर नियमों के तहत चर्चा की मांग करता है, तो हम पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए तैयार हैं। आगामी सत्र के दौरान सरकार इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की भी तैयारी में हैं।

तेजस्वी सूर्या बोले-जश्न को गम में न बदलें

बंगलूरू, 4 जून (एजेंसियां)। आरसीबी के सम्मान समारोह के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ को लेकर भाजपा ने कर्नाटक सरकार पर हमला बोला। भाजपा नेताओं ने कहा कि यह भगदड़ खराब योजना और भीड़ के कुप्रबंधन के चलते मची है। हालांकि, भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने नम्मा बंगलूरू के लोगों से अपील की है कि वह जिम्मेदारी के साथ जश्न मनाएं और खुशी के इस पल को गम में न बदलें। दरअसल, आईपीएल में आरसीबी की जीत का जश्न मनाने के लिए कर्नाटक सरकार ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम के दौरान स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई है, जिसमें दो लोगों की मौत की आशंका जताई गई है। वहीं, भाजपा नेता अमित मालवीय ने एक्स पर पोस्ट कर बताया है कि भगदड़ में सात लोगों की जान चली गई, जबकि 16 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि कई लोगों की हालत गंभीर है। स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ को लेकर अमित मालवीय ने कर्नाटक सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि खराब योजना और भीड़ के कुप्रबंधन के कारण भगदड़ मची है।

एक और यूट्यूबर जासूसी के आरोप में गिरफ्तार

चंडीगढ़, 4 जून (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में यूट्यूबर जसबीर सिंह को गिरफ्तार किया है। जसबीर सिंह रूपनगर के महलां गांव का रहने वाला है और उसके यूट्यूब चैनल 'जान महल' पर 10 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर्स हैं। वह 3 बार पाकिस्तान जा चुका है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि वह आईएसआई एजेंट शाकिर उर्फ जट्ट रंधावा के संपर्क में था।

कोरोना का नया वैरिएंट 27 राज्यों में फैला

4302 एक्टिव केस, 44 मौतें; केरल के अस्पतालों में मॉक ड्रिल होगी, हिमाचल में मास्क जरूरी

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। देश में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। मंगलवार को ही 300 नए केस मिले। सबसे ज्यादा गुजरात में 108 और महाराष्ट्र में 86 मामले सामने आए। इस तरह देश में एक्टिव केसों की संख्या 4302 पहुंच गई है। कोरोना 27 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से फैल चुका है। हालांकि 9 राज्यों में अब तक एक भी मामला नहीं है। सबसे ज्यादा 1373 एक्टिव केस केरल में हैं। वहीं महाराष्ट्र 510 केसों के साथ दूसरे नंबर है।

कोरोना के नए वैरिएंट्स से देश में जनवरी से अब तक 44 मौतें हो चुकी हैं। इनमें से 37 मरीजों की मौत बीते 5 दिन में हुई है। महाराष्ट्र में मंगलवार को 4 मरीजों ने जान गई है। राज्य में मरने वाला की संख्या 14 पहुंच गई है। इसके अलावा बीते दिन दिल्ली, गुजरात और तमिलनाडु में भी 1-1 मौत हुई है। हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को कोरोना का पहला मामला सामने आया।

'जो अपने नाम नहीं लिख सकते थे उन्हें रेलवे में जॉब दी गई'

लैंड फॉर जॉब केस में लालू के खिलाफ सीबीआई का दावा

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। सीबीआई ने बुधवार को दिल्ली की एक अदालत के सामने दावा किया कि जो लोग अपना नाम भी नहीं लिख सकते, उन्हें बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार को कथित तौर पर जमीन के टुकड़े गिफ्ट देने पर इंडियन रेलवे में ग्रुप-डी की नौकरी दे दी गई। राउज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज विशाल गोगने की अदालत में सीबीआई की तरफ से पेश हुए सीनियर जज और स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर डीपी सिंह ने तर्क दिया, सिग्नेचर, ट्रांसफर सर्टिफिकेट और मार्कशीट सभी जाली थे।

कैंडिडेट्स ने अपने आवेदनों में उन स्कूलों का उल्लेख किया है, जिनमें उनका कभी नामांकन नहीं था। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, कोर्ट में जज साहब ने पूछा, क्या उन्हें पात्र दिखाने के लिए जालसाजी की गई? इस पर डीपी सिंह ने कहा कि हां, जॉब के लिए अप्लाई करने के लिए यह दिखाना जरूरी है कि आपने 8वीं क्लास पास कर ली है। जब जज गोगने ने सवाल किया कि क्या इन लोगों ने आठवीं पास नहीं की है तो सिंह ने जवाब देते हुए कहा, हां, वे अपने अपने नाम भी नहीं लिख सकते हैं। एक स्कूल था, जहां कोई स्टूडेंट नहीं था। यह स्कूल जाली सर्टिफिकेट बनाने के लिए था।

दरअसल लालू यादव पर आरोप है कि उन्होंने 2004 से 2009 के बीच रेल मंत्री रहते हुए रेलवे में ग्रुप-डी की वैकल्पिक नौकरियों में की गई नियुक्तियों के बदले सस्ती दरों पर जमीन ट्रांसफर की गई। इसी मामले में एजेंसी ने 102 लोगों को आरोपी बनाया है और फिलहाल आरोप तय करने पर बहस की प्रक्रिया चल रही है। सीबीआई की चार्जशीट के अनुसार, इस कथित घोटाले में नौकरी पाने वालों द्वारा दिए गए दस्तावेजों में गंभीर गड़बड़ियां पाई गईं। उदाहरण के लिए, कुछ उम्मीदवारों के कास्ट और रेसिडेंस सर्टिफिकेट पर रोल नंबर दर्ज थे, जिससे यह संकेत मिलता है कि ये सर्टिफिकेट एक साथ और किसी कॉमन परपज के तहत हासिल किए गए थे। डीपी सिंह ने कहा कि बहुत सारी लैंड डील्स में सब कुछ कैश में किया गया था। यह भी संदिग्ध है कि कई डील्स में जमीन (लालू और परिवार को) 60% से कम रेट पर बेची गई थी।

पाकिस्तान को एडीबी से सहायता मिलने का भारत ने किया कड़ा विरोध

धन के दुरुपयोग की जताई आशंका

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। भारत ने पाकिस्तान को एशियाई विकास बैंक की ओर से दिए जाने वाले किसी भी वित्तीय सहयोग का सख्त विरोध किया है। भारत ने पाकिस्तान की ओर से फंड का दुरुपयोग सैन्य खर्चों पर करने के प्रति गंभीर चिंता जताई है। भारत ने आर्थिक सुधारों के लिए पाकिस्तान की प्रतिबद्धता पर भी सवाल उठाया है।

भारत को चिंता है कि पाकिस्तान इस वित्तीय सहायता का दुरुपयोग करेगा। भारत ने एडीबी के समक्ष पाकिस्तान की वित्तीय प्राथमिकताओं पर सवाल उठाया। भारत ने कहा कि पाकिस्तान बिगड़ती राजकोषिय स्थिति, गिरते कर संग्रह को संभालने के बजाए, अंतरराष्ट्रीय फंड का उपयोग सैन्य खर्च में करता आया है। भारत ने कहा कि पाकिस्तान की कर संग्रहण क्षमता जीडीपी के अनुपात में चिंताजनक रूप से घटी है। वित्त वर्ष 2018 में जहां यह आंकड़ा 13.07 था, वहीं वित्त वर्ष 2023 में यह गिरकर महज 9.27 रह गया है, जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र के औसत 19.07 से काफी कम है। इस राजस्व में गिरावट के बावजूद, पाकिस्तान ने इसी अवधि के दौरान रक्षा व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि की। भारत ने चेतावनी दी कि यह पैटर्न अंतरराष्ट्रीय फंड के संभावित डायवर्जन को दर्शाता है। भारत ने एडीबी प्रबंधन से विकास संसाधनों के इस तरह के दुरुपयोग को रोकने के लिए वित्तपोषण को पर्याप्त रूप से सुरक्षित करने का आग्रह किया।

भारत ने पिछले एडीबी और आईएमएफ कार्यक्रमों की प्रभावशीलता पर भी आपत्ति जताई। पाकिस्तान ने वर्षों के संस्थागत समर्थन के बावजूद अपने 24वें बेलआउट कार्यक्रम के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से संपर्क किया है। भारत ने आर्थिक मामलों में पाकिस्तान की सेना के हस्तक्षेप को स्थायी सुधारों के लिए एक सबसे बड़ा बाधा बताया।

'कांग्रेस के डीएनए में आत्मसमर्पण भारत कभी नहीं झुकता'

> नड्डा का राहुल गांधी पर पलटवार

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पलटवार किया है। नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक 'पोस्ट' में कहा, 'राहुल गांधी आत्मसमर्पण आप करते होंगे, आपकी पार्टी ने किया होगा, आपके नेताओं ने आत्मसमर्पण किया होगा क्योंकि आपका इतिहास ही ऐसा रहा है, लेकिन भारत कभी आत्मसमर्पण नहीं करता। आत्मसमर्पण आपकी कांग्रेस पार्टी के शब्दकोष में है, आपके डीएनए में है।'

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी, आपको अपनी पार्टी की सरकारों का कार्यकाल याद करना चाहिए किस तरह आपने इतिहास में 'आत्मसमर्पण' किया।' भाजपा प्रमुख ने कहा, आपने आतंकवाद के सामने आत्मसमर्पण किया, शर्म-अल-शेख में आत्मसमर्पण किया, 1971 की लड़ाई जीतने के बाद शिमला में टेबल पर आत्मसमर्पण किया, सिंधु जल समझौते में आत्मसमर्पण किया, हाजी पीर दर्रा का आत्मसमर्पण किया, छम्ब सेक्टर के 160 किमी इलाके का आत्मसमर्पण किया, 1962 की लड़ाई में आत्मसमर्पण किया, 1948 में आत्मसमर्पण किया और यहां तक कि देश की आजादी के समय मुस्लिम लीग के भी सामने आत्मसमर्पण किया। नड्डा ने कहा, भारतीय सेना ने पाकिस्तान में 300 किमी अंदर घुस कर उसके 11 एयरबेस को तबाह किया, 9 आतंकी अड्डों को ध्वस्त किया, 150 से ज्यादा आतंकी मारे। पाकिस्तान तो रोते-रोते दुनिया को बता रहा है कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान में 18 जगह हमला करके सब कुछ तबाह कर दिया और राहुल गांधी देश के आत्मसमर्पण की बात कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, राहुल गांधी को पता होना चाहिए कि 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता की घोषणा सरकार ने या भाजपा के किसी प्रवक्ता ने नहीं की थी, बल्कि भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने की थी। 'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय सेना की वीरता, शौर्य एवं पराक्रम का उद्घोष है। वास्तव में जिनकी नीतियां आत्मसमर्पण की रही हो, उसे इसके आगे कुछ सूझ भी नहीं सकता-क्यों, ऐसा ही है न राहुल गांधी जी?

ऑस्ट्रेलिया के डिप्टी पीएम मार्ल्स और राजनाथ सिंह की मुलाकात-सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस भारत दौरे पर हैं। बुधवार को ऑस्ट्रेलिया रक्षा मंत्री ने भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। इस मुलाकात में भारत और ऑस्ट्रेलिया ने अपने रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने का संकल्प लिया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले के प्रति नई दिल्ली की दृढ़ प्रतिक्रिया के लिए ऑस्ट्रेलिया के समर्थन की सराहना की। इससे पहले रिचर्ड मार्लेस ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पहुंचकर बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी। ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्लेस को दिल्ली स्थित मानेकशॉ सेंटर में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्लेस दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए भारत समेत चार देशों के दौरे पर हैं। मार्लेस भारत के अलावा मालदीव, श्रीलंका और इंडोनेशिया के दौरे पर हैं। रिचर्ड मार्लेस का दक्षिण एशिया दौरा 2 जून को शुरू हुआ था। रिचर्ड मार्लेस के भारत दौरे को लेकर भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त ने कहा कि मार्लेस का यह भारत दौरा, दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी की पांचवीं वर्षगांठ के अवसर पर मार्लेस का भारत दौरा हो रहा है। जिसने दोनों पक्षों के बीच, विशेष रूप से समुद्री क्षेत्र में, गहरे रक्षा संबंधों को बेहतर बनाने पर चर्चा हुई। बैठक के बाद भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर लिखा कि 'ऑस्ट्रेलियाई उप-प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस के साथ बैठक में भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा साझेदारी की समीक्षा की गई। इनके नेतृत्व में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग मजबूत हो रहा है और यह हमारी रणनीतिक साझेदारी का अहम स्तंभ बनकर उभरा है। पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के एकमत समर्थन के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया को धन्यवाद देता है।'

राजनाथ सिंह और ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री की बैठक में जिन मुद्दों पर बात हुई, उनमें हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र की सुरक्षा का मुद्दा प्रमुख रहा। हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में चीन अपनी ताकत बढ़ा रहा है। अपने भाषण में रिचर्ड मार्लेस ने कहा, भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया का संबंध उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि आतंकवाद से निपटने में ऑस्ट्रेलिया भारत और सभी देशों के साथ खड़ा है। ऑस्ट्रेलियाई उप प्रधानमंत्री ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम होने का भी स्वागत किया।

'शीर्ष अदालत के आदेश को ठेंगा दिखाकर काजीरंगा में अवैध खनन बढ़ा'

सीईसी ने किया दावा

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) ने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में अवैध खनन होने का दावा किया है। असम में एक सरकारी कर्मचारी की शिकायत और क्षेत्र-स्तरीय सत्यापन के आधार पर सीईसी ने 30 मई को शीर्ष अदालत को राष्ट्रीय उद्यान में अवैध खनन की स्थिति को लेकर रिपोर्ट सौंपी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के पास असम के पार्कअप पहाड़ क्षेत्र में अवैध खनन जारी है। इसमें तेजी आई है, जबकि शीर्ष अदालत ने 2019 में उद्यान के संवेदनशील क्षेत्र में और उसके आसपास सभी खनन तथा संबंधित गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने सीईसी की रिपोर्ट के आधार पर ही पार्क अवैध खनन पर प्रतिबंध लगाया था।

दिसंबर 2024 में एक सरकारी कर्मचारी ने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में अवैध खनन की शिकायत की थी। शिकायत में 2019 से 2023 तक की गूगल अर्थ इमेजरी और साइट-विशिष्ट डेटा शामिल थे। शिकायत के बाद सीईसी ने असम वन और पुलिस विभाग से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी। असम के प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने पांच फरवरी को सीईसी को विस्तृत रिपोर्ट सौंपी। जिसमें खनन पट्टों के निलंबन सहित की गई कार्रवाई की रूपरेखा दी गई।

न्यायाधीश का तबादला

फिर से होगी दिल्ली दंगे की साजिश की सुनवाई

पूर्वी दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। वर्ष 2020 में हुए दंगे की साजिश मामले की सुनवाई नए सिरे से कड़कड़डूमा कोर्ट में होगी। दंगे के मामले की सुनवाई कर रहे अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी को दूसरे कोर्ट में स्थानांतरण कर दिया है। उनकी जगह नए अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ललित कुमार फिर से पूरे मामले को सुनेंगे। छह जून को इस मामले में सुनवाई होगी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ललित कुमार के कोर्ट ने आरोपितों व अभियोजन पक्ष के वकीलों को निर्देश दिया है कि वह यह स्पष्ट करें कि चार्ज तय करने पर अपनी दलीलें कितने समय में और किस क्रम में पेश करेंगे। मामले की बहस के लिए उन्हें कितना समय चाहिए होगा। साजिश के मामले में अभियोजन पक्ष पहले ही कोर्ट में अपनी दलीलें पूरी कर चुका है और पांच आरोपितों के वकील रोप तय करने के मुद्दे पर अपनी दलीलें कोर्ट के सामने रख चुके हैं। न्यायाधीश के तबादले के चलते फिर से कोर्ट सभी पक्षों की दलीलें सुनेगा। दंगे की साजिश के मामले में जांच कर रही स्पेशल सेल 17 हजार पन्नों का आरोपपत्र व अन्य दस्तावेज फिर से कोर्ट में पेश करेगा। दंगे की साजिश के मामले में सेल ने आप के पार्षद रहे ताहिर हुसैन, जेएनयू के पूर्व नेता उमर खालिद, खालिद सैफी। पूर्व पार्षद इशरत जहां, शादाब अहमद, तस्लीम अहमद, सलीम मलिक, मीरान हैदर, गुलफिशा फातिमा, शिफा उर रहमान, आसिफ इकबाल तन्हा, सफूरा जरगर, शरजील इमाम,मोहम्मद सलीम खान, अतहर खान, फैजान खान और नताशा नरवाल आरोपित बनाया हुआ है। बता दें दिल्ली हाईकोर्ट ने प्रशासनिक आदेश देकर दिल्ली में 135 न्यायाधीशों का स्थानांतरण किया है।

कर्नल सोफिया मामले में एसआईटी विजय शाह को भेजेगी नोटिस

मंत्री से होगी पूछताछ

भोपाल, 4 जून (एजेंसियां)। कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए गए कथित विवादास्पद बयान के मामले में मंत्री विजय शाह से एसआईटी पूछताछ की तैयारी में है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) अब शाह को नोटिस देकर बयान दर्ज करेगी। सूत्रों के अनुसार, जांच की वर्तमान स्टेटस रिपोर्ट में विजय शाह के कथनों को शामिल नहीं किया गया था, लेकिन अगली जांच प्रक्रिया के तहत टीम महू का दौरा फिर करेगी। साथ ही, बयान से संबंधित वीडियो को अब भोपाल स्थित सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लेबोरेट्री (सीएफएसएल) भेजा गया है, जहां उसकी प्रमाणिकता की जांच कराई जा रही है। इससे पहले वीडियो रीजनल फॉरेंसिक लैब में भेजा गया था, लेकिन वहां इसकी तकनीकी जांच संभव नहीं हो सकी थी। इस बीच, पुलिस मुख्यालय (पुलिस मुख्यालय) के सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी के प्रमुख प्रमोद वर्मा का तबादला हाल ही में सागर से जबलपुर किया गया है, लेकिन एसआईटी के नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वर्मा टीम की कमान यथावत संभालते रहेंगे।

कांग्रेस ने राजेंद्र पाल गौतम को बनाया एससी विभाग का चेयरमैन

अरविंद केजरीवाल सरकार में रह चुके हैं मंत्री

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी ने आज (4 जून) को एक बड़ा संगठनात्मक फेरबदल करते हुए पूर्व दिल्ली मंत्री राजेंद्र पाल गौतम को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अनुसूचित जाति विभाग का नया चेयरमैन नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा की गई इस घोषणा के साथ ही पूर्व चेयरमैन राजेश लिलोठिया की जगह अब गौतम को यह अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। कांग्रेस पार्टी ने इस बदलाव को अपने सामाजिक न्याय एजेंडे को मजबूती देने की दिशा में उठाया गया कदम बताया है। पीटीआई के अनुसार, पार्टी ने एक्स पर पोस्ट कर आधिकारिक रूप से कहा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने श्री राजेंद्र पाल गौतम को एआईसीसी के अनुसूचित जाति (एससी) विभाग का चेयरमैन नियुक्त किया है। साथ ही, पार्टी ने पूर्व चेयरमैन राजेश लिलोठिया के योगदान के लिए आभार भी प्रकट किया है। इस बदलाव को आगामी चुनावी रणनीति और दलित वर्ग के बीच पार्टी की पकड़ मजबूत करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

कौन हैं राजेंद्र पाल गौतम?

राजेंद्र पाल गौतम पहले आम आदमी पार्टी में थे और दिल्ली सरकार में मंत्री रह चुके हैं। वे सीमापुरी विधानसभा क्षेत्र से विधायक भी रह चुके हैं। अक्टूबर 2022 में एक धार्मिक आयोजन में भाग लेने को लेकर विवादों में घिरने के बाद उन्होंने दिल्ली सरकार में सामाजिक कल्याण मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। उस आयोजन में हिंदू देवी-देवताओं के कथित अपमान को लेकर सियासी तूफान खड़ा हो गया था। इसके बाद उन्होंने आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देकर कांग्रेस का दामन थाम लिया।

पेशे से वकील हैं राजेंद्र पाल गौतम

राजेंद्र पाल गौतम पेशे से वकील हैं और लंबे समय तक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण, और को-ऑपरेटिव सोसाइटीज विभाग से जुड़े रहे हैं। गौतम की कांग्रेस में एंट्री पिछले साल (2024) ही हुई और अब मिली जिम्मेदारी से यह साफ संकेत मिलता है कि पार्टी आगामी चुनावों में दलित और वंचित तबकों को साधने की रणनीति पर जोर दे रही है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर सीएम मोहन यादव का पलटवार

कहा- उनकी भाषा देश बर्दाश्त नहीं करेगा

भोपाल, 4 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के दौरे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर अब भाजपा ने तीखी पलटवार किया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि ये दुर्भाग्यपूर्ण है। नेता प्रतिपक्ष राहु गांधी मर्यादा छोड़कर जिस तरह से बात कर रहे हैं वो संस्कारों के खिलाफ है। उन्होंने भोपाल में दादी इंदिरा गांधी को जूते पहनकर और फूल फेंककर पुष्पांजलि दी। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप के संबंध में जो बयान दिया, उससे उनका हल्का पन सामने आता है। सीएम मोहन यादव ने इस घटना की कटु शब्दों में निंदा की। सीएम यादव ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कांग्रेस के सांसद विदेश में बात कर रहे हैं और राहुल गांधी नादान तरीके से बात कर रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष की एक गरिमा होती है। राहुल गांधी ने जिस भाषा का इस्तेमाल किया, उसे देश बर्दाश्त नहीं करेगा। इन्हीं सब कारणों की वजह से राहुल गांधी को पप्पू कहा जाता है। ऐसे बयान पर उनके साथ वाले ताली बजा रहे हैं। मध्यप्रदेश के लोग इसे सहन नहीं करेंगे। इस पूरी घटना की कांग्रेस को कीमत चुकानी होगी।

सिसोदिया-सत्येंद्र जैन की फिर बढ़ीं मुश्किलें

भ्रष्टाचार मामले में एसीबी ने भेजा समन

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार के स्कूलों में कक्षाओं के निर्माण में कथित भ्रष्टाचार को लेकर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने दिल्ली के पूर्व मंत्रियों और आप नेताओं मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को समन जारी किया है। सत्येंद्र जैन को 6 जून को एसीबी कार्यालय में बुलाया गया है, जबकि मनीष सिसोदिया को 9 जून को पेश होने को कहा गया है। 12,748 क्लासरूम और भवनों के निर्माण में कथित 2000 करोड़ रुपये के घोटाले से जुड़ा यह मामला है। एंटी करप्शन ब्रांच की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि दिल्ली में आप सरकार के शासनकाल में 12,748 कक्षाओं और भवनों के निर्माण में 2,000 करोड़ का भारी घोटाला सामने आया है। परियोजना को आम आदमी पार्टी से जुड़े कुछ ठेकेदारों को कथित तौर पर दिया गया था। निर्माण में भारी विचलन और लागत में वृद्धि देखी गई। इसके अलावा निर्धारित अवधि के अंदर एक भी काम पूरा नहीं हुआ। एंटी करप्शन ब्यूरो के द्वारा दर्ज केस में इन नेताओं पर दिल्ली सरकार के स्कूलों की कक्षाओं के निर्माण में भारी वित्तीय अनियमितता करने का आरोप लगाया गया है। आरोप यह भी है कि आम आदमी पार्टी से जुड़े ठेकेदारों को कक्षाओं के निर्माण का काम देकर वित्तीय गड़बड़ी को अंजाम दिया गया।

जांच एजेंसी ने दर्ज केस में आरोप लगाया है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार रहने के दौरान 12,748 कक्षाओं का निर्माण किया गया था। आरोप पत्र के अनुसार, इन कक्षाओं के निर्माण में घटिया गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग किया गया, लेकिन इसका पैसा बेहतर आरसीसी निर्माण तकनीकी की दर से वसूल किया गया। एजेंसी का आरोप है कि इस मामले में भारी वित्तीय गड़बड़ी की गई है।

एंटी करप्शन ब्यूरो ने यह भी आरोप लगाया है कि इन कक्षाओं के निर्माण में जिन 34 ठेकेदारों को निर्माण का ठेका दिया गया था, उनमें से ज्यादातर आम आदमी पार्टी से जुड़े हुए लोग शामिल थे। आरोप है कि इन्हीं लोगों से लीभगत कर घटिया स्तर की कक्षाओं का निर्माण कराकर वित्तीय गड़बड़ी की गई।

इसमें बच्चों की सुरक्षा को भी दांव पर लगाया गया। कई जगहों पर किसी कक्षा का निर्माण नहीं किया गया, लेकिन टॉयलेट को एक कक्षा बताकर उसकी कीमत को भी जनता के पैसे से वसूल किया गया था। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया है कि दिल्ली की तत्कालीन सरकार ने एक ही स्कूल में चार-चार शिफ्ट में स्कूल चलाकर स्कूलों की संख्या बढ़ाकर दिखाई थी।

घणसोली बस डिपो में भीषण आग से दो बसें जलकर हुईं खाक

मुंबई, 4 जून (एजेंसियां)। नवी मुंबई के घणसोली बस डिपो में बुधवार की सुबह एक भीषण आग की घटना में दो बसें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। इस हादसे में एक इलेक्ट्रिक और एक डीजल बस को नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों के मुताबिक यह घटना डिपो में मरम्मत के लिए खड़ी इलेक्ट्रिक बस में अचानक आग लगने से हुई है। आग इतनी तेजी से फैली कि पास खड़ी डीजल बस भी इसकी चपेट में आ गई। इस घटना में दोनों बसें पूरी तरह नष्ट हो गईं। जिसके लिए उसे डिपो में रखा गया था। आग लगने का सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन अधिकारियों का मानना है कि शॉर्ट सर्किट इसकी मुख्य वजह हो सकती है। घटना की सूचना मिलते ही डिपो के कर्मचारियों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचित किया। अग्निशमन दल ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। घटना के बाद वाशी परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचे। आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। परिवहन विभाग के सूत्रों के अनुसार, जलकर खाक हुई इलेक्ट्रिक बस हाल ही में नवी मुंबई की सड़कों पर शुरू की गई नई बसों में से एक थी। इस हादसे से परिवहन विभाग को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है, क्योंकि दोनों बसों की लागत काफी अधिक थी। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए डिपो में सुरक्षा मानकों की समीक्षा की जाएगी।

दिल्ली में अब इन लोगों पर दर्ज होगा मुकदमा, सीएम रेखा गुप्ता का सख्त आदेश

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को झुग्गी तोड़ने को लेकर भ्रम फैलाने वालों के विरुद्ध एफआइआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। उन्होंने अवैध निर्माण के खिलाफ चल रही कार्रवाई को लेकर दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब), लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी), दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली नगर निगम निगम और जल बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। कहा, सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि पक्का मकान देने के बाद ही झुग्गी तोड़ी जाएगी। इसके बाद भी कुछ लोग झुग्गी तोड़ने को लेकर भ्रम फैला रहे हैं। ऐसे लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई आवश्यक है। बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को झुग्गी बस्तियों में सीवर, जल निकासी, पेयजल, सड़क, स्ट्रीट लाइट, सामुदायिक शौचालय और कचरा प्रबंधन जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। कहा कि हमारी सरकार ने झुग्गियों में बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के लिए 700 करोड़ का बजट आवंटित किया है। झुग्गीवासियों को सम्मान के साथ जीने का अधिकार है। सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार जिम्मेदारी है। सरकार का उद्देश्य सिर्फ पुनर्विकास नहीं, बल्कि जीवन स्तर में सुधार है। दिल्ली की सभी झुग्गी बस्तियों का पुनर्विकास चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। झुग्गियों से संबंधित कोई भी कार्य करने से पहले सरकार को सूचना देना अनिवार्य है। जिनका पुनर्वास किया गया है, वहां पर बिजली-पानी आदि की व्यवस्था का भी ध्यान रखा जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी विभाग मिलकर एकीकृत कार्ययोजना तैयार करें ताकि झुग्गी क्षेत्रों में विकास कार्य तेजी से और प्रभावी ढंग से हो सके। जिन स्ट्रीट वेंडरों के पास प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के कागजात हैं। उन्हें वैकल्पिक स्थल की व्यवस्था करने को भी कहा। बैठक में अधिकारियों ने कहा, अतिक्रमण के कारण यातायात व लोगों की आवाजाही बाधित होने वाले स्थानों पर कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली के वी3एस मॉल में आग लगने से हड़कंप

तीसरे फ्लोर से निकला धुआं 5 दमकल की गाड़ियां मौके पर

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर स्थित वी3एस मॉल में सुबह आग लगने से हड़कंप मच गया। हालांकि, दमकल विभाग की मुस्तैदी से एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, दमकल विभाग की मुस्तैदी से एक बड़ा हादसा टल गया। बता दें, सुबह 11:40 बजे के करीब मॉल के चौथे फ्लोर पर आग लगने की सूचना मिली थी। मौके पर 5 दमकल गाड़ियां भेजी गईं। कुछ ही मिनटों में आग पर काबू पा लिया गया। आपको बता दें, आग चौथे फ्लोर पर नहीं, बल्कि तीसरे फ्लोर पर मौजूद 'टोनिग पिज्जा शॉप' की रसोई में लगी थी। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। इस घटना में किसी बड़े नुकसान या हताहत होने की खबर नहीं है। दमकल विभाग की सतर्कता की बदौलत मॉल में मौजूद लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। वहीं, आपको बताते चलें कि दिल्ली के राजौरी गार्डन ज़ेप्टो ऑउटलेट बिल्डिंग में भयंकर आग लगी है। वहां पूरा ऑउटलेट जलकर ख़ाक हो गया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मौके पर दमकल विभाग ने आग पर काबू पा लिया। आग लगने की वजह साफ नहीं हो पाई है। इसके अलावा, दिल्ली के राजपुर रोड पर झुग्गियों में भीषण आग बुझाने वाली 12 गाड़ियां मौके पर पहुंची। इसमें 60 से ज्यादा आग बुझाने वाली गाड़ियां पहुंची थीं। यह आग गुड़ मंडी आईसीआईसीआई बैंक के पास लगी है।

उद्धव को छोड़कर शिंदे की शिवसेना में शामिल होंगे चंद्रहार पाटिल

शिरसाट बोले- रोक सको तो रोक लो

छत्रपति संभाजीनगर, 4 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में लगातार उठापटक जारी है। शिवसेना के नेता और राज्य मंत्री संजय शिरसाट ने दावा किया है कि उद्धव की शिवसेना को छोड़कर नेता शिंदे की शिवसेना में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि सांगली सीट से शिवसेना (यूबीटी) उम्मीदवार के रूप लोकसभा चुनाव लड़ने वाले नेता चंद्रहार पाटिल नौ जून को सत्तारूढ़ शिवसेना में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि सोमवार को और इस महीने के अंत तक कई लोग हमारी पार्टी में शामिल होंगे। चंद्रहार पाटिल भी शामिल होने वाले हैं। रोक सको तो रोक लो। उद्धव ठाकरे की पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी उनके साथ रहने को तैयार नहीं है और उन्हें अपनी पार्टी के मामलों को देखना चाहिए। स्थानीय भाजपा नेताओं के नगर निगम चुनावों को लेकर किए जा रहे दावों पर शिरसाट ने कहा कि ये नेता उत्साही हैं और पार्टी के लिए कुछ भी करने के मूड में हैं। हमारी शुभकामनाएं उनके साथ हैं। लेकिन पार्टी को एक कार्यशाला आयोजित करनी चाहिए जिसमें पार्टी नेताओं को सिखाया जाए कि क्या बोलना है। लोकसभा चुनाव में सांगली सीट पर काफी कड़ा मुकाबला हुआ था। इसमें कांग्रेस नेता विशाल पाटिल ने शिवसेना (यूबीटी) उम्मीदवार चंद्रहर पाटिल के खिलाफ निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। विशाल पाटिल ने भाजपा के वर्तमान सांसद संजय काका पाटिल को हराकर जीत हासिल की, जबकि चंद्रहार पाटिल अपनी जमानत जब्त होने के कारण तीसरे स्थान पर रहे। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव की तैयारी चल रही है। छह मई को सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र चुनाव आयोग को निर्देश दिए थे कि वह चार सप्ताह के भीतर राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों की अधिसूचना जारी करे। पीठ ने यह भी निर्देश दिया कि राज्य चुनाव आयोग चार महीने में चुनाव संपन्न कराए। पीठ ने राज्य चुनाव आयोग को उचित मामलों में अधिक समय मांगने की स्वतंत्रता प्रदान की।

'वन नेशन, वन हसबैंड स्कीम' बयान को लेकर बुरे फंसे सीएम भगवंत मान

चंडीगढ़, 4 जून (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान इस समय अपने एक बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एक ऐसी टिप्पणी कर दी, जिसको लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएम भगवंत मान ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा घर-घर जाकर सिंदूर बांट रही है, क्या यह पीएम मोदी के नाम का सिंदूर है? अब क्या यह वन नेशन, वन हसबैंड स्कीम है? उनके इस बयान की वजह से वह विवादों में आ गए हैं। सीएम मान के इस बयान की सोशल मीडिया समेत हर जगह कड़ी निंदा की जा रही है। भाजपा ने तो उनके इस्तीफे की मांग की है। सोशल मीडिया पर भी कई लोग सीएम मान के बयान की आलोचना कर रहे हैं। कुछ लोगों ने कहा कि कुछ राजनेता अपने फायदे के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। उन्हें किसी से डर नहीं लगता, शायद भगवान से भी नहीं...। वहीं कुछ लोगों ने कहा कि अपने घर में वह शोर मचाते हैं, कैमरे के सामने बोल्ड होते हैं, लेकिन जब उनका सामना असली नेता से होता है, तब सारा शोर और घबराहट भरी हंसी बदल जाती है। वहीं एक यूजर ने तो उनके बयान 'वन नेशन, वन हसबैंड स्कीम' पर तंस कसते हुए कमेंट में लिखा कि 'वन नेशन, वन बोतल'। वहीं, कुछ लोगों ने भगवंत मान को सलाह दी कि वह कोई भी बयान देने से पहले थोड़ा सोच लें। वहीं हरियाणा की राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने सीएम भगवंत मान के ऑपरेशन सिंदूर पर दिए गए बयान पर कहा कि 'वह एक जिम्मेदार व्यक्ति हैं, उन्हें इस तरह की बात नहीं करनी चाहिए।

कन्नड़ विवाद के बीच कमल हासन ने राज्यसभा नामांकन दाखिल करना स्थगित किया

डीएमके ने अपने कोटे की दी है सीट

चेन्नई, 4 जून (एजेंसियां)। साउथ सुपरस्टार कमल हासन ने आज राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल नहीं करेंगे। पहले ऐसी खबर थी कि वे आज नामांकन दाखिल करनेवाले हैं लेकिन उनका आज का कार्यक्रम रद्द हो गया है। दरअसल, तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके ने अपने कोटे की चार राज्यसभा सीटों में से एक सीट कमल हासन की पार्टी मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) को देने का फैसला किया है। इस सीट के जरिए कमल हासन पहली बार राज्यसभा में पहुंचेंगे।

डीएमके कराएगी लिफ्ट?

तमिलनाडु के सीएम और डीएमके के अध्यक्ष एमके स्टालिन ने कहा कि कमल हासल की पार्टी एमएनएम को एक सीट देने का फैसला लिया गया है। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले दोनों पार्टियों के बीच समझौता हुआ था। डीएमके ने राज्यसभा के लिए बाकी के तीन उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। पार्टी ने पी विल्सन, सलमा और एसआर शिवलिंगम को राज्यसभा में भेजने का फैसला लिया है।

19 जून को होगा राज्यसभा चुनाव

बता दें कि इस साल 24 जुलाई को तमिलनाडु से छह राज्यसभा सदस्य रिटायर होनेवाले हैं। इनमें पीएमके के अंबुमणि रामदास, एमडीएमके के नेता वाइको शामिल हैं। राज्यसभा के लिए 9 जून तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। अगले दिन जांच होगी और उसके बाद 19 जून को वोटिंग होगी। 19 जून को ही शाम में नतीजे घोषित किए जाएंगे।

भाषा विवाद को लेकर सुर्खियों में हैं कमल हासन

फिलहाल कमल हासन भाषा विवाद को लेकर सुर्खियों में हैं। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने अभिनेता एवं नेता कमल हासन को उनके द्वारा अपनी इस टिप्पणी के लिए माफी मांगने से इनकार करने पर मंगलवार को फटकार लगायी कि कन्नड़ भाषा का जन्म तमिल से हुआ है। अदालत हासन की फिल्म 'ठग लाइफ' के राज्य में रिलीज के वास्ते सुरक्षा का अनुरोध वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। फिल्म के निर्माताओं ने मंगलवार को अदालत को बताया कि यह फिल्म पांच जून को कर्नाटक में रिलीज नहीं होगी, जो पूरे देश में रिलीज की निर्धारित तिथि है, जिसके बाद अदालत ने सुनवाई 10 जून तक के लिए स्थगित कर दी।

विरोध प्रदर्शन के बाद मांगी थी सुरक्षा

हासन के प्रोडक्शन हाउस राजकमल फिल्म्स इंटरनेशनल ने अभिनेता की टिप्पणी के बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन और कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा बहिष्कार के आह्वान के मद्देनजर राज्य में फिल्म की रिलीज के लिए पर्याप्त सुरक्षा का अनुरोध किया था। केएफसीसी ने हासन से माफीनामे की भी मांग की है। जस्टिस नागप्रसन्ना ने कहा कि (हासन द्वारा) एक बार माफी मांगने से स्थिति सुलझ सकती थी, उन्होंने कहा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उपयोग किसी की, विशेष रूप से जनसमूह की भावनाओं को ठेस पहुंचाने की सीमा तक नहीं किया जा सकता। न्यायाधीश ने कहा कि अभिनेता के हालिया बयान से कर्नाटक के लोगों की भावना को ठेस पहुंची। अदालत ने कहा, ''भाषा लोगों की भावनात्मक और सांस्कृतिक पहचान होती है। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी व्यक्ति को ऐसी टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है जो पूरे भाषाई समुदाय के गौरव को ठेस पहुंचाये। जस्टिस नागप्रसन्ना ने सवाल किया, क्या आप (कमल हासन) इतिहासकार या भाषाविद् हैं जो ऐसा बयान दे रहे हैं? कोई भी भाषा किसी दूसरी भाषा से पैदा नहीं होती। एक माफी से स्थिति सुलझ सकती थी।''

प्रेग्नेंट महिला के शव को लादकर 8 किमी तक चले परिजन, अस्पताल में मौत के बाद नहीं मिली एंबुलेंस

कंधमाल, 4 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के कंधमाल जिले से एक दिल दहला देने वाली और बेहद शर्मनाक घटना सामने आई है, जिसने पूरे सिस्टम की पोल खोल दी है। कहा जाता है कि आज के समय में अस्पतालों में सभी सुविधाएं मौजूद हैं, हर गांव और शहर में एंबुलेंस की सुविधा 24 घंटे मिलती है। हालांकि, कंधमाल की यह घटना एक बार फिर यह साबित कर दी है कि जमीनी हकीकत अब भी बहुत अलग है। यह घटना कंधमाल जिले के दारिंगबाड़ी इलाके की है, जहां एक गर्भवती महिला की मौत के बाद उसके शव को अस्पताल से घर तक कंधे पर उठाकर लाया गया। महिला का नाम सुनीमा प्रधान बताया जा रहा है, जो काजुरी पादेरी गांव के सुरेंद्र प्रधान की पत्नी थीं। सुनीमा गर्भवती थीं और तबीयत खराब होने के बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया था। लेकिन इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई।

सुविचार: सफलता प्राप्त करनी है तो फिर कार्य भी करना होगा बाते तो हर कोई करता है

कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करना हमारी जिम्मेदारी: भट्टी

कल कैबिनेट बैठक में हम रिपोर्ट पेश करेंगे, समाधान निकालेंगे

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करना हमारी सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देने और समस्याओं का समाधान करने के लिए मंत्रियों की एक उप-समिति और अधिकारियों की एक समिति नियुक्त की है। बुधवार को डॉ. बीआर अंबेडकर सचिवालय में हुई बैठक में उप-समिति के सदस्यों ने मंत्री श्रीधर बाबू, पोन्नम प्रभाकर, सरकारी सलाहकार केशव राव और अन्य के साथ भाग लिया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी ने मंत्रियों की समिति को आप सभी के साथ कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा करने और समस्याओं को जल्द से जल्द हल करने के लिए सकारात्मक निर्णय लेने का निर्देश दिया है। कर्मचारियों की समस्याओं पर नियुक्त तीन सदस्यीय समिति ने कई बार श्रमिक संघों के साथ बैठक की है और उनके अनुरोध प्राप्त किए हैं। आपसे प्राप्त जानकारी को समिति को कई बार समझाया गया है। डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क ने कर्मचारी यूनियनों को समझाया कि सरकार का विचार पिछले कुछ वर्षों में बकाया राशि के संचय के कारण कर्मचारियों की समस्याओं को लंबे समय तक लंबित किए बिना हल करना है। उन्होंने कहा कि गुरुवार को कैबिनेट की बैठक के संदर्भ में सीधे कर्मचारी यूनियनों के साथ अधिकारियों की रिपोर्ट पर चर्चा करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि जनता सरकार कर्मचारियों को सरकार में भागीदार मानती है। डिप्टी सीएम ने समझाया कि राज्य सरकार लोगों के लिए किए जाने वाले काम, प्रदान की जाने वाली कल्याणकारी योजनाओं, सरकार की आय और व्यय के साथ-साथ रोजगार प्रणाली को क्या दिया जाना चाहिए, इसे प्राथमिकता के रूप में मानती है। डिप्टी सीएम ने कहा कि कैबिनेट की बैठक से पहले कर्मचारी यूनियनों के साथ बैठक एक साथ बैठकर चर्चा करने और एक तरफ लोगों और दूसरी तरफ कर्मचारियों को कोई समस्या पैदा किए बिना आगे बढ़ने के विचार के साथ हुई थी।

डिप्टी सीएम ने कहा कि पिछले दस वर्षों के शासन के दौरान उत्पन्न वित्तीय कठिनाइयों के बावजूद, कर्मचारियों को सर्वोत्तम संभव उपचार दिया जाना चाहिए और उनकी समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए। उन्हें हल करने के विचार के तहत, हमारी सरकार अपने गठन की पहली तारीख को वेतन का भुगतान करेगी। पिछली सरकार द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखते हुए, हमने बड़ी संख्या में नई योजनाएं शुरू की हैं और उन्हें सफलतापूर्वक लागू कर रहे हैं। इसके अलावा, लोगों की सरकार कर्मचारियों की मांगों को हल करने की तलाश में है। उन्होंने बताया कि हम संसाधनों को जुटाकर लोगों पर एक भी रुपये का बोझ डाले बिना आगे बढ़ रहे हैं और कर्मचारियों के कल्याण के लिए वित्तीय प्रयास कर रहे हैं। इसी संदर्भ में, हम कर्मचारियों के कल्याण के लिए वित्तीय प्रयास कर रहे हैं। बताया गया कि सरकार ने कर्मचारियों के लिए अच्छा करने के विचार से कई बैठकें की हैं। डिप्टी सीएम ने कर्मचारी यूनियनों को आश्वासन दिया कि सीएम रेवंत रेड्डी सरकार की आय और व्यय के साथ किए जाने वाले काम को संतुलित करने और वित्तीय बोझ के बावजूद कर्मचारियों की समस्याओं को हल करने में मजबूत हैं। उन्होंने कहा कि कैबिनेट सहयोगियों ने कर्मचारियों के परिवारों में शादी और अस्पताल के खर्च से जुड़े मुद्दों पर कई बार आंतरिक रूप से चर्चा की है और कर्मचारियों की समस्याओं को हल करने के मुद्दे पर कोई मतभेद नहीं है। गुरुवार को कैबिनेट की बैठक की पृष्ठभूमि में, कर्मचारी संघों की समस्याओं पर गठित अधिकारियों की तीन सदस्यीय समिति वित्त विभाग और अन्य अधिकारियों के साथ चर्चा करेगी, एक रिपोर्ट तैयार करेगी और कैबिनेट को रिपोर्ट करेगी, और एक समाधान खोजेगी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने कर्मचारी संघ नेताओं को बताया। बैठक में नवीन मित्तल, लोकेश कुमार, कृष्ण भास्कर, संदीप कुमार सुल्तानिया, महेश दत्त एक्का और अन्य पदाधिकारी शामिल हुए।

टीजी टीईटी परीक्षा 18 जून से होगी

परीक्षाएं 30 जून को समाप्त होंगी

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीजी टीईटी 2025) का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। ये परीक्षाएं 18 से 30 जून तक आयोजित की जाएंगी। उल्लेखनीय है कि अधिसूचना में कहा गया है कि परीक्षाएं 15 जून से शुरू होंगी, लेकिन वे इस महीने की 18 तारीख से आयोजित की जाएंगी। इस संबंध में, स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने परीक्षा आयोजित करने के लिए नवीनतम तिथियों, सत्रों, विषयों और जिलों के साथ पूरा कार्यक्रम जारी किया है। ज्ञात हो कि इस साल टीईटी आवेदन 15 से 30 अप्रैल तक प्राप्त हुए थे। हॉल टिकट 9 जून से डाउनलोड के लिए उपलब्ध होने की संभावना है। ज्ञात हो कि कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना में साल में दो बार (जून और दिसंबर) टीईटी परीक्षा आयोजित करने का फैसला किया है। इसकी घोषणा पिछले साल जुलाई में की गई थी। इसी के तहत पिछले साल दिसंबर में टीईटी अधिसूचना जारी करने वाली सरकार ने इस साल जनवरी में परीक्षाएं आयोजित कीं। जनवरी में आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा के लिए 2.75 लाख लोगों ने आवेदन किया था, जबकि 2 लाख से अधिक लोग परीक्षा में शामिल हुए। अधिकारियों ने बताया कि इस बार केवल 1,83,653 आवेदन ही प्राप्त हुए। बताया जाता है कि पेपर 1 के लिए 63,261 और पेपर 2 के लिए 1,20,392 लोगों ने आवेदन किया। दोनों पेपर के लिए करीब 15,000 लोगों ने आवेदन किया।

एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन ने फिर से आमने-सामने कार्यक्रम शुरू किया

जनता की समस्याओं को जानने और उनके समाधान के लिए उठाया कदम

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सरकार की ओर से जनता की समस्याओं को जानने और उनके समाधान के लिए पीसीसी अध्यक्ष एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन ने फिर से आमने-सामने कार्यक्रम शुरू किया है। कार्यक्रम में प्रजा भवन में जनता की समस्याओं से जुड़ी अपीलें ली जा रही हैं। इस अवसर कांग्रेसी नेताओं ने कहा कि गांधी भवन पार्टी के लिए मंदिर जैसा है। कांग्रेस के सत्ता में आने के कारण बने मंदिर में जनता की समस्याओं को जानने के लिए आमने-सामने कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं से लोगों से अपील की जा रही है कि वे गांधी भवन में आकर अपनी समस्याएं बताएं।भविष्य में कांग्रेस का शासन होगा। जिस तरह गांवों में हनुमान मंदिर के बिना कोई गांव नहीं होता, उसी तरह इंदिराम्मा के घर के बिना कोई गांव नहीं होता है। उन्होंने कहा कि बीआरएस पार्टी में विवाद चाय के प्याले में तूफान की तरह है। बीआरएस अपना फोकस राजनीतिक रूप से बदलने की कोशिश कर रही है। घोष आयोग के पास किसी को भी जांच के लिए बुलाने की संभावना है। केसीआर ने जनता के पैसे का दुरुपयोग पानी की तरह किया है। कविता राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। कांग्रेस को केटीआर, कविता और पंचायत की जरूरत नहीं है। आयोग को किसी को भी बुलाना पसंद है। पानी मिले तो खुशी होती, लेकिन तेलंगाना का पैसा बेकार में लूटा गया। जन समस्याओं के समाधान के लिए गांधी भवन में मंत्रियों से आमना-सामना कार्यक्रम आयोजित किया गया है। समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए मंत्रियों से आमना-सामना कार्यक्रम उपयोगी है। कांग्रेस सरकार बनाने में कड़ी मेहनत करने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए मंत्रियों से आमना-सामना कार्यक्रम बहुत उपयोगी है।

हरीश राव ने खाद्य विषाक्तता पीड़ितों की गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल की मांग की

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और सिद्दीपेट विधायक हरीश राव ने आज कहा कि यह बहुत दुखद है कि एर्रागड्डा मानसिक अस्पताल में 70 लोग खाद्य विषाक्तता से प्रभावित हुए, जिनमें एक व्यक्ति भी शामिल था, जिसकी बाद में खाद्य विषाक्तता के प्रभाव के कारण मृत्यु हो गई।

उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि गुरुकुलों में, जहां छात्र पढ़ते हैं और सरकारी अस्पतालों में, जहां वे इलाज के लिए आते हैं, खाद्य विषाक्तता हो रही है। हरीश राव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के शासन में खाद्य विषाक्तता और जान गंवाना बहुत आम हो गया है। क्या राज्य सरकार इतनी भ्रष्ट हो चुकी है कि वह मानसिक उपचार के लिए अस्पताल आने वाले रोगियों को गुणवत्तापूर्ण भोजन भी उपलब्ध नहीं करा सकती है?

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी क्या कर रहे हैं? स्वास्थ्य विभाग क्या कर रहा है? मानसिक रोगी की मौत के लिए कौन जिम्मेदार है? यह राज्य सरकार की लापरवाही के कारण जान का नुकसान है। यह जानते हुए भी कि पीड़ित बीमार पड़ गए हैं, उन्हें गुणवत्तापूर्ण उपचार प्रदान करने में अत्यधिक लापरवाही दिखाना अमानवीय है, उन्होंने मजाक उड़ाया। हरीश राव ने राज्य सरकार से उन दो रोगियों सहित अन्य 67 लोगों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपचार प्रदान करने की मांग की, जो उस्मानिया अस्पताल में गंभीर हालत में इलाज करा रहे हैं।

राज्य सम्मेलन को सफल बनाएं: संबाशिव राव

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई तेलंगाना राज्य सचिव और पार्टी विधायक कुनामनेनी संबाशिव राव ने आज 19-22 अगस्त, 2025 को मेडचल मलकाजगिरी जिले के कुतुबुल्लापुर में महाराजा गार्डन में आयोजित होने वाले भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के चौथे तेलंगाना राज्य सम्मेलन को सफल बनाने का आह्वान किया। संबाशिव राव ने बुधवार को शाहपुर नगर एटक कार्यालय में चौथे सीपीआई राज्य सम्मेलन के अवसर पर आयोजित आमंत्रण समिति की बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता सीपीआई तेलंगाना राज्य सचिव वी.एस. बोस ने की। इस अवसर पर बोलते हुए, कुनामनेनी संबाशिव राव ने राज्य सम्मेलनों की मेजबानी के लिए सीपीआई मेडचल जिला समिति को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पार्टी के नेता और सभी जिलों से करीब 1000 पार्टी प्रतिनिधि राज्य सम्मेलनों में शामिल होंगे और केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा जन मुद्दों और संविधान द्वारा गारंटीकृत नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर अपनाई जा रही नीतियों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि सम्मेलन प्रस्तावों के रूप में भविष्य के संघर्षों के लिए एक मंच होगा।

राव ने कहा कि प्रत्येक कम्युनिस्ट कार्यकर्ता को राज्य सम्मेलनों की सफलता के लिए लोगों को पर्चे बांटने चाहिए और कहा कि उन्हें सम्मेलनों की सफलता के लिए वित्तीय और भौतिक समर्थन लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी मांग कर रही है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ऑपरेशन कगार के नाम पर माओवादियों और निर्दोष आदिवासियों की हत्या जैसी नीतियों को तुरंत बंद करे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को माओवादियों के साथ शांति वार्ता करनी चाहिए और युद्ध विराम की घोषणा करनी चाहिए। उन्होंने कहा, कश्मीर के पहलगाम में देश के नागरिकों पर चार आतंकवादियों द्वारा की गई अंधाधुंध गोलीबारी में 2% से अधिक लोग मारे गए। लेकिन केंद्र सरकार अभी तक उन चार आतंकवादियों को गिरफ्तार करने में असमर्थ रही है। केंद्र द्वारा निर्दोष आदिवासियों की हत्या करना अलोकतांत्रिक है। उन्होंने भारत की संप्रभुता को बंधक बनाने वाले पीएम मोदी की आलोचना करते हुए कहा कि उनमें देश के प्रधानमंत्री बने रहने की कोई नैतिकता नहीं है। पूर्व एमएलसी और वरिष्ठ भाकपा नेता पीजे चंद्रशेखर ने कहा कि राज्य सम्मेलनों का आयोजन पार्टी के नए उत्साह और विकास का प्रदर्शन है।

राज्यपाल ने आईएएस अधिकारियों के प्रशिक्षण के तहत सहायक कलेक्टरों के साथ बातचीत की

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल, जिष्णु देव वर्मा ने आज राजभवन में तेलंगाना को आवंटित 2024 बैच के आईएएस अधिकारियों के प्रशिक्षण के तहत सहायक कलेक्टरों के साथ बातचीत की। लोगों से जुड़े रहने का आग्रह करते हुए, राज्यपाल ने पहुंच और जमीनी स्तर पर जुड़ाव के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, यात्रा करें, लोगों से मिलें, उनकी चिंताओं को समझें – यही सार्वजनिक सेवा का सार है। अधिकारियों को बधाई देते हुए, उन्होंने कहा कि तेलंगाना नवाचार और विकास में सार्थक योगदान के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करता है। एमसीआरएचआरडीआई की उपाध्यक्ष और महानिदेशक श्रीमती शांति कुमारी, आईएएस (सेवानिवृत्त), और पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. के. उषा रानी प्रशिक्षुओं के साथ थीं, जिनमें श्री सौरभ शर्मा, सुश्री सलोनी छाबड़ा, हर्ष चौधरी, सुश्री कैरोलिन चिंगथियानमावी और कोय्याडा प्रणय कुमार शामिल थे। राज्यपाल के प्रधान सचिव एम. दाना किशोर ने उन्हें राजभवन की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी।

डीसीपी ने शांति व कल्याण समिति की बैठक में भाग लिया

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। डीसीपी, ईस्ट जोन डॉ. बी. बाला स्वामी ने डीसीपी ऑफिस, ईस्ट जोन में जोनल शांति एवं कल्याण समिति की बैठक आयोजित की। बैठक में केंद्रीय शांति समिति के सदस्य नारायण रेड्डी, सरमा, हाफिज मुजफ्फर और अन्य सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में ईस्ट जोन के 3 एसीपी, एसएचओ और डीआई शामिल हुए। बकरीद के मद्देनजर डीसीपी ने बैठक को संबोधित किया और सभी शांति एवं कल्याण समिति के सदस्यों को निर्देश दिए।

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.DYCEGSUWATENGG 2025006, दिनांक :24.05.2025

कार्य का नाम: वाल्टियर मण्डल के नौपाडा-कोटबोम्माली स्टेशन के बीच कि.मी.714/4-6 एवं कि.मी.714/3-5 UP में मौजूदा स्पेशल क्लास (मानवयुक्त एवं इंटर-लॉक्ड) लेवल क्रॉसिंग-400 के पहुंच एवं (1x72 मीटर बो स्ट्रिंग गर्डर + 2x24 मीटर कम्पोजिट गर्डर + 10x24.0 मीटर T- बीम गर्डर) के साथ रोड ओवर ब्रिज (ROB) का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 53,04,09,346/-, EMD (रुपये में) : 28,02,100/-, कार्य पूरा होने की अवधि: 24 महीने।

बोली-पूर्व सम्मेलन की तिथि व समय: दिनांक 04.06.2025 को 1100 बजे, **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय :** दिनांक 24.06.2025 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे। प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 15(पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ना चाहिए एवं सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

उप मुख्य अभियन्ता(GSU)/ वाल्टियर

PR-37/CI/25-26

महाप्रबंधक ने केंद्रीय अस्पताल, लालागुडा में धन्वंतरि विशेष वार्ड का उद्घाटन किया

महाप्रबंधक ने अधिकारियों के साथ अस्पताल परिसर में पौधे लगाए

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने बुधवार को केंद्रीय अस्पताल, लालागुडा, सिकंदराबाद में पर्यवेक्षक विशेष वार्ड 'धन्वंतरि' का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में एससीआर की प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक निर्मला राजाराम, हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक लोकेश विश्नोई, केंद्रीय अस्पताल, लालागुडा के चिकित्सा निदेशक डॉ. आई. शिव नागा प्रसाद, केंद्रीय अस्पताल, लालागुडा के मुख्य स्टाफ सर्जन डॉ. एनवीबीके साई, विभागों के प्रमुख प्रमुख, मुख्यालय और मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, डॉक्टर, अस्पताल कर्मचारी और मान्यता प्राप्त संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। धन्वंतरि विशेष वार्ड दक्षिण मध्य रेलवे के सभी पर्यवेक्षी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए विशेष व्यक्तिगत कमरों में अटेंडर खाट, केंद्रीय ऑक्सीजन आपूर्ति, सक्शन सुविधाएं, विद्युत चालित खाटें, एसी, संलग्न वाश रूम, लिफ्ट सुविधा, रैंप सुविधा के साथ 24 घंटे नर्सिंग देखभाल प्रदान करता है। महाप्रबंधक ने अधिकारियों के साथ पर्यावरण वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत अस्पताल परिसर में नंदना वनम में पौधे लगाए। उन्होंने अस्पताल में आने वाले मरीजों की सुविधा के लिए नई लिफ्ट और रैंप सुविधा का भी उद्घाटन किया। स्वस्थ जीवन के लाभों को बढ़ावा देने के लिए, विशेष वार्ड की दीवारों पर शिक्षाप्रद और सूचनात्मक दीवार पेंटिंग बनाई गई। इस अवसर पर बोलते हुए, महाप्रबंधक ने कर्मचारियों और उनके आश्रितों के लाभ के लिए सुविधाओं के उन्नयन के लिए चिकित्सा विभाग की सराहना की। ये सुविधाएं उपचार के दौरान बेहतर रहने की सुविधा प्रदान करेंगी। उन्होंने नंदना वनम को हरित पहल की दिशा में विकसित करने की नेक पहल के लिए चिकित्सा टीम की भी सराहना की।

पूर्व एमएलसी रंगारेड्डी का निधन

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व एमएलसी मागम रंगा रेड्डी का बुधवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उनके परिवार के सदस्यों ने बताया कि रंगा रेड्डी का अंतिम संस्कार गुरुवार को मेडचल-मलकाजगिरी जिले के शमीरपेट में किया जाएगा। वह पूर्व मुख्यमंत्री किरण कुमार रेड्डी के करीबी मित्र थे। वह कांग्रेस पार्टी से एक कार्यकाल के लिए एमएलसी चुने गए थे। रंगा रेड्डी के निधन पर विभिन्न दलों के नेताओं ने शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, विधान परिषद के अध्यक्ष जी सुखेंद्र रेड्डी, बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर और टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने भी रंगा रेड्डी के निधन पर अपनी संवेदना व्यक्त की है और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें X@SCRAILWAYINDIA पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे(दमरे) की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइट:WWW.SCR.INDIANRAILWAYS.GOV.IN पर भी देखें।

PUB00678

नं.वाय/सी.ई-नीलामी/एचवायबी/2025-26, दि. 4/6/2025

दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद डिवीजन पर आरडीएन, आउट आफ होम केटगिरी, पार्किंग स्टैंड तथा पे एण्ड यूज टायलेटस द्वारा वाणिज्यिक प्रचार संविदाएं या कमर्शियल पब्लिसिटी कान्ट्राक्टस प्रदान करना।

ई-नीलामी अनुसूची विवरण निम्न प्रकार है-

क्रम सं.	श्रेणी	कैटलाग नं.	कार्य विवरण	नीलामी तिथि	नीलामी शुरू समय	नीलामी बंद समय
1	एडीवीटी-एचवायबी-एमडीएके-ओएच-119-25-1(एडवर्टाइजिंग आउट आफ होम)	एचवायबी-आरडीएन-एफएमसीए लयुएसटी	मेदक, गजवेल व सिध्दिपेट रेलवे स्टेशनों पर आउट आफ होम श्रेणी के तहत एडवर्टाइजिंग राइट्स या विज्ञापन अधिकार	11.06.2025	11:00	11:30
2	एडीवीटी-एचवायबी-एफएम-ओएसएन-129-25-1-स्टेशन परिसरों में एडवर्टाइजिंग(नान-डिजीटल)	एचवायबी-आरडीएन-एफएमसीए लयुएसटी	डीक्यूआर, वाईकेपी, एचपीजी,एफएम, बीडीवीएल व यूआर स्टेशनों पर एडवर्टाइजिंग राइट्स या विज्ञापन अधिकार	11.06.2025	11:10	11:40
3	पार्किंग	एचवायबी-पीआरकेजी-एनजेडबी	निजामाबाद रेलवे स्टेशन पर पार्किंग लाट्स प्रदान करना	13.06.2025	11:30	12:00
4	पे एण्ड यूज टायलेट्स	एचवायबी-पीएनयु-केसीजी-1	काचीगुडा रेलवे स्टेशन के प्लाटफार्म नं.1 पर, पे एण्ड यूज टायलेट्स या शौचालयों का संचालन एवं रखरखाव।	20.06.2025	12:00	12:30

A0833 हस्ता./- वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

भाकृ अनुप - केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसन्धान संस्थान
ICAR - Central Research Institute for Dryland Agriculture
संतोषनगर, सैदाबाद पोस्ट, हैदराबाद - 500059. Santoshnagar, Saidabad (P.O.), Hyderabad-500 059
Ph : 040-24530161, 24530163, 24530157, Fax : 040-24531802, 24535336
www.icar-crida.res.in E-mail : hoa.crida@icar.gov.in

रिक्ति सूचना सं. 06/2025

साक्षात्कार के माध्यम से दि.18-06-2025 के सु.11.00 बजे, यंग प्रोफेशनल्स के - I (02 पद) अस्थायी पदों की भर्ती की जा रही है।

विस्तृत विवरण हेतु http://www.icar-crida.res.in **पर जाएं।**

हस्ता./-
सहायक प्रशासकीय अधिकारी

भाकृ अनुप - केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसन्धान संस्थान
ICAR - Central Research Institute for Dryland Agriculture
संतोषनगर, सैदाबाद पोस्ट, हैदराबाद - 500059. Santoshnagar, Saidabad (P.O.), Hyderabad-500 059
Ph : 040-24530161, 24530163, 24530157, Fax : 040-24531802, 24535336
www.icar-crida.res.in E-mail : hoa.crida@icar.gov.in

रिक्ति सूचना सं. 05/2025

साक्षात्कार के माध्यम से दि.17-06-2025 के सु.11.00 बजे, यंग प्रोफेशनल्स के -II (02 पद) अस्थायी पदों की भर्ती की जा रही है।

विस्तृत विवरण हेतु http://www.icar-crida.res.in पर जाएं।

हस्ता./-
सहायक प्रशासकीय अधिकारी

30 जून या 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दिया जाए नोशनल इंक्रीमेंट

प्रयागराज, 4 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) ने 30 जून या 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को एक काल्पनिक वेतन वृद्धि (नोशनल इंक्रीमेंट) देने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति रजनीश कुमार राय की एकल पीठ ने चंदौली के राकेश कुमार तिवारी व अन्य की ओर से दायर अर्जी पर दिया है। चंदौली निवासी राकेश कुमार और अन्य पूर्वी मध्य रेलवे, दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन के कर्मचारी थे। ये सभी 30 जून या 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हुए। इसके चलते एक जुलाई या एक जनवरी को मिलने वाले वार्षिक वेतन वृद्धि से इन्हें वंचित कर दिया गया। इसके खिलाफ इन्होंने कैट में आवेदन दायर कर नोशनल इंकीमेंटी की मांग की। अधिवक्ता ने दलील दी कि चार कर्मचारी 30 जून व एक 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हुआ था। इसके ठीक दूसरे दिन मिलने वाले वार्षिक वेतन वृद्धि के लाभ से इन्हें वंचित कर दिया गया है, जो सुप्रीम कोर्ट की ओर से स्थापित विधि व्यवस्था के खिलाफ है। कैट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी माना है कि कर्मचारी जब सालभर काम करता है तो उसे वार्षिक वेतन वृद्धि मिलती है। ऐसे में सालभर काम करने के बाद वेतन वृद्धि से एक दिन पहले सेवानिवृत्त हुए कर्मचारी को उस लाभ से वंचित करना, उसे बिना किसी गलती के दंडित करने के समान है। कैट ने याचियों को एक वार्षिक वेतन वृद्धि प्रदान करने का निर्देश दिया। साथ ही यह भी निर्देश दिया कि आदेश की प्रमाणित प्रति प्राप्त होने की तारीख से चार महीने की अवधि के भीतर वार्षिक वेतन वृद्धि के निर्धारण के बाद संशोधित पीपीओ (पेंशन पेमेंट ऑर्डर) जारी करें।

पटना में सौर ऊर्जा परियोजना का शुभारंभ

सीएम नीतीश बोले- सस्ती दरों पर बिजली समेत यह लाभ मिलेंगे

पटना, 4 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज पटना जिला अंतर्गत बिक्रम लॉक कैनाल बैंक सौर ऊर्जा परियोजना का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए राज्य के विभिन्न नहरों, बांधों, नदी एवं तटबंधों के किनारे खाली पड़े स्थलों का सर्वे कराकर बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा संयंत्र का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के उत्पादन से पारंपरिक ऊर्जा पर निर्भरता कम होगी, प्रदूषण रहित ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही कार्बन उत्सर्जन में कमी होगी एवं पर्यावरण संरक्षण में इसका लाभ मिलेगा। इस परियोजना के संचालन से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा और इससे आर्थिक लाभ भी होगा।

सीएम नीतीश बोले- हर घर तक बिजली पहुंचा दी गई है

उन्होंने कहा कि बिजली के क्षेत्र में हमलोगों ने कई काम किए हैं। हर घर तक बिजली पहुंचा दी गई है। लोगों को सस्ती, गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने के लिए हमलोग लगातार काम कर रहे हैं। इधर, बिक्रम लॉक कैनाल बैंक सौर ऊर्जा परियोजना का मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया और परियोजना की कार्य पद्धति एवं व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि बिहार सरकार के जल-जीवन-हरियाली अभियान के 10वें अवयव (सौर ऊर्जा उपयोग को प्रोत्साहन एवं ऊर्जा की बचत) के तहत हरित ऊर्जा के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए राज्य में सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जा रहे हैं।

पटना में युवक की हत्या, लोगों ने कहा- चोरी करने घर में घुसा था, पीट-पीटकर मार डाला; इलाके में तनाव

3.10 प्रति यूनिट की दर से बिजली उपलब्ध करायी जाएगी राज्य सरकार की ओर से बताया गया है कि पटना जिला में विक्रम लॉक के समीप मुख्य नहर के किनारे जल संसाधन की भूमि पर दो मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्जा परियोजना का निर्माण कराया गया है। इस परियोजना को स्थापित करने के लिये राज्य सरकार द्वारा राशि का वहन नहीं किया गया है। ऊर्जा विभाग द्वारा किए गए एकरारनामा के तहत निजी कंपनी द्वारा 25 वर्षों के लिए 3.10 प्रति यूनिट की दर से बिजली, ऊर्जा विभाग को उपलब्ध करायी जाएगी।

जुर्माना भरने को तैयार संभल सांसद बर्क, नक्शा पास कराने की पेशकश, 12 जून अगली सुनवाई

सम्भल, 4 जून (एजेंसियां)। सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के आवास पर किए गए अवैध निर्माण मामले में नया मोड़ आया है। सांसद के अधिवक्ता मोहम्मद नईम ने उपजिलाधिकारी (एसडीएम) कार्यालय में नवनिर्माण का नक्शा पेश करते हुए उसे स्वीकृत किए जाने की मांग की है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सांसद जुर्माना भरने को तैयार हैं।

एसडीएम वंदना मिश्रा ने इस मामले में अगली सुनवाई की तिथि 12 जून निर्धारित की है। सुनवाई के दौरान यह तय किया जाएगा कि नक्शा स्वीकृति योग्य है या नहीं और कितना जुर्माना लगाया जाएगा। गौरतलब है कि सांसद के दीपा सराय स्थित आवास में बिना अनुमति के निर्माण कार्य किया गया था। इस पर विनियमित क्षेत्र कार्यालय ने आपत्ति जताई थी और 11 दिसंबर 2024 को नोटिस जारी कर निर्माण को अवैध बताया था।

नोटिस में कहा गया था कि यह निर्माण उत्तर प्रदेश रेगुलेशन ऑफ बिल्डिंग ऑपरेशन एक्ट 1958 का उल्लंघन है। इसके बाद से मामले की अब तक 11 बार सुनवाई हो चुकी है। हुई सुनवाई में सांसद के वकील ने निर्माण का नक्शा बनवाकर पेश किया और उसे पास किए जाने का आग्रह किया।

अधिवक्ता मोहम्मद नईम ने बताया कि यदि कोई जुर्माना निर्धारित होता है, तो सांसद उसे भरने के लिए तैयार हैं। अब 12 जून की सुनवाई में यह तय होगा कि नक्शा स्वीकृत होगा या नहीं और अगली कानूनी कार्रवाई क्या होगी।

न बीवी मिली न ही मौत! नहीं मिला मनचाहा प्यार तो इंस्टा पर लिखा 'लास्ट डे आफ माई लाईफ'

अंबेडकरनगर, 4 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अंबेडकरनगर के इब्राहिमपुर थाना के रहने वाले 22 वर्षीय एक युवक ने चूहा मारने की दवाई खाकर खुदकुशी करने की कोशिश की। इससे पहले उसने इंस्टाग्राम पर 'लास्ट डे आफ माय लाइफ' लिखकर पोस्ट कर दी। ये घटना सुबह करीब 5 बजे की है। मेटा कंपनी की तरफ से पुलिस महानिदेशक कार्यालय के सोशल मीडिया सेंटर को अलर्ट मिला। अलर्ट मिलते ही डीजीपी राजीव कृष्ण ने तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया। इसके बाद पुलिस ने युवक का मोबाइल नंबर ट्रेस किया और इसकी सूचना अंबेडकरनगर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही इब्राहिमपुर पुलिस महज 13 मिनट के अंदर युवक के पास पहुंच गई। वहीं देखा तो युवक की हालत खराब थी। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। ऐसे युवक की जान बचाई जा सकेगी।

सपा विधायक जाहिद बेग, पत्नी और बेटे की जमानत अर्जी पर हाईकोर्ट में एकसाथ होगी सुनवाई

प्रयागराज, 4 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के भदोही से समाजवादी पार्टी के विधायक जाहिद बेग, उनकी पत्नी सीमा बेग और बेटे नईम बेग की जमानत अर्जियों पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक साथ सुनवाई होगी। इस मामले में कोर्ट ने यूपी सरकार को अपना जवाब दाखिल करने के लिए छह जून तक का आखिरी मौका दिया है। यह सुनवाई न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की पीठ में हो रही है। मामला पिछले साल सितंबर का है। दरअसल, 9 सितंबर 2024 को भदोही के मलिकाना मोहल्ले में सपा विधायक जाहिद बेग के घर एक नाबालिग नौकरानी मृत पाई गई थी। घटना से एक दिन पहले यानी आठ सितंबर को किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई थी। इस मामले में भदोही पुलिस ने विधायक, उनकी पत्नी सीमा बेग और बेटे नईम बेग के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। तीनों पर नाबालिग से मजदूरी कराने और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है।

पत्नी सीमा बेग अभी फरार

विधायक जाहिद बेग और उनके बेटे नईम बेग को पुलिस ने जेल भेज दिया है, जबकि विधायक की पत्नी सीमा बेग अब भी फरार चल रही हैं। पुलिस का कहना है कि सीमा बेग की गिरफ्तारी के प्रयास लगातार जारी हैं। इधर, विधायक जाहिद बेग और बेटे नईम बेग ने जेल से अपनी जमानत अर्जी दाखिल की है, वहीं सीमा बेग ने अग्रिम जमानत अर्जी लगाई है। इन अर्जियों पर अब हाईकोर्ट एक साथ सुनवाई करेगा।

सुर्खियों में रहा था मामला

बता दें कि इस घटना ने भदोही समेत पूरे प्रदेश में खलबली मचा दी थी। नाबालिग बच्चियों से काम कराना और उन पर मानसिक दबाव डालना गैरकानूनी है। इसके बावजूद ऐसे मामले लगातार सामने आते रहते हैं। इस घटना में भी मृतक किशोरी के परिजनों ने आरोप लगाया था कि बच्ची पर काम का दबाव बनाया जा रहा था, जिससे वह परेशान थी। पुलिस की चार्जशीट में भी ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जिसमें विधायक और उनके परिवार पर मजदूरी कराने और किशोरी को आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया गया है।

यूपी सरकार को जवाब के लिए मिला अंतिम मौका

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी सरकार को जवाब दाखिल करने का आखिरी मौका देते हुए छह जून की तारीख तय की है। इसके बाद अदालत मामले पर सुनवाई करेगी। पीड़ित परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद है। वहीं इस घटना से जुड़े कई सवाल भी उठ रहे हैं कि आखिरकार नेताओं के घरों में नाबालिग बच्चियां कैसे मजदूरी पर लाई जाती हैं और उन पर क्या-क्या दबाव बनाया जाता है। मामले की अगली सुनवाई का सभी को इंतजार है।

बिहार में सुबह सुबह ईडी की रेड

फ्लिपकार्ट कंपनी के दो कर्मचारियों के घर मिले संदिग्ध कागजात

पटना, 4 जून (एजेंसियां)। बिहार में ईडी की रेड चल रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने ई कॉमर्स कंपनी से जुड़े दो युवकों के बेगूसराय के मंसूरचक थाना क्षेत्र स्थित अलग-अलग घरों पर छापेमारी की है। सुबह सुबह छह वाहनों से ईडी की टीम मंसूरचक थाना क्षेत्र स्थित समसा-1 पंचायत के वार्ड संख्या-13 निवासी स्व। पंकज कुमार ठाकुर के पुत्र अविनाश कुमार और झप्पूसाह के पुत्र रजनीश कुमार उर्फ राजा के घरों पर छापेमारी के लिए पहुंची।

मनी लॉड्रिंग के मामले की चल रही जांच

ईडी सूत्रों के अनुसार, आर्थिक अनियमितता की जांच के मद्देनजर यह कार्रवाई की गई। छापेमारी के दौरान कई फाइलें, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य संदिग्ध सामग्री जब्त की गई। हालांकि, आधिकारिक तौर पर ईडी की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है। जांच एजेंसी ने दोनों युवकों के संदिग्ध लेन-देन के सुराग मिलने के बाद यह कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान वहां अफरा-तफरी मच गई। ईडी ने मनी लॉड्रिंग और बेहिसाब संपत्ति से जुड़े मामले को लेकर दस्तावेज जब्त किए।

कई राज्यों से रहा है नाता

स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, अविनाश और रजनीश पहले बेगूसराय में फ्लिपकार्ट कंपनी के लिए काम करते थे। करीब दो वर्ष पूर्व वे दिल्ली चले गए थे। दिल्ली से उनका जम्मू-कश्मीर और पंजाब में लगातार आना-जाना लगा रहता था। विभिन्न सरकारी एजेंसियों के द्वारा उनकी सारी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। लोगों का कहना था कि हाल के वर्षों में दोनों की आमदनी में काफी बढ़ोतरी देखने को मिली है।

डॉ. अनुष्का की कस्टडी रिमांड क्लीनिक लेकर पहुंची पुलिस, पूछताछ कर रही है टीम

कानपुर, 4 जून (एजेंसियां)। कानपुर में हेयर ट्रांसप्लांट के दौरान सहायक इंजीनियर की मौत के मामले में जेल में बंद डॉ। अनुष्का का कोर्ट से छह घंटे का पुलिस कस्टडी रिमांड विवेचक को मिला है। स्पेशल सीजेएम कुमुदलता त्रिपाठी ने बुधवार की सुबह नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक डॉ। अनुष्का को पुलिस कस्टडी में देने के निर्देश दे दिए थे। पुलिस आरोपी डॉ। अनुष्का तिवारी को लेकर क्लिनिक पहुंची हैं। यहां टीम डॉक्टर से पूछताछ कर रही है। पुलिस ट्रांसप्लांटेशन में इस्तेमाल किए गए औजारों की बरामदगी के प्रयास कर रही है। बता दें कि रावतपुर पुलिस ने पनकी पावर हाउस की ऑफीसर्स कालोनी निवासी जया त्रिपाठी की तहरीर पर नौ मई को डॉ। अनुष्का के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। डॉ। अनुष्का पर आरोप है कि उन्होंने जया के पति पनकी पावर हाउस में सहायक अभियंता विनीत कुमार दुबे का अपने इंपायर क्लीनिक में हेयर ट्रांसप्लांट किया था, जिसके बाद उनकी मौत हो गई थी। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद डॉ। अनुष्का फरार हो गईं थीं। दबाव बढ़ता देख सीजेएम कोर्ट में 26 मई को समर्पण कर दिया था। कोर्ट में डॉ। अनुष्का ने ट्रांसप्लांटेशन के लिए इस्तेमाल किए गए उपकरण व अन्य सामान केशवपुरम स्थित उनके इंपायर क्लीनिक में होने की बात कही थी। इसी बयान के आधार पर विवेचक ने 31 मई को कोर्ट में अर्जी देकर डॉ। अनुष्का का 15 घंटे का पुलिस कस्टडी रिमांड मांगा था। इस पर अनुष्का के अधिवक्ता की ओर से लिखित आपत्ति जताई गई। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने डॉ। अनुष्का का छह घंटे का सशर्त पुलिस कस्टडी रिमांड स्वीकार कर लिया।

15 दिन बेहोश रही महिला, फिर मौत.. डॉक्टर बोले नहीं की कोई गलती

कोर्ट ने कहा देना 37.42 लाख का हर्जाना

पटना, 4 जून (एजेंसियां)। पटना में एक महिला की जिंदगी उस वक्त थम गई, जब वह साधारण साइनस के इलाज के लिए डॉक्टर के पास गई थी। दरअसल, डॉक्टर ने बिना आईसीयू, एनेस्थेटिस्ट और किसी महिला डॉक्टर की मदद के बिना ऑपरेशन कर दिया। लेकिन, महिला ऑपरेशन के बाद कभी होश में नहीं आई। जिसके चलते 15 दिन बाद उसकी मौत हो गई। यह मामला साल 2002 का है, जो 2025 तक उपभोक्ता आयोग में चलता रहा। अंततः 1 अप्रैल 2025 को जिला उपभोक्ता आयोग ने डॉक्टर को दोषी ठहराते हुए 11.50 लाख रुपये हर्जाना देने का आदेश दिया। पटना के खगौल निवासी भरत कुमार गुप्ता की पत्नी को साइनस की शिकायत थी। जिसके इलाज के लिए 6 दिसंबर 2002 को वे नीट विशेषज्ञ डॉ अवधेश प्रसाद गुप्ता के पास इलाज के लिए गईं। डॉक्टर ने तुरंत ऑपरेशन की सलाह दी और अगले दिन यानी 7 दिसंबर की सुबह ऑपरेशन कर दिया। परिजनों ने इस पर आपत्ति जताई थी। क्योंकि, क्लिनिक में आईसीयू, महिला डॉक्टर और विशेषज्ञ एनेस्थेटिस्ट की व्यवस्था नहीं थी। लेकिन, डॉक्टर ने सब कुछ सामान्य बताते हुए ऑपरेशन कर दिया। ऑपरेशन के बाद महिला को होश नहीं आया। मरीज के परिजनों द्वारा चिंता जताने के बाद भी पूरे दिन डॉक्टर आश्वासन देते रहे कि जल्द होश आ जाएगा। अगले दिन हालत गंभीर होने पर मरीज को न्यूरो सर्जन डॉ प्रदीप कुमार के पास भेजा गया। उन्होंने तुरंत मगध अस्पताल में भर्ती कराया। मरीज को आईसीयू में रखा गया, इलाज चलता रहा, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ और 20 दिसंबर को महिला की मौत हो गई। मामले की सुनवाई के दौरान डॉक्टर अवधेश प्रसाद ने माना कि उन्होंने ऑपरेशन किया था, लेकिन किसी लापरवाही से इनकार किया। उन्होंने दावा किया कि एनेस्थेटिस्ट मौजूद था और पहले मरीज के बेटे का भी ऑपरेशन वहीं किया गया था। साथ ही, डॉ अवधेश ने अपनी दक्षता और लंबे अनुभव का भी हवाला दिया। वहीं, न्यूरो सर्जन डॉ प्रदीप कुमार बताया कि उनके समक्ष मामला विलंब से आया। मस्तिष्क को गंभीर क्षति भी पहुंची थी और स्वजन की सहमति से मरीज को मगध अस्पताल भेजा गया था। दोनों ने अपनी ओर से इलाज में किसी भी प्रकार की कमी से इनकार किया। इस मामले पर जिला उपभोक्ता आयोग ने विशेषज्ञों की राय, मेडिकल रिकॉर्ड और केस लॉ का हवाला देते हुए कहा कि बिना आईसीयू, एनेस्थेटिस्ट और न्यूनतम सुविधाओं के ऑपरेशन करना चिकित्सीय लापरवाही है। आयोग ने कहा कि ऑपरेशन के बाद मरीज का बेहोश रहना, फिर मस्तिष्क को नुकसान पहुंचना और अंत में मौत हो जाना। ये सभी संकेत लापरवाही की ओर इशारा करते हैं। 'चीजें खुद बोलती हैं' यानी 'परिस्थितियां खुद गवाही देती हैं' के सिद्धांत का हवाला देते हुए आयोग ने माना कि डॉक्टर ने मानक प्रक्रिया का पालन नहीं किया। दोनों पक्षों को सुनने व एक्सपर्ट की राय लेने के बाद जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष प्रेम रंजन मिश्र व सदस्य रजनीश कुमार की अध्यक्षता में सुनाए गए आदेश में डॉक्टर दोषी ठहराया। साथ ही, 25 अगस्त 2003 (शिकायत की तारीख) से 12% वार्षिक ब्याज के साथ 10 लाख मुआवजा का भुगतान करने का आदेश दिया। इसके अलावा 1 लाख मानसिक कष्ट के लिए और 50,000 मुकदमे के खर्च के रूप में भुगतान करने को कहा गया। यानी कुल मिलाकर डॉक्टर को 37.42 लाख का भुगतान करना होगा। यदि आदेश की प्रति मिलने के 120 दिन के भीतर भुगतान नहीं होता, तो अतिरिक्त 10,000 की राशि वसूली खर्च के रूप में देनी होगी।

आगरा में रील बनाते वक्त बड़ा हादसा

6 बहनों की यमुना में डूबने से मौत

आगरा, 4 जून (एजेंसियां)। आगरा के सिकंदरा क्षेत्र के नगला नाथू गांव में यमुना नदी में रील बनाते समय 6 लड़कियों की डूबने से मौत हो गई। इनमें से तीन एक ही परिवार की थीं जबकि अन्य तीन इनकी रिश्तेदार थीं। 6 बहनों की मौत के इस दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया। यमुना में नहाने से पहले इन लड़कियों में अपने मोबाइल से एक वीडियो बनाया और यह वीडियो उनके जीवन का आखिरी वीडियो साबित हुआ। इन किशोरियों की उम्र 12 से 15 वर्ष के बीच बताई जा रही है। जिनमें से तीन एक ही परिवार की थीं, जबकि अन्य रिश्तेदार थीं। ये सभी गर्मियों की छुट्टियों में गांव घूमने आई थीं। जानकारी के मुताबिक ये लड़कियां सुबह यमुना नदी के घाट पर नहाने गई थीं।

नहाते समय वे नदी की बीच धार में चली गईं और भंवर में फंस गईं। किनारे पर मौजूद अन्य बच्चों ने तुरंत गांव में यह सूचना दी कि लड़कियां नदी में डूब रही हैं। गांववालों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। स्थानीय गोताखोरों ने तलाश शुरू की, लेकिन किशोरियों को बचाने में देरी हो गई।सिकंदरा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात को संभाला और स्टीमर के साथ पीएसी के गोताखोरों को बुलाया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद सभी किशोरियों को नदी से निकाला गया, लेकिन तब तक चार की सांसें थम चुकी थीं। जबकि दो किशोरियों की मौत अस्पताल में इलाज के दौरान हुई।

तेजस्वी यादव ने कार्टून शेयर कर पीएम मोदी पर साधा निशाना

पटना, 4 जून (एजेंसियां)। बिहार में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं और चुनाव आयोग कभी भी इसकी आधिकारिक घोषणा कर सकता है। ऐसे में सियासी पारा भी चढ़ चुका है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और उनकी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल लगातार एनडीए सरकार पर हमलावर हैं। चाहे जनसभाएं हों या सोशल मीडिया तेजस्वी यादव हर मंच से बिहार की मौजूदा सरकार को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे। इसी क्रम में आज सुबह तेजस्वी यादव ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक व्यंग्यात्मक कार्टून साझा किया, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को निशाने पर लिया है। कार्टून में सीएम नीतीश कुमार और पीएम मोदी की प्रतीकात्मक तस्वीर बनी है। उसको एक आम आदमी ढो रहा है। जिसको लेकर तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार पिछले 20 साल से एनडीए की निकम्मी और नाकारा सरकार को ढो रहा है। यह तस्वीर 'महंगाई, भ्रष्टाचार, ढहते पुल, गरीबी, घूसखोरी, बदहाल शिक्षा, पलायन, बाढ़, सुखाड़, बेरोजगारी' जैसे कई गंभीर मुद्दों से सनी हुई है। तेजस्वी यादव ने इस पोस्ट के साथ तीखी टिप्पणी करते हुए लिखा, "20 बरस से ढो रहा है बिहार, एनडीए की नाकाम निकम्मी सरकार?" इस पोस्ट के जरिए तेजस्वी ने एनडीए सरकार पर पिछले दो दशकों में विकास और जनहित के मुद्दों की अनदेखी का आरोप लगाया है।

तेजस्वी यादव के इस डिजिटल प्रहार को आगामी चुनाव की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है, जहां वह सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं और डिजिटल जनता तक सीधा संदेश पहुंचा रहे हैं। अब देखना होगा कि एनडीए की ओर से इस हमले का क्या जवाब दिया जाता है।

अंधा किया और सिगरेट से जलाया, 5 दरिंदो ने किया गैंगरेप और फिर घोंट दिया गला

सीतामढ़ी, 4 जून (एजेंसियां)। निर्भया कांड की तरह एक घटना को अंजाम दिया गया। यहां हैवानों ने पहले युवती के शरीर को सिगरेट से दागा, फिर उसकी आंखों में कच्चे आम का रस (दूध) डाला और 5 लोगों ने उसके साथ गैंगरेप किया। इसके बाद उन्होंने युवती का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। रूह कांपाने वाली यह घटना बिहार के सीतामढ़ी जिले के नानपुर थाना क्षेत्र के चटगौरा में हुई है। जहां आंधी आने पर युवती आम चुनने के लिए आम के बाग में गई थी। जहां बागान की रखवाली कर रहे युवक ने युवती को पकड़ कर अपने मालिक को जानकारी दे दी। जिसके बाद बागान मालिक का भतीजा अपने 4 दोस्तों के साथ आम बागान पहुंचा और लड़की से मारपीट की।

विदेश में बैठा सरगना दिल्ली-एनसीआर में करा रहा गांजा तस्करी

वाट्सएप पर नेटवर्क; एक दिन की कमाई 25 लाख रुपये

नोएडा, 4 जून (एजेंसियां)। विदेश में बैठा तस्कर एनसीआर में गांजा तस्करी का नेटवर्क चला रहा है। वह 20-20 हजार रुपये में तस्करों को रखकर गांजा खपा रहा है। गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट पुलिस ने नेटवर्क को तोड़ रही है, लेकिन अभी सरगना तक पहुंचना बाकी है। पुलिस गिरफ्तार किए पांच तस्करों से भी इस संबंध में गहन जानकारी जुटा रही है। उनके मोबाइल व दस्तावेज से सरगना तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि वह गांजे की ओट में एक दिन में 25 लाख रुपये तक कमा रहा है। गौतमबुद्ध नगर में सामान्य गांजा के अलावा ओजी, शिलांग, मैंगो गांजा तक खप रहा है। ग्रेटर नोएडा फ्लैट में भी ओजी गांजा उगाते हुए मेरठ के रहने वाले राहुल को दबोच चुकी है। केरल के रहने वाले तस्कर के पकड़े जाने पर पुलिस राहुल तक पहुंची थी। पिछले सप्ताह नोएडा सेक्टर 126 थाना पुलिस ने केरल के तस्कर को पकड़ा। उसके बाद फेज दो थाना पुलिस ने तीन तरह के गांजे की खेप पकड़ी। विश्वनीय सूत्रों की मानें तो पुलिस की जांच में सामने आ रहा है कि तस्करों का सरगना विदेश में बैठकर वाट्सएप से नेटवर्क चला रहा है। वहां से गांजा उपलब्ध करा रहा है। फिर स्टाफ की मदद से गांजा को विश्वविद्यालय, कालेज, सोसायटी, हास्टल आदि में खपाया जा रहा है। इसमें रिटेलर तस्करों की भी मदद ली जा रही है। बता दें कि फेज दो थाना पुलिस और सीआरटी ने पांच तस्करों को 50 लाख रुपये कीमत का 26.5 किलोग्राम ओजी, शिलांग व मैंगो गांजा सेक्टर 93 कट के पास से गिरफ्तार किया। तस्कर रिटेलर को माल उपलब्ध कराने जाने के दौरान पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। पुलिस ने थाइलैंड के नेटवर्क से ओजी गांजा, शिलांग और मैंगो गांजा पहाड़ी क्षेत्र से उपलब्ध होने का दावा किया है। पुलिस गिरोह के सरगना, अन्य सदस्य और गांजा उपलब्ध कराने वालों की तलाश में जुटी है।

उधर, तस्कर करीब डेढ़ साल से गांजा तस्करी को अंजाम दे रहे थे। जिले समेत एनसीआर में तस्कर ही सामने आकर काम कर रहे हैं। सरगना पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ पा रहे हैं। तस्करों के पकड़े जाने पर वह वाट्सएप से इनपुट आने और उसके मुताबिक ही काम करने की जानकारी देते हैं। या फिर सरगना द्वारा तस्करों को माल को पहुंचाने की जानकारी दी जाती है।

'फडणवीस के आगे-पीछे ठुमके लगाते हैं'

बीजेपी के किस मंत्री को संजय राउत ने बता दिया 'नचनिया'

मुंबई, 4 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की महायुति सरकार में बीजेपी के मंत्री गिरीश महाजन के एक बयान ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है। गिरीश महाजन ने कहा था कि बाल ठाकरे की शिवसेना को जमींदोज किया जाएगा। इस पर शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत भड़क उठे हैं। राउत ने शिवसेना के मुखपत्र सामना में मंत्री के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली है।

'एमएलए बह जाते हैं, लेकिन शिवसेना है और रहेगी'

सामना के संपादकीय में संजय राउत ने लिखा है, भाजपा के एक मंत्री गिरीश महाजन ने अहंकारभरा बयान दिया है कि हिंदूहृदयसम्राट शिवसेनाप्रमुख बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना को जमींदोज किया जाएगा। जब सत्ता में कोई व्यक्ति मदांध हो जाता है तो क्या होता है, इसका महाजन एक अच्छा उदाहरण है। महाजन जैसे कई लोगों ने पिछले पचास वर्षों में शिवसेना को नष्ट करने की लफ्फाजी की है। शिवसेना केवल सांसदों, विधायकों और नगरसेवकों की तरह बिकनेवाली वस्तु नहीं है। शिवसेना विचारों के साथ आगे बढ़नेवाला एक संगठन है। चुनाव आते हैं और जाते हैं। विधायक, सांसद आदि भी बह जाते हैं, लेकिन शिवसेना है और रहेगी। जिन लोगों को शिवसेना ने नाम, छवि, प्रतिष्ठा और शक्ति दी, उनमें से कई को कभी कांग्रेस ने, कभी राष्ट्रवादी कांग्रेस ने तो कभी मौजूदा भारतीय जनता पार्टी ने खरीद लिया। फिर भी, शिवसेना है और रहेगी।''

'फडणवीस के आगे-पीछे ठुमके लगाते हैं महाजन'

गिरीश महाजन पर तीखा कटाक्ष करते हुए संजय राउत ने कहा कि वर्तमान राजनीति में गिरीश महाजन को 'नाच्या' कहा जाता है और यह सच भी है। फडणवीस के आगे-पीछे ठुमके लगाने के अलावा इस आदमी के पास कोई और उपलब्धि नहीं है। जामनेर निर्वाचन क्षेत्र का पूरा इलाका जहां से यह सज्जन चुने गए हैं, आज भी बंजर और श्मशान समान है। वहां लोगों को न्यूनतम नागरिक सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं।

संजय राउत ने चुन-चुनकर किया हमला,

गिरीश महाजन 2024 के विधानसभा चुनाव में 'बमुश्किल' बहुमत से चुने गए थे। मतदाता सूची में हेराफेरी और पैसे के भारी वितरण के कारण उन्होंने बमुश्किल जीत हासिल की। वोट खरीदना, दूसरे लोगों के चुने हुए लोगों को खरीदना उनका धंधा है और उनके अन्य धंधे और शौक क्या हैं, इस पर माननीय एकनाथ खडसे ने बार-बार प्रकाश डाला है। महाजन ने वित्तीय घोटाले, बैंक और जमीन हड़पने, पतपेढ़ियों में धोखाधड़ी, टेंडर हेराफेरी और दलाली से हजारों करोड़ की संपत्ति जमा की है। उन्होंने अपने इर्द-गिर्द ऐसे ही दलालों का जाल बिछा रखा है, जिसके चलते उन्हें एक नशा चढ़ा है, लेकिन यह आदमी तो अव्वल दर्जे का कायर और भगोड़ा है।

अगर कल महाराष्ट्र में भाजपा सत्ता खो देती है तो गिरीश महाजन बाड़ फांदकर भाजपा छोड़नेवाला पहला भाजपाई होगा। जब पिछली सरकार ने उनके कुछ कुकृत्यों की जांच शुरू की थी तो वे भाग गए थे। वे भूमिगत भी हो गए थे। डर के कारण उन्हें दिन में चार-पांच बार पायजामे बदलने पड़ते थे और वे सरकार को संदेश दे रहे थे कि 'चाहें तो मैं राजनीति से अलग हो जाता हूं, लेकिन मेरी जांच बंद करवा दीजिए। मैं तो आपका ही हूं।' यानी ये सब सत्ता की कुर्सी पर बैठे 'दादा' और 'भाई' हैं और अगर ये ईडी और पुलिस के हाथ में नहीं हैं तो ये बिल में चूहे हैं! अगर सत्ता चली गई तो गिरीश महाजन उन लोगों की चौखट पर जानेवालों में सबसे पहले होंगे, जिनके हाथ में ईडी और पुलिस जैसी जांच एजेंसियां हैं।

महाराष्ट्र में कई सवाल उठ खड़े हुए हैं। महाजन जिस उत्तरी महाराष्ट्र से आते हैं, वहां के किसान बेमौसम बारिश और अन्य संकटों के कारण परेशान हैं। किसान जमींदोज हो गए हैं, लेकिन जमींदोज हुए किसानों का साथ देने की बजाय महाजन बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना को जमींदोज करने निकले हैं। अमित शाह के गुर्गे इससे बढ़कर क्या सोच सकते हैं! महाजन ने राज्य में भ्रष्टाचारी, ठेकेदार और गुंडों के गिरोहों को पाला है। गृहमंत्री फडणवीस को महाराष्ट्र में गुंडागर्दी के मास्टरमाइंड के रूप में इस आदमी के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए, लेकिन यह आश्चर्य की बात है कि गृहमंत्री खुद गुंडों के इस खोखले सरदार को अपने साथ लेकर घूम रहे हैं।

जलगांव, रावेर, धुले में हर गंभीर अपराध में महाजन द्वारा पोषित गुंडे शामिल हैं। उनके खिलाफ काम करनेवाले राजनीतिक कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस का दुरुपयोग करझूठे अपराधों में फंसाकर, उन पर दबाव बनाने और फिर उन्हीं लोगों को भाजपा में शामिल कराने का धंधा महाजन ने शुरू कर दिया है। शिवसेना के कुछ लोगों का गला महाजन ने इसी तरह फांसा था। यह बहादुरी या मर्दानगी नहीं, बल्कि नाच है। महाजन की अन्य उपलब्धियों के बारे में कई कहानियां बताई जा सकती हैं, लेकिन वक्त ने वह जिम्मेदारी उनके एक समय के गुरु महाराज एकनाथ खडसे को सौंप दी है।

गिरीश महाजन जो चाहें कर सकते हैं, जिनकी चाहे पार्टी तोड़ दें। लाफ्फाजी करें, लेकिन एक बात का ध्यान रखें कि भारतीय लोकतंत्र ईमानदार जनता की कनिष्ठ उंगली पर गोवर्धन पर्वत की तरह टिका हुआ है। महाजन अन्य पार्टियों को खत्म करने की बात कर रहे हैं, लेकिन उन्हें पहले यह पता लगाना चाहिए कि उनकी भारतीय जनता पार्टी बची है या नहीं। क्योंकि आज की भारतीय जनता पार्टी मूल भाजपा नहीं है, बल्कि एक ऐसी पार्टी है जो अन्य पार्टियों से लाए गए बेईमान, भ्रष्ट लोगों की घुसपैठ से भरी पार्टी बन गई है। क्या भाजपा के पास अपना कुछ बचा है? प्रफुल्ल पटेल (इकबाल मिर्ची फेम) जैसे लोग भाजपा के ब्रांड एंबेसडर बन गए हैं इसलिए शिवसेना को जमींदोज करने के लिए आपको पवित्र हाथ नहीं मिलेंगे। मूलरूप से, आपके सौ बाप भी आ जाएं तो भी यह संभव नहीं होगा।

शिवसेना की स्थापना बालासाहेब ठाकरे के पवित्र हाथों और विचारों से हुई थी। मराठी लोगों के स्वाभिमान से यह चिंगारी उठी, हिंदुत्व की ज्वलंत भूमिका और आंदोलन से शिवसेना का तेज बढ़ा, निखरा यह कैसे फीकी पड़ेगी? सिर्फ इसलिए कि कुछ बिकाऊ लोग महाजन जैसों के साथ 'ठुमके' लगाने लगे, इसका मतलब यह नहीं है कि शिवसेना जमींदोज हो गई। इतिहास गवाह है कि शिवसेना को जमींदोज करने का सपना देखने वाले कई महाजन इसी जमीन पर दफना दिए गए हैं। महाजन, आप भी उसी मार्ग पर निकले हो। यह महाराष्ट्र अमित शाह की नीच राजनीति के आगे घुटने नहीं टेकेगा!

पेशी से लौटते समय दुष्कर्म का आरोपी फरार, प्रधान आरक्षक समेत 5 सस्पेंड

जशपुर, 4 जून (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के जशपुर से पुलिस की लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां पेशी से लौट रहा रेप का आरोपी वाहन से कूदकर फरार हो गया। फरार आरोपी के साथ वाहन में 6 अन्य आरोपी भी मौजूद थे। मामले में एसएसपी शशिमोहन सिंह ने एक्शन लेते हुए लापरवाही बरतने वाले 5 आरक्षकों को सस्पेंड कर दिया है। वहीं मामले की जांच जशपुर के एसडीओपी चंद्रशेखर परमा को दी गई है। बता दें कि इससे पहले भी जशपुर जिले में ही बड़ी लापरवाही सामने आई थी। जब जेल में बंद दुष्कर्म के दो आरोपी 11 अप्रैल को फरार हो गए थे। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया था। पेशी के बाद लौटते समय दोनों चकमा देकर फरार हो गए। मामले में एसएसपी ने कार्रवाई करते हुए ड्यूटी के दौरान लापरवाही बरतने वाले आरक्षक दिलीप बैरागी और विपिन तिग्गा को सस्पेंड कर दिया था। मामले में एसएसपी ने बयान देकर कहा कि दुष्कर्म जैसे गंभीर मामलों में आरोपियों की अभिरक्षा से फरारी पुलिस की जवाबदेही पर सवाल खड़े करती है। इसमें ढिलाई बरतने वालों पर कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में भी जांच एसडीओपी जशपुर चंद्रशेखर परमा को सौंपी गई है।

मुस्लिम पिता और हिंदू मां के घर पैदा हुआ बच्चा, बड़ा होकर कहा-मैं इस्लाम को नहीं मानता, कोर्ट से आया फैसला

कोच्चि, 4 जून (एजेंसियां)। केरल में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें एक युवक के पिता मुस्लिम और माता हिंदू हैं। उसने इस्लाम धर्म मानने से इनकार कर दिया और हिंदू धर्म अपनाया। इसके बाद उसने अपने डॉक्यूमेंट में धर्म बदलने के लिए कदम उठाया, जिसमें उसे अड़चन आई। मामला केरल हाई कोर्ट पहुंचा। अदालत ने मामले पर सुनवाई करते हुए इस संबंध में अपना फैसला सुनाया। दरअसल, केरल हाई कोर्ट ने हाल ही में माना कि जो व्यक्ति स्वेच्छा से अपना धर्म बदलता है उसे संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत यह मौलिक अधिकार है कि वह अपने धर्म परिवर्तन को आधिकारिक स्कूल दस्तावेजों में दर्ज कराए। जस्टिस डीके सिंह ने स्पष्ट किया कि जब अनुच्छेद 25 के तहत स्वतंत्र धर्म के अधिकार में स्वेच्छा से अपना धर्म बदलने का अधिकार शामिल है, तो इसका अर्थ यह है कि नागरिकों को भी ऐसे परिवर्तनों को आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज कराए जाने का अधिकार है। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा, 'यदि कोई भी व्यक्ति बिना किसी दबाव, धोखाधड़ी, अनुचित प्रभाव के अपना धर्म बदलता है, तो इसे भारत के संविधान की प्रस्तावना के साथ-साथ अनुच्छेद 25 के तहत संरक्षण हासिल होगा। संवैधानिक स्कीम के तहत हर व्यक्ति को न केवल अपनी पसंद के धार्मिक विश्वास को मानने का मौलिक अधिकार है, बल्कि इस विश्वास और विचारों को इस तरह से प्रदर्शित करने का भी अधिकार है, जिससे दूसरों के धार्मिक अधिकार और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन न हो।' दरअसल, केरल हाई कोर्ट में एक युवक ने याचिका दायर की। उसने कोर्ट को बताया था कि उसके पिता मुस्लिम हैं और मां हिंदू हैं।

उसकी मां ने उसका पालन-पोषण केरल के पलक्कड़ जिले में हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार किया। स्कूल में उसका नाम 'मोहम्मद रियाजुद्दीन सीएस' दर्ज कराया गया था और उसका धर्म 'इस्लाम, मप्पिला' था। वयस्क होने के बाद उसे एहसास हुआ कि वह इस्लाम में विश्वास नहीं रखता और हिंदू धर्म का पालन करना चाहता था। उसने आधिकारिक तौर पर आर्य समाज के माध्यम से धर्म बदला और एक राजपत्र अधिसूचना प्रकाशित की जिसमें उसका नया नाम 'सुधीन कृष्ण सीएस' और धर्म 'हिंदू' दर्शाया गया।

दिल्ली जामा मस्जिद के नायब शाही इमाम शाबान बुखारी की मुस्लिमों से बड़ी अपील

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। दिल्ली की जामा मस्जिद के नायब शाही इमाम मौलाना सैयद शाबान बुखारी ने बकरीद को लेकर मुस्लिम समुदाय से खास अपील की है। शाबान बुखारी ने कहा कि ईद-उल-अजहा मुसलमानों के खुशियों के दिनों में से एक दिन है। मेरी लोगों से गुजारिश है कि बकरीद पर कुर्बानी बंद जगहों पर ही करें। नायब शाही इमाम ने आगे कहा कि सरकार के गाइडलाइंस का पालन करें। सड़कों या खुली जगहों पर कुर्बानी न करें। साफ-सफाई का पूरा ख्याल रखें। उन्होंने कहा कि दूसरे लोगों के जज्बातों का ध्यान रखें। उन्होंने अपील की कि कुर्बानी की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर न करें। ये इबादत है, इसे नफरत का कारण न बनाएं। हमें सोशल मीडिया पर ऐसी चीजें शेयर नहीं करनी चाहिए। लोगों की भावनाओं और आस्थाओं को ठेस न पहुंचाएं।

'फिल्म इंडस्ट्री की जिन कलाकारों ने लगाए शोषण के आरोप वो नहीं चाहतीं एक्शन'

पुलिस ने बंद किए केस, हेमा कमेटी रिपोर्ट पर विवाद

कोच्चि, 4 जून (एजेंसियां)। मलयालम फिल्म उद्योग में महिलाओं के बयानों के आधार पर दर्ज किए गए अधिकांश उत्पीड़न के मामलों को बंद किया जा रहा है। फिल्म उद्योग से जुड़ी महिलाओं के बयानों के आधार पर केरल पुलिस ने लगभग 35 मामले दर्ज किए थे। जानकारी के मुताबिक, मामले इसलिए बंद किए जा रहे हैं क्योंकि हाई कोर्ट की सेवानिवृत्त जस्टिस के. हेमा की अध्यक्षता वाली समिति के समक्ष शिकायत दर्ज कराने वाली महिलाएं कानूनी कार्रवाई के लिए तैयार नहीं हैं। शीर्ष पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 35 आपराधिक मामलों में आगे की कार्रवाई (एफआई) रिपोर्ट दाखिल करने का फैसला एसआईटी द्वारा साक्ष्य जुटाने में संघर्ष करने के बाद आया है। साथ ही पीड़ितों द्वारा कानूनी रूप से मामलों को आगे बढ़ाने की अनिच्छा के कारण भी। एसआईटी और अदालत दोनों की ओर से कई बार समन भेजे जाने के बावजूद, पीड़ित अपनी शिकायतों के बारे में बयान देने के लिए आगे नहीं आए हैं।

पुलिस अधिकारियों ने क्या कहा?

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जांच में प्रगति की कमी के कारण 21 मामलों के संबंध में एफआई रिपोर्ट दर्ज की गई है, शेष 14 मामलों को बंद करने का निर्णय भी जल्द ही लिया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि बंद करना स्थायी नहीं था और यदि पीड़ित पक्ष आगे आकर मामले को आगे बढ़ाने का फैसला करते हैं तो मामले को किसी भी स्तर पर फिर से खोला जा सकता है। एसआईटी और अदालतों ने कई बार नोटिस जारी कर पीड़ितों को तलब किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इस बीच अभिनेता एम. मुकेश एमएलए, सिद्दीकी, जयसूर्या, मणियनपिल्लई राजू, एडावेला बाबू और रंजीत सहित 70 अन्य मामलों की जांच जारी है। इनमें से लगभग 25 मामलों में आरोपपत्र पहले ही दायर किए जा चुके हैं। हेमा कमिटी की स्थापना 2017 में पिनाराई विजयन सरकार द्वारा किया गया था। सिनेमा उद्योग में व्यापक सुधार और महिलाओं की बेहतर सुरक्षा के लिए महिला संगठनों और व्यक्तियों की बढ़ती मांगों के जवाब में इसकी स्थापना की गई थी।

शादी के लिए मना किया तो प्रेमी ने चाकू घोंपकर की हत्या, कोल्हापुर में लिव-इन में रहता था कपल

कोल्हापुर, 4 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कोल्हापुर से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। यहां पर लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही 23 साल की युवती की बेरहमी से चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना कोल्हापुर के सरनोबतवाड़ी इलाके की है। मृत युवती की पहचान कसबा बावड़ा निवासी समीक्षा भरत नरसिंहे के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि मृतक समीक्षा और आरोपी सतीश यादव कोल्हापुर के शिवाजी पेठ इलाके के रहने वाले हैं और दोनों एक ही जगह पर काम करते थे। पिछले कुछ महीनों से दोनों सरनोबतवाड़ी इलाके में रह रहे थे पिछले 8 दिनों से उनके बीच शादी को लेकर विवाद चल रहा था। जानकारी के अनुसार सतीश, समीक्षा पर शादी के लिए दबाव बना रहा था। वहीं मृतक समीक्षा इसके लिए तैयार नहीं थी। जानकारी के अनुसार घटना वाले दिन समीक्षा अपनी एक सहेली के साथ कमरे पर आई थी। तभी वहां पर सतीश गुस्से में पहुंचा और उस पर धारदार चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। चाकू समीक्षा की पसलियों में ही अटक गया। इसके बाद सतीश वहां से फरार हो गया। वहीं समीक्षा की सहेली ने आसपास के लोगों की मदद से उसे हॉस्पिटल पहुंचाया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। इलाज शुरू होने से पहले ही समीक्षा की मौत हो गई। मामले में गांधीनगर थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी की तलाश व मामले की जांच में जुटी है। इधर कोल्हापुर में ही देर रात दो गुटों में पुराने विवाद को लेकर भिड़ंत हो गई। 25 ज्यादा युवकों ने 3 युवकों पर हमला कर दिया।

नीट की परीक्षा में नंबर कम आने से छात्र ने की आत्महत्या

ग्वालियर, 4 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एक स्टूडेंट की आत्महत्या का दुखद मामला सामने आया है। महाराजपुरा थाना क्षेत्र में स्थित बालाजी कॉम्प्लेक्स, शताब्दीपुरम के डी ब्लॉक में रहने वाले एक सेवानिवृत्त सैनिक के बेटे ने बीती रात पिता की लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मार ली। मृतक छात्र कक्षा 12वीं में पढ़ता था और मंगलवार की रात नीट परीक्षा की उत्तर कुंजी (आंसर की) जारी हुई थी। उत्तर कुंजी में अंक कम आने पर परिजन जब उससे नंबर पूछने लगे तो वह तनाव में आ गया और यह आत्मघाती कदम उठा लिया। एएसपी कृष्ण लालचंदानी ने बताया कि निखिल प्रताप सिंह राठौर (18) पुत्र ब्रजभान सिंह राठौर निवासी शताब्दीपुरम ने पिता की लाइसेंसी पिस्टल से अपने माथे पर गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

ट्राला पलटते ही चपटी हुई कार, चार बच्चों समेत दो परिवार में नौ मौतें

झाबुआ, 4 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में रात एक भीषण हादसा हो गया। थांदला-झाबुआ मार्ग पर ईको कार पर ट्राले के पलटने से दो परिवारों के नौ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें चार बच्चे, तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। भीषण हादसे में एक महिला और एक बच्ची बुरी तरह घायल हो गई। दोनों को गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ट्राले के नीचे दबी कार

जानकारी के अनुसार कार सवार सभी लोग झाबुआ के भावपुरा गांव में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। सजेली रेलवे फाटक, निर्माणाधीन पुल के पास उनकी ईको कार (जीजे09बीएल5956) को एक ट्राले ने अपनी चपेट में ले लिया। ट्राला कार पर पलट गया, जिससे कार उसके नीचे बुरी तरह दब गई। इससे कार में सवार कुल 11 लोगों में से नौ की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे में इनकी हुई मौत

मुकेश पिता गोपाल खपेड़ (40), सावली पति मुकेश खपेड़ (35), विनोद पिता मुकेश खपेड़ (16), पायल पिता मुकेश खपेड़ (12), मढ़ी पति भारू बमनिया (38), विजय भारू बमनिया (14), कांता पिता भारू बमनिया (14), रागिनी रामचंद्र बमनिया (9) और अकली पति सोमला परमार (35) शामिल हैं।

ट्राला चालक फरार, पुलिस कर रही तलाश

देर रात तीन से चार बजे के बीच हुए हादसे की सूचना पर थांदला और मेघनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस को बुलाया। कुछ देर के बचाव कार्य के बाद घायलों को कार से निकालकर सिविल अस्पताल थांदला पहुंचाया गया। मृतकों में से सावली का शव मेघनगर शासकीय अस्पताल लाया गया, जबकि बाकी शव थांदला सिविल अस्पताल भेजे गए हैं। पुलिस के अनुसार हादसे के बाद ट्राला चालक मौके से फरार हो गया है। ट्राले को जब्त कर उसके अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी हुई है।

मासूम समेत दो घायलों की हालत गंभीर

हादसे का शिकार हुई ईको कार में 11 लोग सवार थे। जिनमें से नौ लोगों की मौत हो गई। 19 साल की पायल सोमला परमार और पांच साल का आशु पिता रामचंद्र बमनिया गंभीर रूप से घायल हैं। उनका थांदला सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है।

जसबीर सिंह के वीडियो में नजर आई ज्योति मल्होत्रा, क्या कर रहे थे दोनों?

चंडीगढ़, 4 जून (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में यूट्यूबर जसबीर सिंह को गिरफ्तार किया है। सिंह का यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा से कनेक्शन है। मल्होत्रा को 16 मई को गिरफ्तार किया गया था। दिलचस्प है कि जसबीर ने अपने यूट्यूब और इंस्टाग्राम हैंडल (जानमहल वीडियो) पर एक वीडियो अप्रैल, 2024 में अपलोड किया, जिसमें पाकिस्तान में ज्योति मल्होत्रा एक सूट की दुकान पर नजर आ रही है। वीडियो में ज्योति सूट खरीदते नजर आई हैं। दोनों ने लाहौर में वीडियो शूट किया। इसमें ज्योति मल्होत्रा कहती हैं अगर पाकिस्तान का असली तड़का देखना है तो यहां आ जाओ, चुप करके। इसमें जसबीर सस्ते कपड़े की बात कर रहे हैं। अच्छे माहौल की बात कर रहे हैं। वो कहते हैं कि ये पंजाब का सबसे बड़ा मौल है। दोनों एक जगह पर जूस भी पीते हैं। वहीं एक और वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वो पाकिस्तान पुलिस की तारीफ करते नजर आ रहा है। वीडियो में उसके साथ पाकिस्तान पुलिसकर्मी भी दिख रहे हैं, जो उससे हाथ मिला रहे हैं, गले मिल रहे हैं। ये वीडियो जसबीर ने अपने इंस्टाग्राम पर खुद पोस्ट किया है। जसबीर सिंह के वीडियो में नजर आई ज्योति मल्होत्रा, क्या कर रहे थे दोनों?

पंजाब पुलिस ने क्या कहा?

पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने जसबीर सिंह की गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी) मोहाली ने रूपनगर के गांव महलान निवासी जसबीर सिंह से जुड़े एक महत्वपूर्ण जासूसी नेटवर्क का पता लगाया है। जान महल नाम का एक यूट्यूब चैनल चला रहे जसबीर सिंह को पीआईओ शाकिर उर्फ जट्ट रंधावा के साथ जुड़ा पाया गया है। वो एक आतंक-समर्थित जासूसी नेटवर्क का हिस्सा है।'' उन्होंने कहा, ''उसने हरियाणा स्थित यूट्यूब ज्योति मल्होत्रा (जासूसी के लिए गिरफ्तार) और पाकिस्तानी नागरिक और निष्कासित पाक उच्चायोग अधिकारी एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश के साथ भी घनिष्ठ संपर्क बनाए रखा।''

एयरपोर्ट पर पकड़ी गई 52 करोड़ की कोकीन, विदेशी नागरिक गिरफ्तार

मुंबई, 4 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने एक विदेशी नागरिक को पकड़ा, जिसके पास से करीब 52 करोड़ रुपये कीमत की 5.19 किलो कोकीन बरामद हुई। कस्टम अधिकारियों ने ये जानकारी दी। बताया जा रहा है कि खुफिया सूचना के आधार पर कस्टम की 'एयर इंटेलिजेंस यूनिट' ने एक विदेशी यात्री को रोका। उसकी तलाशी लेने पर कमर और पैरों में बंधे सपोर्टर बेल्ट में छिपाए 4 पैकेट मिले, जिनमें 5.19 किलो कोकीन थी। पूछताछ के बाद उस शख्स को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। बता दें कि कुछ दिन पहले इसी एयरपोर्ट पर रोके गए युगांडा के एक नागरिक के पेट से गोलियों में 886 ग्राम कोकीन जब्त किया गया था। सीमाशुल्क विभाग के एक अधिकारी ने बीते गुरुवार को बताया था कि युगांडा का नागरिक 24 और 25 मई की रात मुंबई पहुंचा था और पूछताछ के दौरान असहज दिखा था। मेडिकल जांच में पता चला कि उसने पीले रंग की गोलियां निगल ली हैं।

नॉडी, टॉम और पिंगू, महाराष्ट्र में पेंगुइन के नाम पर क्यों मचा सियासी बवाल?

मुंबई, 4 जून (एजेंसियां)। मुंबई के भायखला स्थित वीरमाता जीजाबाई भोसले प्राणी संग्रहालय (रानीबाग) में जन्मे नवजात पेंगुइन चूजों के नाम अंग्रेजी में रखने पर विवाद खड़ा हो गया है। ये विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब मुंबई में बीएमसी चुनाव नजदीक हैं और राजनीतिक दल पहचान और भाषा के मुद्दों को प्रमुखता दे रहे हैं। बीजेपी नेताओं का कहना है कि महाराष्ट्र की धरती पर जन्मे इन पेंगुइनों को मराठी नाम दिया जाना चाहिए, ताकि महाराष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान और मराठी भाषा का सम्मान बना रहे। मार्च 2025 में रानीबाग में रखे गए आठ पेंगुइनों ने तीन नवजात चूजों को जन्म दिया। प्राणी संग्रहालय प्रशासन ने इनका नाम नॉडी, टॉम और पिंगू रखा। यही बात बीजेपी नेताओं को नागवार गुजरी। भायखला विधानसभा क्षेत्र के बीजेपी नेता निलेश बांकर ने इस पर आपत्ति जताते हुए चिड़ियाघर प्रशासन को दो पत्र भेजे। बीजेपी के अनुसार, मराठी को हाल ही में शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिला है, ऐसे में मराठी नामों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी। पत्र में लिखा गया है कि "इन पेंगुनों को अंग्रेजी नाम देना मराठी भाषा के साथ अन्याय है। क्या यह मराठी भाषा के प्रति नफरत नहीं है?" पत्रों में यह भी चेतावनी दी गई कि अगर प्रशासन ने मराठी नामकरण को लेकर सकारात्मक कदम नहीं उठाए, तो बीजेपी "मजबूत आंदोलन" करेगी। पत्रों की कॉपी मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, पालक मंत्री और बीएमसी अधिकारियों को भी भेजी गई है। हालांकि, चिड़ियाघर प्रशासन की ओर से बीजेपी नेताओं को कोई आधिकारिक जवाब नहीं मिला, जिसके बाद निलेश बांकर और अन्य बीजेपी कार्यकर्ताओं ने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया।

बीजेपी का तर्क

बीजेपी नेताओं का कहना है कि इन पेंगुइनों का जन्म मुंबई में हुआ है। वे कहीं और से उड़कर नहीं आए क्योंकि पेंगुइन उड़ते नहीं हैं। ऐसे में वे जन्म से ही मूल निवासी यानी भूमिपुत्र हैं और उनका नाम मराठी में होना चाहिए।

विवाद के पीछे की असली तस्वीर

मुंबई में लंबे समय से भाषा और सांस्कृतिक पहचान को लेकर राजनीति होती रही है। पहले ये मुद्दे लोगों और नौकरियों तक सीमित थे, अब यह जानवरों तक पहुंच गए हैं। पेंगुइन जैसे अंतरराष्ट्रीय प्रजाति के पक्षियों को मराठी नाम देने की मांग को लेकर यह विवाद राजनीतिक, भाषाई और सांस्कृतिक बहस का विषय बन गया है। अब देखना होगा कि चिड़ियाघर प्रशासन इस पर क्या प्रतिक्रिया देता है और क्या इन पेंगुइनों के नामों में कोई बदलाव किया जाएगा या नहीं।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 5 जून - 2025

बयानवीरों के लिए सबक

दे श की बड़ी शख्सियत को सोच-समझकर बयानबाजी करनी चाहिए। जब कोई व्यक्तित्व शख्सियत बन जाता है, तो वह केवल एक व्यक्ति नहीं रह जाता है, बल्कि एक विचार बन जाता है, उनका कद समाज को प्रभावित करने लगता है। तमिल सुपर स्टार अभिनेता कमल हासन ऐसी ही शख्सियत हैं, जिनके कहे शब्द लोगों को, समाज को प्रभावित करते हैं। कन्नड़ भाषा को लेकर उनके बयान लापरवाही भरे हैं और तथ्यों से परे हैं। कर्नाटक हाईकोर्ट ने कमल हासन को आईना दिखाया है कि 'आप बेशक कमल हासन होंगे, पर आप किसी की भी भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचा सकते, आपको कोई हक नहीं है'। कमल को कोर्ट की यह फटकार बयानवीरों के लिए सबक है। बेशक तमिल भारत की प्राचीन भाषाओं में से एक है, लेकिन कन्नड़ भी अति प्राचीन भाषा ही है। मलयालम, तेलुगु की तरह तमिल और कन्नड़ भी द्रविड़ परिवार की भाषा है, लेकिन भाषा इतिहास में ऐसा कोई प्रमाण नहीं है कि कन्नड़ की उत्पत्ति तमिल से ही हुई है। तमिल भाषा की उत्पत्ति करीब 3000 वर्ष पहले हुई थी, जबकि कन्नड़ भाषा की उत्पत्ति करीब 2500 वर्ष पहले। इसके बावजूद भाषा इतिहास विज्ञानी इस बात पर एकमत नहीं हैं कि कन्नड़ का विकास तमिल से हुआ है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने कमल हासन से ठीक ही पूछा कि आप इतिहासकार हैं या भाषाविद? हमारे देश में अनेक बड़े लोग खासकर राजनीतिज्ञ सर्वज्ञानी होने के भ्रम में अनेक बार गलतबयानी करते हैं और विवाद पैदा करते हैं। कई बार वे सुर्खियां बटोरने के लिए सयास करते हैं। विवाद फिल्म प्रोमोशन का भी तरीका रहा है। कमल हासन अभेनेता भी हैं और राजनेता भी हैं। ऐसे में तमिल स्मिता की राजनीति से वे तमिलनाडु की सियासत में अपनी जगह बनाना चाहते हैं। ऐसे में उनका तमिल व कन्नड़ भाषा पर बयान राजनीति चमकाने व प्रचार पाने के मकसद से दिया हुआ हो सकता है, लेकिन हाईकोर्ट ने जिस तरह से चेताया है, उससे उन्हें सबक सीखने की जरूरत है। कमल हासन ने अपनी फिल्म के ठग लाइफ के प्रमोशन के दौरान कह दिया था कि 'कन्नड़ तमिल भाषा से ही पैदा हुई है'। गलत बयानी के चलते अनेक राजनीतिक विवाद अदालतों में हैं। अतीत में राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल आदि समेत कई नेताओं को अपनी गलत बयानी के लिए अदालतों की चौखट तक जाना पड़ा है। कमल ठग लाइफ को रिलीज कराने की तैयारी में हैं, अगर उसकी पब्लिस्टी के लिए कन्नड़ पर तथ्यहीन बयानी की है, तो पब्लिस्टी का यह सबसे खराब तरीका है। कमल केवल तमिल स्टार नहीं हैं, बल्कि दक्षिण के सभी राज्यों समेत देश भर के सुपर स्टार हैं। उन्हें दक्षिण की परिपाटी की तरह राजनीति करनी ही है, तो उन्हें समझना चाहिए कि राजनीति और भी संवेदनशील मामला है। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने कमल हासन के बयान पर नाराजगी जताते हुए कहा कि जल, भूमि और भाषा, ये तीनों हर नागरिक की पहचान से जुड़ी होती हैं। तमिल और कन्नड़ भाषाएं द्रविड़ भाषा परिवार से हैं और इनमें काफी समानताएं हैं, खासकर व्याकरण और शब्दावली के मामले में। हालांकि, ये अलग-अलग भाषाओं के रूप में विकसित हुई हैं और इनके साहित्यिक इतिहास भी अलग हैं। कन्नड़ भाषा तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से ही एक बोली जाने वाली प्रचीनतम भाषा है। कन्नड़ को 2008 में भारत सरकार द्वारा शास्त्रीय भाषा के रूप में घोषित किया गया था। भाषा पर विवाद पैदा करके देश की एकता व अखंडता को कमजोर नहीं करना चाहिए। तमिलनाडु में हिंदी पर विवाद पहले से ही है।

पर्यावरण सुरक्षा सबकी जिम्मेदारी

संदीप सृजन

पर्यावरण वह नींव है जिस पर मानव सभ्यता, प्रकृति और समस्त जीव-जंतुओं का अस्तित्व टिका हुआ है। पर्यावरण का एक और महत्वपूर्ण पहलू है इसका सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्य। भारत में नदियां, जैसे गंगा और यमुना, केवल जल स्रोत नहीं हैं, बल्कि इन्हें पवित्र माना जाता है। पहाड़ और जंगल भी कई समुदायों के लिए पूजनीय हैं। इस प्रकार, पर्यावरण का संरक्षण हमारी सांस्कृतिक विरासत को बचाने का भी एक तरीका है।

आज पर्यावरण कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। जीवाश्म ईंधन (कोयला, तेल, और प्राकृतिक गैस) के अत्यधिक उपयोग से कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, और अन्य ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बढ़ रहा है। इससे पृथ्वी का औसत तापमान बढ़ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप ग्लेशियर पिघल रहे हैं, समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, और मौसम के पैटर्न में बदलाव आ रहा है। भारत में, हिमालय के ग्लेशियरों का पिघलना और तटीय क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ रहा है। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, यदि ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित नहीं किया गया, तो 2030 तक लाखों लोग जलवायु शरणार्थी बन सकते हैं।

औद्योगिक उत्सर्जन, वाहनों का धुआं, और फसल अवशेषों को जलाना वायु प्रदूषण के प्रमुख कारण हैं। दिल्ली, जो दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक है, हर साल सर्दियों में स्मॉग की मोटी चादर से ढक जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, वायु प्रदूषण हर साल वैश्विक स्तर पर 70 लाख से अधिक लोगों की मृत्यु का कारण बनता है। यह फेफड़ों की बीमारियों, हृदय रोग, और कैंसर का कारण बन रहा है।

औद्योगिक कचरा, रासायनिक उर्वरक, और घरेलू अपशिष्ट नदियों, झीलों, और भूजल को दूषित कर रहे हैं। भारत में गंगा और यमुना जैसी नदियां अत्यधिक प्रदूषित हैं। समुद्रों में प्लास्टिक कचरे का जमा होना जलीय जीवन को नष्ट कर रहा है। एक अनुमान के अनुसार, 2050 तक समुद्रों में मछलियों से ज्यादा प्लास्टिक होगा। जंगलों को कृषि, खनन, और शहरीकरण के लिए काटा जा रहा है। भारत में, 1950 के बाद से जंगल क्षेत्र में काफी कमी आई है। वनों की कटाई से न केवल जैव-विविधता पर असर पड़ रहा है, बल्कि कार्बन अवशोषण की प्राकृतिक प्रक्रिया भी बाधित हो रही है।

मानव गतिविधियों, जैसे शिकार, आवास विनाश, और प्रदूषण, के कारण कई प्रजातियां विलुप्त हो रही हैं। विश्व प्रकृति निधि (WWF) की एक रिपोर्ट के अनुसार, 1970 के बाद से वैश्विक स्तर पर वन्यजीव आबादी में 68% की कमी आई है। भारत में बाघ, गैंडा, और कई पक्षी प्रजातियां खतरे में हैं। प्लास्टिक कचरे का अनियंत्रित उपयोग और उसका अनुचित निपटान पर्यावरण के लिए एक बड़ी समस्या है। भारत में हर साल लाखों टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जिसका अधिकांश हिस्सा लैंडफिल या समुद्र में चला जाता है।

पर्यावरण संरक्षण केवल एक नैतिक दायित्व नहीं है, बल्कि यह हमारी उत्तरजीविता का प्रश्न है। यदि हम पर्यावरण की उपेक्षा करते हैं, तो हम अपने भविष्य को खतरे में डाल रहे हैं। स्वच्छ हवा, पानी, और भोजन के बिना जीवन संभव नहीं है। पर्यावरण का संरक्षण आर्थिक स्थिरता और सामाजिक समानता के लिए भी जरूरी है। उदाहरण के लिए, स्वच्छ ऊर्जा और टिकाऊ कृषि प्रथाएं न केवल पर्यावरण को बचाती हैं, बल्कि रोजगार के अवसर भी पैदा करती हैं।

फिर बोतल से बाहर आ रहा है कोरोना का जिन्न

मनोज कुमार अग्रवाल

दुनिया के अन्य देशों के साथ भारत में भी कोरोना के मामलों में काफी बढ़ोत्तरी देखी जा रही है,कोविड-19 संक्रमण एक बार फिर से तेजी के साथ पैर पसार रहा है। देश में कोरोना के मामले 4 हजार के करीब पहुंच गए हैं। यानी किसी भी वक्त कोविड-19 के मामले 4 हजार के आंकड़े को पार कर सकते हैं। इस वक्त सबसे ज्यादा कोविड संक्रमित मरीज केरल (1435) में हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र (506) और तीसरे नंबर पर दिल्ली (483) हैकोविड संक्रमण के कारण मौत के आंकड़ों की बात करें तो अब तक 32 कोविड मरीजों की मौत हो चुकी है। पिछले 24 घंटे के अंदर 4 लोगों ने संक्रमण के कारण दम तोड़ा है। मरने वालों में एक मरीज दिल्ली, एक केरल, एक महाराष्ट्र और एक तमिलनाडु का है। तेजी से बढ़ते संक्रमण और संक्रमित मरीजों के मौत के मामले ने सभी को डरा दिया है। उत्तर प्रदेश के नोएडा में पिछले 24 घंटे के अंदर एक कोविड पॉजिटिव केस मिला है, जिसके बाद कोविड संक्रमितों की तुलना अब 63 हो गई है, जिसमें महिला 31 और पुरुष 32 हैं।

कोविड के केस लगातार बढ़ना थोड़ी चिंता की बात जरूर है। कारण है कि काफी तेजी से मामले बढ़ रहे हैं, उंगलियों पर गिने जाने वाले आंकड़े हफ्ते भर में ही हजारों में पहुंच गए। मरने वालों की संख्या में भी वृद्धि देखी जा रही है। कोरोना में यह बढ़ोत्तरी ऐसे समय में देखने को मिल रही है, जब दुनिया मानकर चल रही थी कोरोना संक्रमण का काला दौर हमेशा-हमेशा के लिये चला गया है। पिछले कुछ वर्षों से जनजीवन फिर पटरी पर लौट रहा था। विश्व के कुछ क्षेत्रों में जारी युद्ध और अन्य विषम परिस्थितियों के बीच जारी आर्थिक उथल-पुथल के बावजूद अर्थव्यवस्थाएं कोरोना से पहली स्थिति में पहुंचने के लिये जद्दोजहद कर रही थी, लेकिन कोरोना की नई दस्तक ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक देश में कोविड के मामले बढ़कर 4000 के पास पहुंच चुके हैं। सबसे अधिक 1435 मामले केरल में मिले हैं। इसके बाद महाराष्ट्र में 506 और दिल्ली में 483 एक्टिव मामले हैं। शुक्रवार से शनिवार के बीच कोविड के 685 नए केस सामने आए है आए हैं। वहीं इससे 4 मौतें हुई हैं, जिसमें दिल्ली , कर्नाटक, उत्तर प्रदेश में एक-एक मौत हुई है। अब तक कोरोना से 32 मौतें हो चुकी हैं। इससे पहले 30 मई को सुबह 8 बजे तक सिर्फ 7 मौतों का आंकड़ा सामने आया था। ऐसे में बीते दो दिनों में देश के अंदर 21 लोगों की मौत दर्ज की गई। 31 मई को बेंगलुरु में 63 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। उसे दोनों वैक्सीन के साथ बूस्टर डोज भी लगी थी।

वहीं दिल्ली में 60 साल के बुजुर्ग की मौत हुई है। महाराष्ट्र-केरल में सबसे ज्यादा 7-7 लोगों ने जान गंवाई है। कर्नाटक सरकार ने पब्लिक एडवाइजरी जारी की। इसमें लोगों से भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क लगाने, शारीरिक दूरी बनाए रखने और स्वच्छता का खास ध्यान रखने की अपील की। बुखार, खांसी, सीने में दर्द या सांस लेने में दिक्कत होने पर तुरंत जांच कराने को कहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक भारत में एनबी. 1.8.1 और एलएफ. 7 वेरिएंट्स के कारण मामलों में वृद्धि हो रही है।

दरअसल एनएफ.1.8.1 और एलएफ. 7 ओमिक्रॉन के जेएन. 1 वेरिएंट और इसमें हुए म्यूटेशन से उत्पन्न सब-वैरिएंट्स हैं। वैज्ञानिकों ने इसे बेहद सक्रामक बताया है। इतना ही नहीं एनबी. 1.8.1 से होने वाले खतरों को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इसे वैरिएंट ऑफ मॉनिटरिंग के रूप में क्लासीफाई किया है। इसे अब तक वेरिएंट ऑफ इंटरेस्ट के रूप में रखा गया था। डब्ल्यूएचओ की एक रिपोर्ट के मुताबिक एनवी. 1.8.1 रिकॉम्बिनेंट वैरिएंट एक्सडीवी. 1.5.1 से निकला है। इसका सबसे पहला सैंपल 22 जनवरी साल 2025 को इकट्ठा किया गया था। इस वेरिएंट में कुछ एसेम्यूटेशन देखे गए हैं, जो इम्यूनिटी को भी चकमा दे सकते हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार इन नए वेरिएंट्स से संक्रमित लोगों में सामान्यतः बुखार, नाक बहना, गले में खराश, सिरदर्द और थकान जैसे हल्के लक्षण देखे जा रहे हैं। हालांकि ये वेरिएंट प्रतिरक्षा प्रणाली को चकमा दे सकते हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला है कि ये गंभीर या लंबी बीमारी का कारण बनते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इन वेरिएंट्स को चिंताजनक श्रेणी में शामिल नहीं किया है। विशेषज्ञों के अनुसार फिलहाल घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन स्थिति पर निरंतर निगरानी आवश्यक है। उन्होंने जनता से भी अपील की है कि वे घबराएं नहीं बल्कि सतर्क रहें। सरकार सक्रिय रूप से हालात पर नजर बनाए हुए है और यदि कोरोना मामलों में वृद्धि होती है, तो सतर्कता बढ़ाने और आवश्यक तैयारियां करने पर जोर दिया जाएगा।

अगर देखा जाए तो दुनिया मानकर चल रही थी कि कोरोना संक्रमण का काला दौर हमेशा-हमेशा के लिये चला गया है। विश्व के कुछ क्षेत्रों में जारी युद्ध और अन्य विषम परिस्थितियों के बीच जारी आर्थिक उथल-पुथल के बावजूद अर्थव्यवस्थाएं कोरोना से पहली स्थिति में पहुंचने के लिये जद्दोजहद कर रही थी, लेकिन कोरोना की नई दस्तक ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। सप्ताह भर में ही बढ़े संक्रमण के मामलों में जो उछाल आया है, वो चिंताजनक है। चीन से भी छन छन कर जो निकल रहा है उससे इतना तो पता चल गया कि वहां भी बीते एक महीने में कोरोना के मामलों में काफी तेजी आई है, लेकिन दुनिया को कोरोना देकर भी छुपाने और तबाही की कगार पर पहुंचाने के बाद चीन से जितने सच सामने आए, उसने दुनिया में कैसा विनाश मचाया था, सबने देखा। इस बार संक्रमित होने वाले अधिकतर लोग वो ज्यादा हैं जो या तो कोमर्बिडिटी यानी सह-रुग्णता वाली स्थिति में हैं। इसमें प्रभावितों को एक ही समय में एक से अधिक बीमारियां होती हैं, जिसके कई कारण हो सकते हैं। कुछ सामान्य जोखिम कारक होते हैं, जबकि कुछ अन्य स्थितियों से उत्पन्न लक्षणों या उसके उपचारों के कारण होते हैं। अभी ज्यादातर लक्षण, कोमोर्विटी या फिर 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में दिख रहे हैं। लेकिन प्रभावित हर आयु वर्ग के लोग हो रहे हैं। स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए अधिकारियों ने डॉक्टर की सलाह पर अपडेटेड वैक्सीन लेने की सलाह दी है।

उच्च जोखिम वालों बुजुर्गों, कोमोर्बिटी के शिकार को पहले से ही सालाना कोविड-19 वैक्सीन लेने की सलाह दी जाती रही है। कोरोना के बढ़ते हुए मामले को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरीके से तैयार है। स्वास्थ्य मंत्रालय पूरी तरीके से सतर्कता के साथ हर परिस्थिति पर नजर रख रहा है। हां, देश भर के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की भी जिम्मेदारी है कि सतर्क रहें, सतर्क करें।

ऑक्सीजन और वैक्सीन के इंतजाम पर्याप्त रखे जाएं। ईश्वर करे कि वो स्थिति न आए, जिसे हमने देखा और भोगा है। लेकिन पुराने कड़े अनुभव, काली यादें और कोरोना के कुछ साल का दौर कितना भयावह था, याद कर ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं। हालांकि ऐसी स्थिति आने की संभावना नहीं है, लेकिन इसके बावजूद अब समय आ गया है कि हमलोग सभी सतर्क हो जाए। कोरोना से कैसे लड़ना है, यह बताने की जरूरत है। सबको पता है कि कोरोना से कैसे निपटना है, इसलिए जरूरत है कि सभी सतर्क हो जाए और उन एहतियात का पालन करने, जो कोरोना के समय करते थे, ताकि इसको बढ़ने से पहले ही रोका जा सकें।

शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी पर मचा है सियासी तूफान

अशोक भाटिया

हाल ही में पुणे की एक 22 वर्षीय लॉ स्टूडेंट और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी ने भारत में अभिव्यक्ति स्वतंत्रता और धार्मिक संवेदनशीलता के बीच की बहस को फिर से पैदा कर दिया है। शर्मिष्ठा को कोलकाता पुलिस ने ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित एक वीडियो में कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणियां करने के मामले में गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। हालांकि, मामले को बढ़ता देख शर्मिष्ठा ने पहले ही बिना शर्त के माफी मांग ली थी, लेकिन कई राजनेता शर्मिष्ठा की आलोचना करते हुए गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे।

दरअसल, शर्मिष्ठा ने अपनी वीडियो में उन अभिनेताओं की आलोचना की थी। जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी। वह कथित तौर पर एक यूजर को जवाब दे रही थीं, जिसने पूछा था कि भारत ने बिना किसी कारण के पाकिस्तान पर गोलीबारी क्यों की। शर्मिष्ठा ने अपनी वीडियो में कथित तौर पर अपशब्दों का भी इस्तेमाल किया था।

वहीं, 14 मई को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने एक्स पर पनोली के वीडियो को शेयर करते हुए दावा किया कि शर्मिष्ठा ने इस्लाम का अपमान किया है और उनकी टिप्पणी सांप्रदायिक विद्वेष को बढ़ावा देती है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री को टैग किया और उनकी गिरफ्तारी की मांग की। इसी के बाद मामले ने तूल पकड़ा और सोशल मीडिया पर उनकी गिरफ्तारी की मांग बढ़ने लगी। शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी के बाद पश्चिम बंगाल की कोलकाता पुलिस ने गुरुग्राम की इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली केस में बड़ा ट्विस्ट सामने लाया है। पुलिस ने शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ शिकायत दर्ज करने वाले वजाहत खान के खिलाफ भी कार्रवाई की है। पुलिस ने शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ़्तारी में शिकायतकर्ता वजाहत खान के ख़िलाफ़ मामला दर्ज किया है। शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी के बाद पहले वजाहत खान के लापता होने की जानकारी सामने आई थी। शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी के बाद वजाहत रशीद पर हिंदू देवी-देवताओं के अपमान के आरोप लगे थे। असम पुलिस ने वजाहत को गिरफ्तार करने के लिए टीम भेजी थी। वजाहत खान के खिलाफ असम में एक केस दर्ज किया गया है। इससे पहले असम सरकार ने वजाहत को गिरफ्तार करने के लिए बंगाल सरकार से मदद मांगी थी।

आपको बता दे कौन हैं वजाहत खान?वजाहत रशीद कोलकाता स्थित 'रशीदी फाउंडेशन' के सह-संस्थापक है। वजाहत ने 22 साल की शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ कोलकाता पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद ही कोलकाता पुलिस ने गुरुग्राम से पनोली को अरेस्ट किया था। इसके बाद वजाहत ने सोशल मीडिया पर गिरफ्तारी का जश्न भी मनाया था। इसके बाद उसकी पिछली हिस्ट्री भी सामने आ गई थी। । जिनमें उन्होंने हिंदू धर्म, भगवान कृष्ण, कामाख्या देवी मंदिर जैसे धार्मिक स्थलों और हिंदू त्योहारों को लेकर आपत्तिजनक बातें लिखी थीं। इनमें से कुछ पोस्ट उन्होंने बाद में डिलीट भी की थीं। इसके बाद असम में मामला दर्ल हुआ था। इसके साथ ही अमिता सचदेवा ने भी दिल्ली के साकेत साइबर थाने में वजाहत रशीद के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी। अब कोलकाता पुलिस ने भी एफआईआर दर्ज की ली है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने वजाहत खान के खिलाफ दर्ज केस की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देवी मां कामाख्या के खिलाफ एक व्यक्ति द्वारा की गई अस्वीकार्य टिप्पणियों के संदर्भ में असम पुलिस ने मामला दर्ज किया गया है और हम उस व्यक्ति को कानून का सामना करने के लिए असम लाने में पश्चिम बंगाल सरकार से सहयोग मांगेंगे।

समाचार पत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार शर्मिष्ठा पनोली स्वयं भी कानून की जानकर है वह पुणे लॉ यूनिवर्सिटी में कानून की छात्रा हैं। जब शुक्रवार को गुरुग्राम में उनके घर की घंटी बजी, सामने कोलकाता पुलिस थी। पुलिस ने कहा, "आपको गिरफ्तार किया जा रहा है।" आखिर शर्मिष्ठा ने ऐसा क्या किया कि पुलिस को 1500 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ी? शर्मिष्ठा ने ऐसा क्या किया कि वह पूरे देश की राजनीति का केंद्र बन गई हैं? उनकी गिरफ्तारी के बाद ममता सरकार की आलोचना क्यों हो रही है?क्या उनकी गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित है या फिर उनके 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ विवादित पोस्ट की वजह से हुई है, जिसे उन्होंने डिलीट भी कर दिया था? ममता की पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने में इतनी तेजी क्यों दिखा रही है? इन सभी सवालों पर बात करने से पहले जानते हैं शर्मिष्ठा के विवाद और उनकी गिरफ्तारी की कहानी।दरअसल, 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत ने प्रतिक्रिया करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया था। इस ऑपरेशन पर देश-विदेश के लोगों ने प्रतिक्रिया दी थी। इसी दौरान पुणे लॉ कॉलेज की एक स्टूडेंट, जो उभरती हुई सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर हैं, ने कुछ ऐसा कहा कि सोशल मीडिया, खासकर एक्स पर उनके खिलाफ हैशटैग बायकॉट होने लगा। सोशल मीडिया पर #ArrestSharmistha ट्रेंड करने लगा।

शर्मिष्ठा ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि भारत अब सिर्फ गांधी का फैन नहीं है। अगर तुम आंख दिखाओगे तो तुम्हारे घर में घुसकर मारेगा। दरअसल, वह अपने पूरे वीडियो में पाकिस्तान और पाकिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ बोल रही थीं। हालांकि, उन्होंने अपने डिलीट किए गए वीडियो में खास समुदाय (पाकिस्तान के) के खिलाफ भी बोला था। उनका कहना था कि अगर किसी निर्दोष की हत्या कर जन्नत जाने की नियत रखते हो, तो यह तुम्हारी गलतफहमी है। हालांकि, इस दौरान उन्होंने जो शब्द प्रयोग किए थे वे किसी भी प्रकार से उचित नहीं थे।

विवाद बढ़ने के बाद शर्मिष्ठा ने मैच्योरिटी दिखाते हुए पहले वीडियो डिलीट किया था , फिर वीडियो पोस्ट जारी करते हुए माफी मांगी। फिर भी ममता बनर्जी को 'ममता' क्यों नहीं दिखा रही हैं? आखिर ममता सरकार एक लड़की को अरेस्ट कर सजा दिलाने की जिद पर क्यों अड़ी हैं? कहीं ममता सरकार अगले साल की विधानसभा चुनाव की तैयारी में तो नहीं हैं? किसी खास समुदाय को खुश करने के लिए ममता सरकार कहीं अति कदम तो नहीं उठा रही हैं? पश्चिम बंगाल में एक खास समुदाय ममता का कोर वोटर है। एक सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर को गिरफ्तार कर, ममता अपनी वफादारी का सबूत देने की फिराक में तो नहीं हैं?

खतरनाक रूप लेता रूस - यूक्रेन युद्ध

संजय सिन्हा

युद्ध पर विराम लगता नहीं दिख रहा। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले तीन वर्षों से चल रहा युद्ध एक नई और खतरनाक करवट ले चुका है। इस्तांबुल वार्ता के कुछ ही घंटों बाद यूक्रेन ने अब रूसी कब्ज़े वाले इलाकों में गहरे और सामरिक रूप से संवेदनशील ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। चंद दिन पहले रूसी एयरबेसों पर हुए भीषण ड्रोन हमले में यूक्रेन ने कम से कम 40 आधुनिक फाइटर जेट तबाह कर दिए थे जिससे रूस को बड़ा झटका लगा। अब, आगे बढ़ते हुए यूक्रेन ने ज़ापोरिज़िया और खेरसॉन क्षेत्रों में बिजली ढांचों पर हमला कर दिया है जिससे 7 लाख से अधिक लोग अंधेरे में डूब गए हैं। रूसी अधिकारियों के मुताबिक यूक्रेनी ड्रोन और तोपों के जरिए किए गए हमलों में ज़ापोरिज़िया और खेरसॉन क्षेत्रों के बिजली सबस्टेशनों को भारी नुकसान पहुंचा है। इस हमले के बाद कम से कम 700,000 लोग अंधेरे में जीने को मजबूर हैं जिससे अस्पताल, जलापूर्ति और मोबाइल नेटवर्क जैसी जरूरी सेवाएं भी बाधित हो गईं।

इन हमलों का सबसे गंभीर असर ज़ापोरिज़िया परमाणु संयंत्र पर पड़ा है। यह यूरोप का सबसे बड़ा न्यूक्लियर पावर प्लांट है और रूसी नियंत्रण में है। रूसी परमाणु एजेंसी रोसएटम के प्रमुख अलेक्सी लिक्हाचेव ने कहा, ₹स्थिति नियंत्रण में है लेकिन बेहद जटिल है। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि अगर संयंत्र की बाहरी बिजली सप्लाई बाधित रहती है तो कूलिंग सिस्टम फेल हो सकता है और परमाणु रिसाव जैसी गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है।

इस हमले पर यूक्रेन की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन पश्चिमी मीडिया के मुताबिक यह 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से रूसी कब्ज़े वाले इलाकों पर सबसे बड़ा हमला हो सकता है। गौर करने वाली बात यह है कि यह हमला तुर्की में हुई रूस-यूक्रेन वार्ता के चंद घंटों बाद ही हुआ। वार्ता में रूस ने कहा कि वह तभी युद्ध समाप्त करेगा अगर यूक्रेन नए बड़े क्षेत्र सौंपे और अपनी सेना के आकार पर सीमाएं स्वीकार करे। वहीं यूक्रेन ने इस मांग को 'औपनिवेशिक सोच से प्रेरित ज़मीनी कब्ज़ा' बताया और दो टूक कहा कि वह कूटनीति और सैन्य बल दोनों से अपनी जमीन वापस लेगा। एक साहसिक और अप्रत्याशित हमले में यूक्रेन के सैन्य बलों ने रूसी क्षेत्र के भीतर जाकर लगातार कई हमले किए और रूस के लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों या सामरिक बमबारी बेड़े को निशाना बनाया। रूस के अधिकारियों ने इस हमले की पुष्टि की है लेकिन यह नहीं बताया कि कितनी क्षति पहुंची है। रूस के सामरिक बमबारी बेड़े को हुई क्षति की भरपाई संभव नहीं है क्योंकि ये 1950 के दशक के हैं और इन्हें बनाने वाली इकाइयां बहुत पहले बंद हो चुकी हैं।

यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने दावा किया कि उसने एक तिहाई बेड़े को निशाना बनाया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदोमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस को करीब 7 अरब डॉलर मूल्य का नुकसान हुआ है परंतु जिस बात ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है और जो आने वाले महीनों और वर्षों तक सैन्य योजनाकारों और सामरिक विशेषज्ञों की चर्चा का विषय रहने वाली है, वह है इस हमले का तरीका। यूक्रेन ने यह हमला रेडियो नियंत्रित ड्रोन के माध्यम से किया। इन्हें सामान्य निर्माण सामग्री की तरह वाणिज्यिक कंटेनर ट्रकों में लादा गया और उसके बाद रूस में हवाई ठिकानों के आसपास के इलाकों में भेजा गया। एक खास समय पर इन सभी ड्रोन को उड़ाया गया और हवाई अड्डों पर खड़े विमानों को निशाना बनाया गया।

यह पहला मौका नहीं है जब यूक्रेन ने नियमित वाणिज्यिक लॉजिस्टिक को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है। खबरें बताती हैं कि 2022 में क्राइमिया द्वीप को रूस से जोड़ने वाले केर्च पुल पर हुए हमले, जिसने कई सप्ताह तक रूस के सैन्य यातायात को बाधित किया था और जो प्रतीकात्मक रूप से बहुत प्रभावी था, उसे भी प्लास्टिक ढोने वाले एक ट्रक की आड़ में अंजाम दिया गया था। विस्फोटकों को प्लास्टिक के ढेर में छिपाया गया था और इसे आर्मीनिया और जॉर्जिया से होते हुए क्रीमिया की ओर भेजा गया था। ऐसे ही तरीके इस्तेमाल करके करीब 120 ड्रोनों की मदद से ताजा हमला किया गया। ये ड्रोन बहुत महंगे या किसी खास गुणवत्ता के नहीं थे।

लब्बोलुआब यह कि अपेक्षाकृत छोटा और मुश्किलों से जूझ रहा देश, जिसके पास अपनी मजबूत वायु सेना तक नहीं है, उसने आधुनिक लॉजिस्टिक्स और सस्ते ड्रोन की मदद से एक महाशक्ति के सामरिक बेड़े को क्षति पहुंचा दी जो उसके परमाणु प्रतिरोधक तंत्र का हिस्सा था। ड्रोन और वैश्वीकृत दुनिया में आपसी व्यापार संपर्क के इस मेल से सुरक्षा की दृष्टि से सर्वथा नई और अप्रत्याशित चुनौती उत्पन्न हुई है। भारत में इसे खासतौर पर महसूस किया जाएगा क्योंकि हमारे कई सामरिक क्षेत्र इस लिहाज से संवेदनशील हैं। इनमें कई तो प्रमुख औद्योगिक केंद्र भी हैं।

राष्ट्रपति जेलेंस्की के मुताबिक यूक्रेन ने इस हमले की योजना 18 महीने पहले बनाई थी।

कलाकार या कल्याणकार

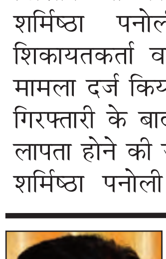

डॉ टी महादेव राव

आजकल कलाओं में से एक कला चोरी इतना ज्यादा मशहूर हो गया है कि लगता है दस में से सात लोग चोरी के सिद्धांत को मानते हैं चाहे वह किसी भी प्रकार की क्यों न हो। बात इसलिए उठी चोरों की, क्योंकि आईपीएल फाइनल मैच देखते-देखते मैं सोफे पर सो गया। कोई दो घंटे के बाद मैंने देखा कोई शख्स मेरे सामने खड़ा है और मुझे देख रहा है। अजनबी बड़ा शालीन लग रहा था लेकिन मुझे लगा कि चोर है तो मैंने कहा मैंने पूछा तुम हो कौन चोरी करने की इरादे से आया हूं।

₹चोरों की चोरों की भी कोई ट्रेनिंग होनी चाहिए यह इस तरह के अपार्टमेंट में रात में जब जिसको जागना है चौकीदार वह सो रहा है और तुम बाकायदा लिफ्ट यहां तक आ गए। मतलब या तो तुम बहुत शातिर हो या हमारा वॉचमैन बेवकूफ है। लेकिन इस घर में मिलेगा क्या? एक रिटायर आदमी टीवी देख देखते देखते अपना टाइम पास कर रहा है और तुम्हें चोरी की पड़ी है। चोरी... मुझे तो लगता है चाहे उसे राजनीतिक नेता द्वारा की गई हो या सामान्य तुम्हारे जैसे चोर के द्वारा या किसी जो पति द्वारा या फिर किसी नेता द्वारा। इतना तुच्छ काम करते हुए लज्जा नहीं आती तुम्हें? वह सामने सोफे पर विराजा। आपको क्या लगता है चोरी करना इतना आसान है। अच्छे अच्छों के छक्के छूट जाते हैं। इसमें इतनी प्रवीणता और हाथ की सगाई करनी होती है आप क्या जानो। वैसे हम चोर नहीं रहे तो कितने लोग भूखों मरेंगे जानते हैं? तुम तो सीधे नेता जैसे बोल रहे हो। वे एक नंबर के हैं तो तुम दो नंबर के। किस किसको तुम्हारी वजह से भोजन मिल रहा है भाई? अंकल! मानो या न मानो चोर देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी की तरह हैं ,

मैं ने पूछा ऐसा कैसे... सुनिए और उसने गिनाना शुरू किया ताले, अलमारी और लॉकर बनाने वालों को चोर ही नौकरी देते हैं। घरों के लिए ग्रिल, खिड़कियां और बरामदे बनाने वालों को भी काम मिलता है। कंपाउंड की दीवारें और गेट चोरों की वजह से ही बनाए जाते हैं। चौकीदारों और पुलिस को नौकरी मिलती है। सीसी टीवी और मेटल डिटेक्टर बनाने वाली कंपनियां करोड़ों कमा रही हैं। कई कंपनियां बंदूक और गोलियां बेचकर भी कमा रही हैं। पुलिस स्टेशन और कोर्ट बनाने वालों को रोजगार मिल रहा है। कोर्ट के कर्मचारियों, जजों और वकीलों को रोजगार मिल रहा है। अगर कोई चोर मशहूर है, तो टीवी चैनल उसे हर दिन दिखाकर अपनी टीआरपी रेटिंग बढ़ाते हैं।मोबाइल फोन, लैपटॉप, साइकिल, कार और बाइक बेचकर भी सेकेंड हैंड मार्केट तैयार किया जाता है। इसलिए यह कहा जा सकता है चोर अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में बहुत बड़ा योगदान देते हैं।

अरे भाई। तुम तो हमारे देश के बड़ेभैया से भी बुद्धि में बड़े हो। तुम्हारी वजह से जो काम सरकार नहीं कर पा रही है वह काम तुम कर रहे हो, कितने सारे लोगों को रोजगार मुहैया करा रहे हो।

राम मंदिर में दूसरी बार प्राण प्रतिष्ठा

राम दरबार के साथ इन 8 देवी देवताओं का भी सजेगा दरबार

प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान में जिन देवी-देवताओं की मूर्तियों की प्रतिष्ठा होगी श्रीराम दरबार, शिवलिंग, गणपति,हनुमानजी, सूर्य देव, देवी भगवती, अन्नपूर्णा

अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में नवनिर्मित देवालयों में देव विग्रहों की प्राण-प्रतिष्ठा के पावन अनुष्ठान का शुभारंभ हो चुका है। गंगा दशहरा के मौके पर राम दरबार समेत अन्य 8 देवी देवताओं की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इसकी शुरुआत कलश यात्रा के साथ की गई, जिससे प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का आध्यात्मिक वातावरण और भी पवित्र हो गया। आइए जानते हैं किन 8 देवी देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी।

अयोध्य में स्थित राम मंदिर में द्वितीय प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन शुरू हो चुका है। 5 जून को गंगा दशहरा के मौके पर अभीजित मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम पूरा किया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने जानकारी दी कि मंदिर परिसर के प्रथम तल पर स्थित राम दरबार और अन्य देवी-देवताओं के 5 मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा 3 से 5 जून के बीच संपन्न होगी। मुख्य कार्यक्रम 5 जून को किया जाएगा, जब सभी देवी देवता अपने अपने भवन में विराजमान होंगे। बता दें कि इससे पहले साल 2024 में 22 जनवरी को प्रभु श्रीराम बाल स्वरूप में स्थापित किए गए थे। अब दूसरी प्राण-प्रतिष्ठा में भगवान राम राजा के रूप में स्थापित किए जाएंगे।

101 ऋत्विजों की उपस्थिति में कार्यक्रम होगा संपन्न

राम दरबार समेत अन्य 7 देवी देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त कांची कामकोटि शंकराचार्य स्वामी विजयेन्द्र सरस्वती ने निकाला था। उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा के लिए गंगा दशहरा के दिन यानी 5 जून को सर्वश्रेष्ठ बताया। इस दिन दोपहर 11 बजकर 25 मिनट पर निर्धारित किया गया है। इसके पश्चात लगभग एक बजे भोग आरती संपन्न होगी। यह आयोजन वैदिक विधानों के अनुरूप तीर्थराज प्रयाग, काशी, देवप्रयाग, हरिद्वार, अयोध्या और अन्य धार्मिक स्थलों से आमंत्रित 101 ऋत्विजों की उपस्थिति में संपन्न होगा।

गंगा दशहरा पर होगा आयोजन

बता दें कि 5 जून को गंगा दशहरा का पावन पर्व भी है और संयोगवश यह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन भी है। पूरे आयोजन में वैदिक रीति से पूजा-पाठ कराने के लिए देशभर से आए कुल 101 वैदिक आचार्य भाग लेंगे। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रमों की शुरुआत प्रतिदिन प्रातः 6:30 बजे से हो रही है। चंपत राय ने अपील की है कि यह आयोजन मुख्यतः पूजन केंद्रित है और मौसम की अनिश्चितता को देखते हुए कोई बड़ा सार्वजनिक कार्यक्रम नहीं रखा गया है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे अयोध्या केवल अपनी सुविधानुसार आएं और 5 जून को होने वाले कार्यक्रम में अनावश्यक भीड़ से बचें। उन्होंने कहा कि यह आयोजन आमंत्रण आधारित नहीं है। यह सभी के लिए खुला है, लेकिन हम सभी से अपेक्षा करते हैं कि वे संयम, श्रद्धा और अनुशासन के साथ आएं।

वास्तु: सही दिशा में लगाए गए पौधे बन सकता है खुशहाली की जड़

आजकल बहुत से लोग अपने घर, दफ़्तर या फैक्ट्री को वास्तु के अनुसार बनवाते हैं। वे मानते हैं कि अगर चारों दिशाओं का ठीक से ध्यान रखा जाए तो तरक्की के रास्ते खुलते हैं। कई बार लोग कहते हैं कि उनका मकान वास्तु के हिसाब से पूरी तरह ठीक है, फिर भी चीज़ें बिगड़ रही हैं। असल में, कुछ छोटी-छोटी बातें जिन्हें हम नज़रअंदाज़ कर देते हैं, वही सबसे बड़ा कारण बनती हैं परेशानियों का।

इनमें से एक आम गलती होती है गलत दिशा में पौधे लगाना। बहुत से लोग यह सोचते हैं कि अगर दक्षिण या पश्चिम दिशा में ऊंचे-ऊंचे पेड़ होंगे तो घर की दीवारें मजबूत दिखेंगी और घर को सुरक्षा मिलेगी। कुछ लोग तो फैक्ट्री या दफ्तर के चारों तरफ बड़े-बड़े पौधे लगवा देते हैं ताकि हरियाली बनी रहे और जगह सुंदर दिखे। लेकिन यही काम कई बार नुकसान की वजह बन जाता है।

असल में, हर दिशा का एक खास गुण होता है। जैसे उत्तर और पूर्व दिशा को हल्का और खुला माना जाता है, जबकि दक्षिण और पश्चिम को भारी। पौधे हवा का प्रतीक माने जाते हैं यानी इन्हें हल्का तत्व समझा जाता है। जब हल्का तत्व भारी दिशा में आ जाता है, तो वह वहां की ऊर्जा को गड़बड़ा देता है। इसका सीधा असर व्यक्ति की तरक्की, आय और मानसिक शांति पर पड़ता है।

दक्षिण-पश्चिम दिशा को स्थिरता और नियंत्रण की दिशा माना जाता है। अगर यहां पौधे लगाए जाते हैं तो जीवन में अस्थिरता आ सकती है। बिज़नेस में घाटा, कर्ज़ बढ़ना या बार-बार काम बिगड़ना जैसी स्थितियां बन सकती हैं। पश्चिम दिशा लाभ और धन की दिशा मानी जाती है, और वहां पौधे होने पर मुनाफा रुक सकता है या खर्च बढ़ सकता है।

तो फिर पौधे कहां लगाएं? वास्तु के अनुसार उत्तर और पूर्व दिशा में पौधे लगाना फायदेमंद होता है। यहां की ऊर्जा हल्की और सकारात्मक होती है, जो पौधों के गुणों से मेल खाती है। इससे मानसिक शांति, स्वास्थ्य और सफलता में मदद मिलती है।

अगर आपने पहले ही दक्षिण या पश्चिम दिशा में पौधे लगा रखे हैं और आपको किसी न किसी तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, तो आपको तुरंत उन्हें हटाने की ज़रूरत है। अगर हटाना मुमकिन न हो, तो कुछ आसान उपाय भी किए जा सकते हैं जैसे उन पौधों के पास मिट्टी में कॉपर की प्लेट दबा देना या रोज़ाना वहां धूप दिखाना।

गंगा दशहरा - बाबा गंगाराम मंदिर स्थापना दिवस

विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगतराम जी का पवन धाम, श्री पंचदेव मंदिर राजस्थान के झुंझुनू नगर में स्तिथ है, जिस स्थापना 1975 में गंगा दशहरा के दिन में हुई थी

इस देवस्थान का निर्माण बाबा के परम आराधक भक्त शिरोमणि श्री देवकीनन्दन जी ने बाबा गंगतराम जी के स्वप्नादेश के पश्चात कराया था। तत्कालीन जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी निरंजनदेव तीर्थ पुरी के सान्निध्य में गंगादशहरा (ज्येष्ठ शुक्ल दशमी) वि.स. 2032 (सन 1975) के पावन दिन मंदिर का प्रतिष्ठा समारोह पूर्ण वैदिक विधि से सम्पन्न हुआ था। अभीष्ट फलदाता सत्यनारायण स्वरुप बाबा की प्रतिमा के दर्शन होते ही कदम स्वयं ही गर्भगृह की ओर बढ़ने लगते है एवं मंदिर में दर्शन की लालसा लेकर जाने वाला श्रद्धालू भाव-विभोर होकर नतमस्तक हो जाता है। मुख्य गर्भगृह के बाई ओर निर्मित दो अलग- अलग गर्भगृहों में मां दुर्गा व आंजनेय हनुमान की विशाल प्रतिमाएं स्थापित है। इसी प्रकार दाहिनी ओर पद्मासन पर धन की दात्री देवी लक्ष्मी की प्रतिमा है एवं अन्य गर्भगृह में त्रिदेवों के देव भगवान शंकर का लिंग स्थापित है, जिसके साथ ही मां पार्वती, गणेश एवं कार्तिकेय आदि शिव परिवार की मूर्तियाँ है। सभी देव प्रतिमाएं सफेद संगमरमर से निर्मित है एवं कला की उत्कृष्ट कृत्तियां है। इस प्रकार इन पाँच देव मंदिरों के कारण ही इस मंदिर का नाम 'पंचदेव मंदिर' पड़ा।

आज यही नाम सर्वाधिक लोकप्रिय एवं प्रचलित है। मंदिर में नियमित रूप से सात आरतियाँ होती है। मंदिर सभागार के ऊपर दक्षिण भारतीय शैली में गोपुरम बना हुआ है, जिसमें भगवान विष्णु की विशाल प्रतिमा गरूड़ पर विराजमान है। दोनों ओर भगवान के पार्षद जय-विजय की मूर्तियाँ है। भगवान के आयुध शंख और चक्र मूर्तिरुप में दायें-बायें उपस्थित है। मंदिर की बाहरी दीवारों पर बनाये गये भित्तिचित्र बाबा की लीलाओं को प्रदर्शित करते हैं। इस विशाल मंदिर का कलात्मक शिल्प, मनोहारी दृश्य एवं आध्यात्मिक वातावरण ब्रह्मानंद की अनुभूति कराता है।

इस देवस्थान के प्रति लोगों की श्रद्धा दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। देश के कोने- कोने से भक्तगण बाबा के दरबार में आते है और अपनी श्रद्धा व भक्ति से बाबा की आराधना करते हैं।

यह भक्तों की श्रद्धा व विश्वास का ही फल है कि उनकी सभी मनोकामनायें बाबा के दरबार में अवश्य पूरी होती है। प्रथम तो बाबा की चित्ताकर्षक प्रतिमा के दर्शन से ही श्रद्धालुओं के सारे आन्तरिक क्लेष स्वतः ही नष्ट हो जाते है एवं जो दिव्यानुभूति होती है, उससे जीवन में नई शक्ति का संचार होता है। यह सब स्वयं अनुभव करके ही जाना जा सकता है। इस वर्ष मंदिर को बाबा गंगाराम धाम, श्री पंचदेव मंदिर को बने 50 वर्ष पूरे हो गए है जिसे देश भर में विभिन्न माजिक कार्य्रकर्मों तथा भजन संध्या के माध्यम से स्वर्ण जयंती वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

इन 5 लोगों को कभी नहीं काटता सांप

सांप का नाम सुनते ही लोगों के मन में डर समा जाता है। जहर से भरे फन वाले इस जीव से हर कोई बचना चाहता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ खास तरह के लोगों को सांप कभी नुकसान नहीं पहुंचाते? विभिन्न धार्मिक, तांत्रिक और ज्योतिषीय परंपराओं में कुछ विशेष व्यक्तियों को सांप (नाग) नहीं काटते या उनका विष उन पर प्रभाव नहीं डालता। साथ ही ये व्यक्ति हमेशा सर्पदंश भय से भी मुक्त रहते हैं। तो कौन हैं ये लोग जिनसे सांप भी डरते हैं और क्यों उनके आस-पास जाते ही ये

विषधर शांत हो जाते हैं?

ऐसे लोगों की शिवजी करते हैं रक्षा शिवजी को नागों का स्वामी कहा जाता है और उनके गले में वासुकि नाग का वास होता है। मान्यता है कि जो व्यक्ति भक्ति भाव से शिवजी की पूजा करता है और शिव तांडव स्त्रोत या महामृत्युंजय मंत्र जप करता है। साथ ही प्रदोष तिथि या शिवरात्रि के मौके पर रुद्राभिषेक करता है तो उनको सांप कभी नहीं काटते। कहते हैं, जिस पर भोलेनाथ की कृपा हो, उसकी नाग भी रक्षा करते हैं। महामृत्युंजय मंत्र का प्रभाव नागदोष और विष से रक्षा करता है।

कुंडली में ग्रहों की विशेष स्थिति

ज्योतिषाचार्य के अनुसार, कुछ लोगों की कुंडली में विशेष ग्रह स्थिति होती है, जिसे कालसर्प दोष कहते हैं। माना जाता है कि जिनकी कुंडली में यह दोष नहीं होता, उन्हें सर्पदंश का भय भी नहीं होता है। हालांकि यह पूरी तरह धार्मिक विश्वास पर आधारित है। जब किसी व्यक्ति की जन्म कुंडली में सभी 7 मुख्य ग्रह—सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र और शनि—राहु और केतु के बीच में आ जाएं, तो उस योग को कालसर्प दोष कहा जाता है।

नाग पंचमी पर पूजा अर्चना करने वाले

नाग पंचमी पर जो लोग नाग देवता की पूजा, दूध अर्पण और व्रत करते हैं, उनको सर्पदंश का भय नहीं रहता। मान्यता है कि नाग पंचमी की पूजा करने वालों को नाग देवता का आशीर्वाद मिलता है और सांप जीवनभर उन्हें नुकसान नहीं पहुंचाते। वहीं गरुड़ पुराण व अन्य ग्रंथों में कहा गया है कि जो व्यक्ति पूर्व जन्म में नागों की सेवा, पूजा या रक्षा करता है उसे इस जन्म में नाग नहीं काटते।

गोरखनाथजी की सेवा करने वाले

गोरखनाथजी और सांप का संबंध अत्यंत रहस्यमयी, आध्यात्मिक और योगिक शक्ति से जुड़ा हुआ है। नाथ संप्रदाय की परंपराओं और लोककथाओं में गोरखनाथ जी को नागों के स्वामी, वशकर्ता और रक्षक के रूप में माना जाता है।

निर्जला एकादशी पर बुध-गुरु की युति के साथ कई दुर्लभ संयोग

निर्जला एकादशी को सबसे शक्तिशाली एकादशी माना जाता है और इस दिन भक्त 24 घंटे का सख्त उपवास रखते हैं इस पवित्र दिन पर बुध ग्रह मिथुन राशि में गोचर करने वाले हैं, जहां पहले से ही गुरु ग्रह विराजमान हैं साथ ही इस दिन शनिदेव भी उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के दूसरे चरण में प्रवेश करने वाले हैं, जिससे 5 राशियों को बंपर लाभ होने के योग बन रहे हैं आइए जानते हैं निर्जला एकादशी पर बन रहे दुर्लभ संयोग से किन किन राशियों को फायदा होगा।

6 जून दिन शुक्रवार को निर्जला एकादशी का व्रत किया जाएगा निर्जला एकादशी का व्रत सभी एकादशियों में सबसे कठिन माना जाता है क्योंकि इस व्रत में द्वादशी तिथि तक एक बूंद पानी तक नहीं पीते ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, निर्जला एकादशी के दिन कई दुर्लभ संयोग बन रहे हैं, इस दिन बुध अपनी ही राशि मिथुन में गोचर करने वाले हैं, जिससे भद्र राजयोग का निर्माण होगा साथ ही इस दिन मिथुन राशि में बुध और बृहस्पति ग्रह की युति भी बन रही है वहीं शनि भी अपने ही नक्षत्र उत्तरा भाद्रपद के दूसरे चरण में प्रवेश करने वाले हैं ग्रह-नक्षत्र के अलावा निर्जला एकादशी के दिन रवि नामक शुभ योग भी बन रहा है, जो मिथुन, तुला समेत 5 राशियों के लिए बेहद फायदेमंद रहने वाला है इन राशियों पर भगवान विष्णु की पूरी कृपा रहेगी और सभी कार्य आसानी से पूरे भी होंगे आइए जानते हैं निर्जला एकादशी पर ग्रहों और शुभ योग के प्रभाव से किन किन राशियों का गोल्डन टाइम शुरू होने वाला है

निर्जला एकादशी 2025 मिथुन राशि वालों के लिए कई लाभ लेकर आएगी इस शुभ दिन पर ग्रहों और सितारों की स्थिति आपके पक्ष में रहने वाली है मिथुन राशि वाले करियर के क्षेत्र में बड़ी सफलता प्राप्त कर सकते हैं और आपकी मेहनत के कारण प्रमोशन के भी मौके भी मिलेंगे पारिवारिक जीवन में शांति रहेगी और आपको जीवनसाथी के साथ अच्छा समय व्यतीत करने का मौका भी मिलेगा पुराने और लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए आपको माता-पिता का समर्थन मिलेगा और इस अवधि में आपका घर या वाहन खरीदने का पुराना सपना पूरा हो सकता है।

निर्जला एकादशी 2025 सिंह राशि वालों के लिए कल्याणकारी रहने वाली है ग्रहों और शुभ योग के प्रभाव से सिंह राशि वालों में बुद्धि, ज्ञान और समझदारी की बढ़ोतरी होगी, जिससे आप कई महत्वपूर्ण कार्य आसानी से कर पाएंगे आपके द्वारा किए गए कार्यों की हर जगह चर्चा होगी और समाज में आप एक उभरते हुए सितारे के रूप में पहचान बनाएंगे बच्चों की शिक्षा और सेहत की चिंता भगवान विष्णु की कृपा से दूर होगी और हर कार्य को समय पर पूरा कर पाने की स्थिति में भी होंगे वैवाहिक जीवन की बात करें तो जीवनसाथी के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे और साथ मिलकर किसी संपत्ति की खरीदारी भी कर सकते हैं।

निर्जला एकादशी 2025 वृश्चिक राशि वालों के लिए बेहद शुभ फलदायी रहने वाली है इस दिन बन रहे ग्रहों और नक्षत्रों का शुभ प्रभाव आपको कई लाभ प्राप्त कर वाएगा अगर आपने पहले कर्ज लिया हुआ है तो आपको धन प्राप्ति के मौके मिलेंगे, जिससे आप आसानी से कर्ज चुका पाने की स्थिति में होंगे भगवान विष्णु की कृपा से वृश्चिक राशि वालों की वाणी में मधुरता देखने को मिलेगी, जिससे सभी आपकी बातों से काफी प्रभावित होंगे और आपसे सलाह भी मांगेगे इस राशि के जो छात्र सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं, उनकी इच्छा जल्द पूरी हो सकती है

निर्जला एकादशी 2025 मकर राशि वालों के जीवन में कई लाभ लेकर आएगी इस समय ग्रहों और शुभ योग के प्रभाव से मकर राशि वालों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और अच्छे मुनाफे कमाने के प्रबल अवसर होंगे आपका बैंक बैलेंस मजबूत होगा और आप विभिन्न परियोजनाओं में भाग ले सकते हैं मकर राशि वालों के खर्चे नियंत्रण में रहेंगे और भविष्य के लिए अच्छी बचत कर पाएंगे आपको अपने बच्चों की ओर से भी कुछ अच्छी खबर मिल सकती है भगवान विष्णु की कृपा से मकर राशि वालों की समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी और कर्मचारियों द्वारा आपके कार्य प्रयासों की सराहना की जाएगी।

निर्जला एकादशी 2025 मीन राशि वालों के लिए कई खास अवसर लेकर आ रही है इस समय भगवान विष्णु की कृपा से मीन राशि वालों को करियर में बड़ी छलांग लगाने के मौके मिल सकते हैं नौकरी पेशा जातकों को अधिकारियों का पूरा साथ मिलेगा और अपने टारगेट आसानी से पूरे कर पाएंगे साथ ही आपका अच्छा अप्रैजल हो सकता है और सैलरी में भी वृद्धि होने के योग बन रहे हैं इस राशि के अविवाहित लोगों को अच्छे विवाह प्रस्ताव मिल सकते हैं और रिश्तों में मिठास बनी रहेगी मीन राशि वालों का सामाजिक दायरा मजबूत होगा आपको किसी बड़ी स्वास्थ्य समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा और आप व्यायाम और आहार दिनचर्या के साथ उच्च स्तर की फिटनेस बनाए रख सकते हैं।

निर्जला एकादशी पर पानी पीना चाहिए या नहीं?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, निर्जला एकादशी के दिन संयम और नियमपूर्वक व्रत रखकर भगवान विष्णु की पूजा करने से पाप मिटते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है जो व्यक्ति अपने पूरे जीवन में कोई व्रत नहीं रखता है, उसके एक बार निर्जला एकादशी का व्रत अन्न और जल का त्याग करके करना चाहिए इससे उसे जीवन के अंत में स्वर्ग की प्राप्ति होगी।

निर्जला एकादशी में केवल 2 बार करते हैं जल का उपयोग

भीमसेन ने महर्षि वेद व्यास से निर्जला एकादशी के व्रत के बारे में पूछा था इस पर उन्होंने बताया था कि इस व्रत में जल ग्रहण नहीं करते हैं लेकिन निर्जला एकादशी के व्रत में केवल 2 बार जल का उपयोग करने की अनुमति है जब आप निर्जला एकादशी को ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करेंगे, तब पहली बार जल का उपयोग करेंगे फिर उसके बाद जब आप निर्जला एकादशी व्रत के संकल्प के लिए आचमन करेंगे, तब दूसरी बार जल का उपयोग करेंगे स्नान और आचमन के अलावा जल का उपयोग नहीं करते हैं।

वेद व्यास जी ने भीमसेन को बताया था कि निर्जला एकादशी व्रत में आचमन के लिए छः मासे से ज्यादा पानी नहीं होना चाहिए इस दिन अन्न, फल, जूस आदि भी वर्जित होता है यदि आप इन वस्तुओं का सेवन करते हैं तो निर्जला एकादशी का व्रत टूट जाएगा।

निर्जला एकादशी में कब पिएं पानी?

निर्जला व्रत में अक्सर लोग दूसरे दिन सूर्योदय के बाद पानी पी लेते हैं लेकिन निर्जला एकादशी के व्रत में ऐसा करने से आपका व्रत भंग हो जाएगा क्योंकि हरि वासर के समापन के बाद ही एकादशी व्रत में कुछ भी ग्रहण कर सकते हैं इस साल निर्जला एकादशी के हरि वासर का समापन 7 जून को 11:25 ए एम पर होगा।

ऐसे में जो लोग 6 जून को निर्जला एकादशी का व्रत रखेंगे, वे 7 जून को 11:25 ए एम के बाद पानी पी सकते हैं उससे पहले पानी पीने पर आपका व्रत टूट जाएगा इस वजह से ऐसी गलती न करें जिनको पारण के समय पानी पीना है, वे 7 जून को दोपहर 01:44 बजे के बाद पानी पी सकते हैं गृहस्थों के लिए पारण का समय दोपहर में 01:44 पी एम से 04:31 पी एम के बीच है जो लोग 7 जून को निर्जला एकादशी वैष्णव व्रत रखेंगे, वे 8 जून को सूर्योदय के बाद पानी पी सकते हैं क्योंकि हरि वासर का समापन 7 जून को ही हो गया रहेगा 8 जून को सूर्योदय का समय 05:23 ए एम पर है वैष्णव के पारण का समय 05:23 ए एम से 07:17 ए एम के बीच है द्वादशी तिथि का समापन 07:17 ए एम पर होगा द्वादशी तिथि के समापन से पहले पारण कर लेना चाहिए।

'माफी मांगो, फिर बात करेंगे', कमल हासन से 'ठग लाइफ' रिलीज पर बोला कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स

कमल हासन की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'ठग लाइफ' रिलीज के लिए तैयार है. लेकिन रिलीज से पहले एक्टर और राजनेता कमल हासन अपने एक बयान के कारण विवादों में घिर गए हैं. 'कन्नड़ भाषा तमिल से पैदा हुई है' कमल हासन का ये कहना और कर्नाटक में तूफान खड़ा हो गया है. उनकी अपकमिंग फिल्म 'थग लाइफ' (5 जून को रिलीज) के प्रचार के दौरान दिए गए इस बयान के खिलाफ कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स ने सख्त रुख अपनाया है. कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स का कहना है कि वह बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन कमल हासन को माफी मांगनी होगी.

कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष एम नरसिम्हालु ने कहा, 'हम बातचीत के लिए तैयार हैं अगर कमल हासन की टीम हमारे पास आती है. उन्हें हमारे पास आना चाहिए. उन्होंने हमें बहुत आहत किया है.' उन्होंने कहा, 'लेकिन माफी की जरूरत है. उन्होंने अपने बयान से देशभर के हर कन्नड़िगा को आहत किया है.'

हाई कोर्ट का इस मुद्दे पर सख्त रुख 'बिल्कुल सही'

नरसिम्हालु ने कहा कि कर्नाटक हाई कोर्ट का इस मुद्दे पर सख्त रुख 'बिल्कुल सही' था और कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स पूरी तरह से हाई कोर्ट की टिप्पणियों का समर्थन करता है. अगर हम कर्नाटक के लोगों के साथ नहीं खड़े होते, तो वे हमें कभी माफ नहीं करते. नरसिम्हालु की ये प्रतिक्रिया कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स की एक हाई लेवल मीटिंग के आई, जिसमें नामी इंडस्ट्री स्टेकोल्डर्स ने हिस्सा लिया.

कन्नड़ फिल्म समुदाय के कई आवाजें कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स से इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाने की मांग कर रही हैं, खासकर पिछले विवादों की तुलना में, जिसमें थिएटरों में कन्नड़ फिल्मों को प्राथमिकता देने और कन्नड़ फिल्मों के टिकटिंग के मुद्दे शामिल थे. प्रसिद्ध कन्नड़ फिल्म निर्माता टी नागभारणा ने कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स को सलाह दी, 'फिल्म चैंबर को एक 'रीढ़ की हड्डी' विकसित करने की जरूरत है, जो कन्नड़ भाषा का पूरी तरह से समर्थन करती है.' उन्होंने महसूस किया कि भले ही मामला कोर्ट में है और कमल हासन ने कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स को लिखा है. उन्होंने कहा- रुख यह होना चाहिए कि फिल्म पर प्रतिबंध लगाया जाए.

सबक सिखाया जाना चाहिए

नागभारणा ने कहा, वे कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ता प्राधिकरण के नियमों द्वारा संचालित होते हैं, लेकिन उन्हें उनकी फिल्म पर प्रतिबंध लगाकर एक उदाहरण स्थापित करना चाहिए. अगर कमल हासन का बयान अचानक दिया गया था और कुछ असत्य के लिए माफी मांगी गई थी, तो लोग उन्हें माफ कर देते. जो बाद में हुआ और जो अहंकार हम देख रहे हैं. उन्होंने आगे कहा, अब एक सबक सिखाया जाना चाहिए.

स्कूल के दिनों से की मॉडलिंग, 61 फिल्मों में किया काम, विद्या बालन की बहन है प्रियामणी

साउथ से लेकर बॉलीवुड तक में एक्टिंग का लोहा मनवा चुकीं एक्ट्रेस प्रियामणि आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। आज वो ना केवल साउथ में बल्कि नॉर्थ में भी अपनी पहचान बना चुकी हैं। एक्टिंग के साथ ही अपने लुक्स की वजह से भी अक्सर लाइमलाइट में रहती हैं। वह 41 साल की हैं और इस उम्र में भी अपनी खूबसूरती और फिटनेस से सुर्खियां बटोर लेती हैं। दरअसल, 'द फैमिली मैन' एक्ट्रेस प्रियामणि आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर आपको उनके बारे में बता रहे हैं।

4 जून 1984 को बैंगलोर में जन्मीं प्रियामणि को पहली बार हिंदी फिल्म में मणिरत्नम की फिल्म 'रावण' में देखा गया था। फिल्म फ्लॉप रही थी और इससे एक्ट्रेस को खास पहचान नहीं मिल पाई थी। वहीं, 2013 में उन्होंने फिर से बॉलीवुड का रुख किया। इस बार वो 'चेन्नई एक्सप्रेस' के जरिए बड़े पर्दे पर नजर आईं। इसमें उन्होंने शाहरुख खान के साथ एक गाना 'वन टू थ्री फॉर' किया था। इ स में उ न की परफॉर्मेंस को काफी पसंद किया गया। मगर यहां भी वह सफलता का खास स्वाद नहीं चख पाईं।

प्रियामणि को हिंदी बेल्ट में उनके करियर को ऊंचाई तक पहुंचाने का काम मनोज बाजपेयी की वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' ने किया था। इस सीरीज के दो पार्ट रिलीज हुए हैं। इसे आप ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। सीरीज में वो मनोज की पत्नी की भूमिका में थीं और ये हिट रही थी। सीरीज के हिट होने के साथ ही प्रियामणि का हिंदी बेल्ट में करियर भी चल पड़ा।

स्कूल के दिनों से की मॉडलिंग, 18 की उम्र में फिल्मों में मारी एंट्री

प्रियामणि के शुरुआती करियर की बात की जाए तो उन्होंने महज 18 साल की उम्र में एक्टिंग में डेब्यू किया था लेकिन, उससे पहले एक्ट्रेस मॉडलिंग किया करती थीं। वह स्कूल के दिनों से ही मॉडलिंग करती थीं। वह अक्सर सिल्क साड़ियों के लिए मॉडलिंग करती थीं। डस्टी कलर के साथ देसी अटायर में वो हमेशा से ही लाइमलाइट चुरा लेती थीं। मॉडलिंग के बाद उन्होंने फिल्मों करियर की शुरुआत की। साल 2003 में उनकी पहली तेलुगु फिल्म 'एवारे अटागाडू' रिलीज हुई थी। फिल्मी सफर उनका आसान नहीं था। डस्टी कलर होने की वजह से उन्हें रिजेक्शन भी सामना करना पड़ा था।

साल 2007 में प्रियामणि की किस्मत तब बदली जब उनकी फिल्म 'पारुतीवीरन' रिलीज हुई और वो पर्दे पर सुपरहिट हो गई। इस फिल्म की वजह से ना केवल साउथ में पहचान बल्कि वह राष्ट्रीय पुस्कार के लिए नॉमिनेट भी हुईं। हालांकि, वह इसे जीत नहीं पाईं लेकिन उन्हें इसके अलावा तीन और पुरस्कारों से नवाजा गया। जिंदगी में रही तमाम चुनौतियों और रिजेक्शन के बाद भी उन्होंने कभी ना तो हार मानी ना ही पीछे मुड़कर देखा और देखते ही देखते 61 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं। इसमें शाहरुख खान की 'जवान' और अजय देवगन की 'मैदान' जैसी फिल्में शामिल हैं। प्रियामणि को बेहतरीन एक्टिंग के लिए 2006 में बेस्ट एक्ट्रेस के नेशनल अवॉर्ड से भी नवाजा जा चुका है।

विद्या बालन की बहन हैं प्रियामणि

इसके अलावा प्रियामणि के बारे में बहुत कम ही लोग जानते होंगे कि वह बॉलीवुड एक्ट्रेस विद्या बालन की कजिन हैं। लेकिन, विद्या और प्रिया की फैमिली टच में नहीं रहतीं जिस वजह से कभी दोनों की मुलाकात नहीं हुई। इता ही नहीं, प्रियामणि के बारे में बात की जाए तो उनको 6 भाषाओं का ज्ञान है। फिल्मों के साथ ही वह साउथ के कई डांस शो में बतौर जज भी नजर आ जाती हैं। वहीं, अब उनके वर्कफ्रंट पर नजर डालें तो वह इन दिनों 'गुड वाइफ' को लेकर चर्चा में हैं। इसे जल्द ही जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया जाएगा।

विराट को लंबे अरसे बाद आईपीएल खिताब जीतने पर धनश्री ने दी बधाई, नहीं लिखा चहल के लिए कोई संदेश

3 जून की रात रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के नाम रही। आईपीएल 2025 के फाइनल में विराट कोहली की टीम आरसीबी ने पंजाब किंग्स की टीम को हराकर 18 साल बाद आईपीएल का पहला खिताब जीता। अरसों बाद विराट के हाथों आई इस ट्रॉफी के लिए मनोरंजन जगत के कई सितारे विराट को बधाई दे रहे हैं। इसी कड़ी में अब अभिनेत्री और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा, जो भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की पूर्व पत्नी हैं ने भी विराट कोहली को बधाई दी है। लेकिन चहल के लिए नहीं लिखा कोई संदेश।

आखिरकार जीत मिल गई

एक्ट्रेस और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा ने बुधवार की सुबह अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी लगाई। इसमें उन्होंने भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली की एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वो अपने हाथों में

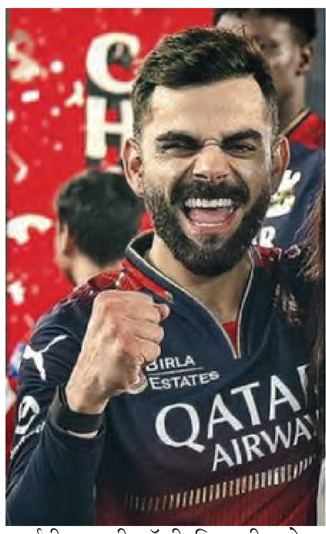

आईपीएल की ट्रॉफी लिए टीम के साथ ग्राउंड पर जश्न मना रहे हैं। इसके साथ अभिनेत्री ने कैप्शन दिया कि आखिरकार नंबर 18 यानी विराट कोहली ने ये ट्रॉफी जीत ली। बधाई विराट और उनकी टीम को।

धनश्री का क्रिकेट से रहा है गहरा नाता

विराट कोहली की टीम ने जिस टीम को हराया है उसका नाम पंजाब किंग्स है। इस टीम में कोरियोग्राफर धनश्री के पूर्व पति क्रिकेटर युजवेंद्र चहल भी हिस्सा हैं। वहीं आपको बताते चलें कि युजवेंद्र चहल साल 2014 से 2021 तक आरसीबी टीम का ही हिस्सा थे। हालांकि, चहल के साथ लंबे समय तक रहने के बाद भी धनश्री ने उन्हें और उनकी टीम पंजाब किंग्स को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

धनश्री के बारे में

चहल और धनश्री ने दिसंबर 2020 में शादी की थी, लेकिन रिश्तों में कड़वाहट की वजह से साल 2025 में दोनों आधिकारिक रूप से अलग हो गए थे। इस समय कोरियोग्राफर और एक्ट्रेस अपने कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। हाल ही में उन्हें राजकुमार राव और वामिका गब्बी अभिनीत फिल्म 'भूल चूक माफ' में एक आइटम सॉन्ग 'टिंग लिंग सजना' में देखा गया है।

अपनी टीम पंजाब किंग्स की हार पर दुखी नजर आईं प्रीति जिंटा, फिर भी श्रेयस अय्यर की पीठ थपथपाई

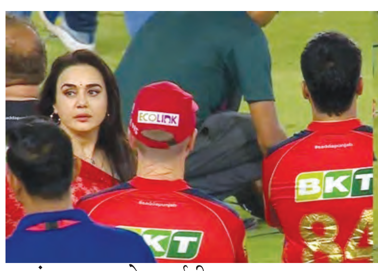

मंगलवार को आईपीएल का फाइनल मैच पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स के बीच हुआ। इसमें प्रीति की टीम पंजाब किंग्स हार गई। इस हार से दुखी प्रीति के रिएक्शन सोशल मीडिया पर नजर आए। मायूस होने के बावजूद वह अपनी टीम को, कैप्टन श्रेयस अय्यर को सपोर्ट करती नजर आईं।

श्रेयस अय्यर का बढ़ाया हौसला

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल है। जिसमें एक तरफ विराट कोहली जीत का जश्न मना रहे हैं।वहीं श्रेयस अय्यर मायूस खड़े हैं। तभी प्रीति जिंटा आती हैं और उनकी पीठ थपथपाती हैं। इसके बाद बाकी टीम मेंबर्स से बात करती हैं।

प्रीति के फैंस नजर आए मायूस

कई फैंस से प्रीति जिंटा को यूं दुखी नहीं देखा जा रहा है। एक फैन लिखता है, 'आप बधाई की पात्र है, आपके पास भी ट्रॉफी आएगी।' वहीं एक अन्य यूजर्स ने लिखा, 'सबको सबकुछ नहीं मिलता।' एक यूजर लिखता है, 'विराट और आरसीबी समर्थकों से माफी मांगता हूं। दिन के पिघलते हुए हिस्से को ध्यान में रखते हुए, मैं अपना सपोर्ट प्रीति जिंटा को देने की घोषणा करता हूं।'

प्रीति जिंटा का करियर फ्रंट

आईपीएल से हटकर प्रीति जिंटा के करियर फ्रंट की बात करें तो वह अब भी फिल्मों में नजर आती हैं। साल 2018 में फिल्म 'भैया जी सुपरहिट' में नजर आईं। इस साल 'लाहौर 1947' में नजर आएंगी। इस फिल्म में सनी देओल भी एक अहम किरदार निभा रहे हैं। सनी देओल के साथ वह पहले भी कई फिल्में कर चुकी हैं।

अनन्या पांडे ने बॉलीवुड के इस दिग्गज एक्टर को बताया दूसरा पिता, बोलीं- 'उनके जैसा कोई नहीं'

अभिनेत्री अनन्या पांडे बॉलीवुड के किंग खान और उनके परिवार के काफी करीब हैं। हाल ही में उन्होंने अभिनेता शाहरुख खान की तारीफ की और कहा कि वो बहुत ही बेहतरीन इंसान हैं। साथ ही बताया कि अभिनेता अभी भी उनके करियर को लेकर सवाल करते हैं।

शाहरुख खान रखते हैं ख्याल

एक्ट्रेस अनन्या पांडे एक इंटरव्यू में अभिनेता शाहरुख खान को लेकर बातचीत की। उन्होंने कहा, 'वह हम सभी को हमारे खेल दिवस और ताइक्वांडो प्रतियोगिताओं के लिए सिखाया करते थे। वह हमारे जिंदगी के सारे पहलुओं में शामिल रहे हैं। अभी भी वह जानना चाहते हैं कि हम क्या कर रहे हैं और वह बहुत हद तक हमारे जीवन में शामिल रहते हैं। साथ ही, जब वह आपसे बात करते हैं, तो उनमें यह गुण है कि वह आपको यह एहसास दिलाते हैं कि आप दुनिया के एक बहुत ही खास व्यक्ति हैं। मुझे लगता है उनके जैसा कोई नहीं है।'

शाहरुख खान को बताया दूसरा पिता

अभिनेत्री अनन्या पांडे को अक्सर अभिनेता शाहरुख खान के परिवार के एक बहुत ही करीबी सदस्य के रूप में देखा जाता है। साक्षात्कार के दौरान आगे बातचीत में एक्ट्रेस ने कहा, 'शाहरुख मेरे दूसरे पिता की तरह हैं। वह मेरे सबसे अच्छे दोस्त के पिता हैं, इसलिए हम सभी आईपीएल मैच देखने उनके साथ जाते थे। इंडस्ट्री में सिर्फ सुहाना (शाहरुख खान की बेटी) और शनाया (संजय कपूर की बेटी) ही मेरी सबसे करीबी दोस्त हैं और हम सब कुछ शेयर करते हैं।'

अनन्या पांडे का वर्कफ्रंट

अनन्या पांडे के करियर फ्रंट की बात करें तो उन्होंने साल 2019 में बॉलीवुड में डेब्यू किया था। वहीं अभिनेत्री को हाल ही में फिल्म 'केसरी 2' में देखा गया था, जिसमें उन्होंने दिलरीत गिल की भूमिका निभाई थी, जो एक वकील रहती हैं। इसके अलावा पिछले साल एक्ट्रेस एक सीरीज 'कॉल मी बे' में भी नजर आईं थीं।

कार्तिक संग डोल रहीं श्रीलीला को साउथ में झटका दो फिल्मों पर अब मीनाक्षी का कब्जा

दक्षिण भारतीय सिनेमा में इन दिनों मीनाक्षी चौधरी का जलवा साफ दिख रहा है। 'लकी भास्कर' में दुलकर सलमान के साथ और 'द ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम्स' में विजय के साथ अपने प्रभावशाली अभिनय से पहचान बना चुकी मीनाक्षी साउथ सिनेमा के निर्देशकों की पहली पसंद अरसे से रही हैं। लेकिन, बैक टू बैक दो फिल्मों में उन्हें जब से श्रीलीला की जगह कास्ट किया गया है, इस कास्टिंग कू की हलचल मुंबई तक चर्चा का विषय बन रही है।

एक समय था जब दक्षिण भारतीय फिल्म जगत में श्रीलीला का जादू सिर चढ़कर बोल रहा था, खासकर 'किस्सिक' जैसे हिट गीतों के चलते। लेकिन अब उसी स्पॉटलाइट में मीनाक्षी चौधरी की दमदार मौजूदगी नजर आ रही है। मीनाक्षी ने हाल ही में श्रीलीला को दो बड़ी फिल्मों से रिप्लेस किया है, और यह कोई संयोग नहीं बल्कि उनके बढ़ते प्रभाव का परिचायक है।

पहली फिल्म है निर्देशक कार्तिक डंडू की अगली फिल्म जिसमें मीनाक्षी को नागा चैतन्य के साथ मुख्य भूमिका में लिया गया है। बताया जा रहा है कि 'ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम' में उनके शानदार अभिनय को देखकर ही निर्माता-निर्देशक उन्हें पहली पसंद मान रहे थे। आखिरकार, वही हुआ। मीनाक्षी को इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की मुख्य अभिनेत्री के तौर पर फाइनल कर लिया गया।

दूसरी फिल्म है 'अनगनागा ओका राजू', जिसमें पहले श्रीलीला को नवीन पोलीशेट्टी के साथ कास्ट किया गया था। टीज़र रिलीज होने के बाद भी फिल्म कुछ समय के लिए ठंडे बस्ते में चली गई थी, वजह बनीं श्रीलीला की डेट्स की परेशानी। इस मौके का लाभ उठाते हुए, मीनाक्षी ने न केवल फिल्म में जगह बनाई, बल्कि नए टीजर में उनकी और नवीन की ताजगी से भरी कैमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया।

सूत्रों की मानें तो तेलुगु और तमिल फिल्म जगत के साथ साथ हिंदी सिनेमा की भी 2026 में रिलीज होने वाली कई बड़ी परियोजनाओं के लिए मीनाक्षी पर गंभीरता से विचार

किया जा रहा है। श्रीलीला भले इन दिनों टी सीरीज की अनाम फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ काम कर रही हों, लेकिन प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों की मानें तो उनकी शोहरत और उनकी काबिलियत में संतुलन बनता दिख नहीं रहा। श्रीलीला का नाम पहले फिल्म'स्पिरिट' के लिए भी चला था लेकिन तृप्ति डिमरी ने वहां बाजी मार ली।

शरीर में है विटामिन बी-12 की कमी? सप्लीमेंट के बजाय डाइट में शामिल करें ये चीजें

विटामिन बी-12 हमारे शरीर के लिए सबसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों में से एक है, जो लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण और तंत्रिका तंत्र के स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसकी कमी से थकान, कमजोरी, भूलने की बीमारी, और गंभीर मामलों में एनीमिया जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई लोग विटामिन बी-12 की कमी को पूरा करने के लिए सप्लीमेंट का सहारा लेते हैं, लेकिन संतुलित आहार के जरिए इसकी पूर्ति संभव है। केला, चना, अंडे और डेयरी उत्पाद जैसे खाद्य पदार्थ विटामिन बी-12 की कमी को प्राकृतिक रूप से दूर करने में मददगार हैं। आइए जानें इनके फायदे और इन्हें डाइट में कैसे शामिल करें।

विटामिन बी-12 का महत्व

विटामिन बी-12, जिसे कोबालमिन भी कहा जाता है, मुख्य रूप से पशु-आधारित खाद्य पदार्थों में पाया जाता है। शाकाहारी लोगों में इसकी कमी की संभावना अधिक होती है, क्योंकि पौधों में यह स्वाभाविक रूप से कम होता है। इसकी कमी से थकान, कमजोरी, सुन्न होने, चलने में परेशानी, मतली आने, वजन कम होना, चिड़चिड़ापन, और एकाग्रता में कमी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों में इसकी कमी गंभीर हो सकती है। ऐसे डाइट में विटामिन बी-12 युक्त खाद्य पदार्थ शामिल करना आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है।

1. केला

केला न केवल ऊर्जा का त्वरित स्रोत है, बल्कि यह विटामिन बी-12 के अवशोषण में भी मदद करता है। हालांकि केले में सीधे तौर पर विटामिन बी-12 नहीं होता, लेकिन यह अन्य विटामिन्स और खनिजों के साथ मिलकर शरीर में इसकी कमी को संतुलित करने में सहायक है। रोजाना 1-2 केले खाने से पाचन तंत्र मजबूत होता है, जो विटामिन बी-12 के अवशोषण को बढ़ाता है।

2. चना

चना प्रोटीन और फाइबर का उत्कृष्ट स्रोत है। कुछ अध्ययनों के अनुसार, किण्वित (फर्मेंटेड) चने में विटामिन बी-12 की मात्रा बढ़ सकती है। शाकाहारी लोग भुना हुआ चना, चने की सब्जी या चने का सूप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह पाचन को बेहतर बनाता है और विटामिन बी-12 की कमी को पूरा करने में सहायता करता है।

3. अंडे

अंडे विटामिन बी-12 का शानदार स्रोत हैं। एक अंडे में लगभग 0.6 माइक्रोग्राम विटामिन बी-12 होता है, जो दैनिक आवश्यकता का हिस्सा पूरा करता है। उबले अंडे, आमलेट या स्क्रैम्बल्ड एग्स को नाश्ते में शामिल करें। अंडे प्रोटीन और अन्य पोषक तत्वों से भी भरपूर होते हैं, जो समग्र स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं।

4. डेयरी उत्पाद

दूध, दही, पनीर और छाछ जैसे डेयरी उत्पाद विटामिन बी-12 का प्राकृतिक स्रोत हैं। एक गिलास दूध में लगभग 1.2 माइक्रोग्राम विटामिन बी-12 होता है। शाकाहारी लोग रोजाना दूध या दही का सेवन कर सकते हैं। पनीर सलाद या सब्जियों के साथ भी लिया जा सकता है। डेयरी उत्पाद हड्डियों और तंत्रिका तंत्र को मजबूत करते हैं।

कैसे करें डाइट में शामिल?

सुबह के नाश्ते में उबले अंडे या दही के साथ केला खाएं। दोपहर में चने की सब्जी या सलाद और रात में एक गिलास दूध पिएं। शाकाहारी लोग किण्वित चने या दही पर अधिक ध्यान दें।

अगर HbA1c पहुंच गया है 8.1 तो रेड जोन में है शुगर बढ़ जाएगा ऑर्गन फेल्योर का खतरा!

डायबिटीज एक ऐसा मेटाबॉलिक बीमारी है जिसे सिर्फ कंट्रोल किया जा सकता है। इस बीमारी को कंट्रोल करने के लिए ब्लड शुगर की रेगुलर मॉनिटरिंग करना, दवाओं का सेवन करना, बॉडी को एक्टिव रखना, डाइट का ध्यान रखना और तनाव को कंट्रोल करना जरूरी है। डायबिटीज मरीजों के लिए शुगर कंट्रोल करने के उपाय अगर नहीं अपना जाएं तो दिन प्रतिदिन ब्लड शुगर का स्तर बढ़ता रहता है और शरीर कई गंभीर बीमारियों के लिए अधिक संवेदनशील हो जाता है।

डायबिटीज मरीजों को ब्लड शुगर की निगरानी करने के लिए HbA1c टेस्ट कराना जरूरी है। HbA1c टेस्ट पिछले तीन महीने में ब्लड शुगर के बढ़ने और घटने की जानकारी देता है। जब पिछले 2-3 महीनों में ब्लड शुगर कंट्रोल नहीं रहता तो हाई HbA1c कहा जाता है।

जिन लोगों की HbA1c रिपोर्ट 8.1% या उससे ज्यादा होती है लोगों की HbA1c रिपोर्ट हाई है वो तुरंत अपने लाइफस्टाइल और खानपान में बदलाव करें। एक्सपर्ट ने बताया हाई HbA1c टेस्ट यह बताता है कि आपकी शुगर आउट ऑफ कंट्रोल है।

हाई ब्लड शुगर नसों को नुकसान पहुंचा सकती है, इससे न्यूरोपैथी समस्या हो सकती है। हाई ब्लड शुगर आंखों के लिए भी खतरा है। हाई ब्लड शुगर दिल और किडनी को नुकसान पहुंचा सकती है। आइए एक्सपर्ट से जानते हैं कि ब्लड शुगर को नॉर्मल करने के लिए क्या उपाय अपनाएं।

सफेद चावल ज़हर हैं

अगर ब्लड शुगर का स्तर पिछले तीन महीने में हाई रहा है तो आप तुरंत अपनी डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव करें। डाइट में बहुत ज्यादा चावल का सेवन करने से परहेज करें। सफेद चावल यानी हाई कार्ब्स का सेवन जो ब्लड में शुगर के स्तर को तेजी से स्पाइक करता है। सफेद चावल

HbA1c (%)	स्थिति
5.7–6.4%	प्री-डायबिटीज़
6.5%–7.0%	डायबिटीज़ की शुरुआत
7.1%–8.0%	शुगर नियंत्रण में नहीं
8.1%–9.9%	खतरनाक स्तर
10% या अधिक	बहुत ज़्यादा हाई – अंगों को नुकसान की आशंका

इसका मतलब है कि उनके ब्लड शुगर का स्तर काफी हाई है, ऐसे में हाई ब्लड शुगर का स्तर बॉडी के अहम अंगों पर अपना कहर ढा सकता है। डॉ. मोहन डायबिटीज स्पेशलिटी सेंटर, चेन्नई के अध्यक्ष डॉ. मोहन ने बताया जिन

का ज्यादा सेवन करेंगे तो ब्लड शुगर कभी नॉर्मल नहीं आएगी, इसलिए परहेज जरूरी है। अगर खाना चाहते हैं तो सीमित सेवन करें।

नाश्ता स्किप नहीं करें

अगर आप चाहते हैं कि ब्लड

में शुगर का स्तर नॉर्मल रहे तो आप सुबह का नाश्ता बिल्कुल भी स्किप नहीं करें। जब आप नाश्ता स्किप करते हैं तो पहले शुगर लो हो सकती है, फिर ज़्यादा भूख लगने पर आप ओवरईटिंग करेंगे तो स्थिति और बिगाड़ सकती है। आप सुबह का नाश्ता बिल्कुल नहीं छोड़ें. शुगर नॉर्मल रहेगी।

फाइबर रिच फूड्स खाएं

ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल करना चाहते हैं तो आप डाइट में फाइबर रिच फूड्स का सेवन करें। डाइट में सलाद, सब्जियां और अंकुरित अनाज का सेवन करें। फाइबर रिच फूड्स ब्लड में शुगर का स्तर नॉर्मल करते हैं।

खाने के समय का ध्यान रखें

खाना एक बार में ठूस-ठूस कर नहीं खाएं बल्कि निश्चित समय अंतराल पर खाएं। हर 3–4 घंटे में कुछ न कुछ खाएं, ताकि ब्लड शुगर में उतार-चढ़ाव से बचा जा सके।

शुगर नॉर्मल करने के लिए ये फूड खाएं

हाई ब्लड शुगर को नॉर्मल करने के लिए डाइट में लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स फूड का सेवन करें। आप डाइट में ब्रोकोली, कद्दू, मेवे, भिंडी, अलसी के बीज, चिया सीड्स, ओट्स, बीन्स, मसूर, जामुन, एवोकाडो, मछली और अंडे का सेवन करें।

इन फूड्स से बनाएं दूरी

अगर आप ब्लड शुगर के स्तर को नॉर्मल करना चाहते हैं तो आप शुगर वाले ड्रिंक और प्रोसेस्ड स्नैक्स का सेवन करने से परहेज करें। अगर स्नैक खाने का मन करें तो आप अगले मील तक रुकें। अपने खाने में हेल्दी फैट्स जैसे एवोकाडो, नट्स या सीड्स का सेवन करें। इन फूड्स को खाने से पेट लम्बे समय तक भरा रहता है और ब्लड में शुगर का स्तर कंट्रोल रहता है।

45 मिनट की वॉक करें

अगर आप चाहते हैं कि आपकी ब्लड शुगर नॉर्मल रहे तो आप हर दिन 45 मिनट की वॉक जरूर करें। बॉडी की एक्टिविटी ब्लड शुगर को नॉर्मल करने में मदद करती है। खाने के बाद 10 मिनट की वॉक न सिर्फ पाचन को दुरुस्त करेगी बल्कि आपकी ब्लड शुगर भी नॉर्मल रहेगी। बॉडी को एक्टिव रखने के लिए आप सीढ़ियां चढ़ना, नाचना और घर पर योग भी कर सकते हैं।

हर एक घंटे में खड़े हो

लंबे समय तक बैठे रहना सेहत के लिए खतरा है। हर घंटे एक रिमाइंडर सेट करें ताकि आप खड़े हों, स्ट्रेच करें या 2 मिनट के लिए थोड़ा टहल लें। छोटे-छोटे मूवमेंट्स भी शुगर लेवल कम करने में मदद करते हैं।

बस-ट्रेन में कैसे कट जाती है आपकी जेब? बचना है तो नोट कर लें ये 4 बातें

अपनी आजीविका चलाने के लिए लोग नौकरी करते हैं और कई लोग अपना काम भी करते हैं। फिर जो पैसे वो कमाते हैं उससे ध्यान रखना चाहिए। तो चलिए जानते हैं जेबकतरों से बचने के क्या तरीके हैं। आप आगे इस बारे में जान सकते हैं...

अपनी जरूरतें पूरी करते हैं और भविष्य के लिए बचाते भी हैं। वहीं, जब लोग बस और ट्रेन से यात्रा करते हैं तो उनकी जेब भी कट जाती है। दरअसल, जेबकतरे बसों और ट्रेनों में पलक झपकते ही लोगों की जेब काट देते हैं और उनके पैसे, मोबाइल जैसे जरूरी सामान लेकर नौ दो ग्यारह हो जाते हैं।

ये लोग भीड़ का फायदा उठाते हैं और फिर झुंड बनाकर और धक्का-मुक्की करके आपकी जेब काट देते हैं। ऐसे में आपके लिए ये जानना जरूरी हो जाता है कि अगर आप भी बस या ट्रेन या किसी भीड़ वाली जगह पर जा रहे हैं, तो आपको किन बातों का

इन बातों का रखेंगे ध्यान, तो बच सकते हैं जेब कटने से

नंबर 1

कई लोग जब भी अपने साथ पैसे, ज्वेलरी या कोई जरूरी सामान ले जाते हैं तो वो उसे इस तरह से किसी बैग में रखते हैं जिस पर हर किसी का ध्यान आसानी से चला जाता है। इससे जेबकतरे एक्टिव हो जाते हैं और फिर उनका टारगेट आपका बैग ही होता है जिसे वो चुरा भी लेते हैं। इसलिए ऐसी गलती न करें और पैसे, ज्वेलरी जैसे सामान को नॉर्मन दिखने वाले बैग में ही रखें या अपने पास रखें तो ज्यादा हाइलाइट न करें।

नंबर 2

आमतौर पर बस और ट्रेनों में या भीड़ वाली जगह पर सबसे ज्यादा मोबाइल फोन और पैसे ही चोरी हो जाते हैं। इसलिए एक बात का ध्यान रखें कि मोबाइल फोन को जेब में रखने से बचें और उसे अपने हाथ पर ही टाइट से पकड़कर रखें। वहीं, पर्स रखने से बचें और उसमें पैसे भी न रखें। आप अपने बैग में सामान के बीच में पैसों को रख सकते हैं।

नंबर 3

एक चीज जान लें कि जब भी जेबकतरे जेब काटते हैं तो वो ज्यादातर यात्री के उतरने या चढ़ने पर ऐसा करते हैं। इसके लिए जेबकतरों का पूरा ग्रुप होता है जो आपको पहले टारगेट करता है और फिर धक्का-मुक्की करके आपकी जेब काट लेता है। इसलिए भीड़ वाली जगह, भीड़ वाली बस-ट्रेन में जानें से भी बचें। कोशिश करें की सीट पर बैठ जाएं और खड़े न रहें।

नंबर 4

कई लोगों की आदत होती है कि वो जेब या बैग में अगर मोबाइल रखते हैं या पैसे रखते हैं, तो सफर के दौरान उसे खुद ही बीच-बीच में टटोलकर देखते हैं। ऐसा करके आप जेबकतरों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते हैं। इसलिए ऐसी गलती बिलकुल न करें और चुपचाप अपना सफर पूरा करें, ताकि जेबकतरों का ध्यान आप पर न जाएं।

सेब खाने के फायदे और नुकसान बेहतर स्वास्थ्य लाभ के लिए ऐसे करें सेवन

लाल-हरा और हल्के पीले रंग का खूबसूरत-सा फल सेब गुणों का खजाना है। इसमें ढेर सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जैसे- एंटीऑक्सिडेंट, पोटैशियम, फाइबर और विटामिन सी। सेब के बारे में एक पुरानी कहावत लोकप्रिय है- 'एन एप्पल अ डे कीप्स द डॉक्टर अवे' यानी एक सेब प्रतिदिन खाया जाए तो आपको डॉक्टर के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, लेकिन क्यों? यह समझ लेते हैं।

दिल के लिए

सेब का सेवन हृदय रोगियों के लिए गुणकारी है। दरअसल, सेब हृदय को प्रभावित कर हानि पहुंचाने वाले कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियमित कर हृदय को राहत देता है। अगर आप नियमित रूप से रोजाना एक सेब का सेवन करती हैं तो आप हार्ट अटैक के खतरे से बच सकती हैं।

मसूड़ों की मजबूती

सेब मसूड़ों की सुरक्षा भी करता है। जब आप इसे खूब चबाकर खाती हैं तो लार अधिक बनती है, जो मुंह की सफाई में बहुत उपयोगी है। साथ ही यह दांतों में पनपने वाले बैक्टीरिया को रोकने में सक्षम है, जिससे दांत और मसूड़े स्वस्थ रहते हैं। इसलिए जब भी सेब खाएं धीरे-धीरे चबाकर ही खाएं।

फाइबर करेगा काम

सेब में पाए जाने वाला टार्टरिक एसिड पाचन में मददगार होता है और आपको कब्ज की समस्या से भी दूर रखता है। साथ ही मोटापा रोकने में सेब आपकी मदद कर सकता है। दरअसल, सेब में कैलोरी की मात्रा कम और फाइबर ज्यादा होता है। ऐसे में भूख लगने पर जब आप सेब का

सेवन करती हैं तो आपको लंबे समय तक भूख नहीं लगती है।

नेचुरल शुगर

सेब कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) वाले फलों की श्रेणी में आता है, जो कि डायबिटीज रोगियों के लिए सुरक्षित है। उच्च जीआई वाले खाद्य पदार्थ जल्दी पचते हैं और रक्त शर्करा का स्तर को तेजी से बढ़ जाता है। वहीं कम जीआई वाले खाद्य पदार्थ धीरे-धीरे पचते हैं और शर्करा के स्तर को धीमी गति से बढ़ाते हैं, जिससे शरीर में प्राकृतिक रूप से शर्करा की पूर्ति होती है।

उबालकर खाएं

जब आप सेब को पानी में मिश्री के साथ उबालकर इसका सेवन करेंगी तो आपको खांसी-जुकाम और चक्कर आने जैसी परेशानियों से निजात मिल जाएगी। वहीं अगर पेट में कीड़े हो गए हैं, तब भी इसका सेवन लाभकारी सिद्ध होता है।

अति बिल्कुल नहीं

हर चीज के अच्छे और बुरे परिणाम होते हैं। सेब के भी हैं, जैसे इसका अधिक सेवन कई लोगों में एलर्जी का कारण बनता है, शरीर की चर्बी बढ़ सकती है और फाइबर की अधिक मात्रा होने के कारण पेट में गैस, दर्द तथा ऐंठन हो सकती है, साथ ही ब्लड शुगर बढ़ने का खतरा भी रहता है, इसलिए सही मात्रा में सेब का सेवन लाभदायी है।

घर पर इस तरह जमाएं हलवाई जैसा दही

सेहत के लिए दही काफी फायदेमंद होता है। गर्मी के दिनों में इसे खाने से शरीर ठंडा होता है और पाचन भी बेहतर बना रहता है। हालांकि, आज के समय में मार्केट में पैकेट वाला दही बड़े पैमाने पर मिलता है, जो कई बार खट्टा होता है। ऐसे में कई लोग दही को हलवाई की दुकान से खरीदते हैं। हलवाई की दुकान वाला दही खाने में काफी स्वादिष्ट और गाढ़ा होता है। आप हलवाई जैसे दही को अपने घर पर भी आसानी से जमा सकते हैं। इसके लिए आप यहां बताए गए स्टेप्स को फॉलो कर सकते हैं।

स्टेप-1: फुल क्रीम दूध का करें इस्तेमाल

दही जमाने के लिए फुल क्रीम दूध बेहतर होता है। इससे दही गाढ़ा और काफी मलाईदार जमता है। दही जमाने के लिए आप सबसे पहले इसको सही से उबाल लें और हल्का गर्म रहने तक ठंडा करें। बहुत गर्म या बहुत ठंडा दूध से दही सही से नहीं जम पाता है।

स्टेप-2: जामान मिलाएं

अब आप इसमें सही मात्रा में जामन को डालें। आप एक लीटर दूध में एक चम्मच फ्रेश दही को डालें। अधिक जामन डालने से दही खट्टा हो जाता है। अब आप इसको दूध में सही से मिक्स करें, जिससे यह दूध में चारों ओर बराबर मात्रा में फैल जाए।

स्टेप-3: कुछ समय के लिए ढककर रखें

दूध में दही का जामन मिलाने के बाद आप इसको कुछ समय के लिए ढककर एक जगह रख दें। आप इस पर कोई कपड़ा भी रख सकते हैं। वहीं, दही जमाने से पहले आप बर्तन का चुनाव करते समय सावधानी बरतें। आप स्टील, कांच या फिर मिट्टी के बर्तन का ही उपयोग करें। इसमें दही मीठी लगती है। दही जमाने के लिए प्लास्टिक के बर्तन का उपयोग नहीं करना चाहिए।

स्टेप-4: दही को आप छह से आठ घंटे के बाद ही देखें। अगर आप तय समय से पहले इसको हिला रहे हैं, तो दही का टेक्सचर खराब हो सकता है। इस तरह आपका दही आसानी से हलवाई जैसा तैयार हो जाएगा।

मेथी दाना को पानी में भिगोकर रोज़ खाने से सेहत पर कैसा होता है असर

दवाओं के साइड इफेक्ट से घबराकर अब लोग देसी नुस्खों की तरफ रुख कर रहे हैं। छोटी-छोटी बीमारियों का उपचार दवा से नहीं बल्कि प्राचीन काल से इस्तेमाल हो रही मशहूर हर्ब से कर रहे हैं। किचन में मौजूद कुछ मसाले ऐसे औषधीय गुणों से भरपूर हैं जिनका सेवन करने से कई क्रॉनिक बीमारियों का उपचार किया जा सकता है। मेथी दाना एक ऐसा मसाला है जो भारतीय रसोई में खाना पकाने में इस्तेमाल होता है।

डायबिटीज रहती है कंट्रोल

मेथी दाना डायबिटीज जैसी मेटाबॉलिक स्थितियों को रोकने में मदद कर सकता है। एक अध्ययन में टाइप 2 डायबिटीज से पीड़ित लोगों को जब 2 महीने तक दिन में दो बार 5 ग्राम मेथी के बीजों का पाउडर दिया गया, तो उनमें खाली पेट शुगर लेवल, पेट की चर्बी, बॉडी मास इंडेक्स और हीमोग्लोबिन A1c के स्तर में सुधार देखा गया। मेथी दाना में मौजूद हाई फाइबर ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद करता है। शोधकर्ताओं ने पाया अगर आटे में मेथी दाने का पाउडर मिलाकर रोटी बनाकर खाई जाए तो आसानी से डायबिटीज मरीज ब्लड शुगर को नॉर्मल कर सकते हैं।

दिल रहता है हेल्दी

रोज अगर एक चम्मच मेथी दाना को रात में पानी में भिगो दें और सुबह उस पानी को पी लें और मेथी दाना को चबा-चबाकर खा लें तो कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल रहेगा और दिल की सेहत दुरुस्त रहेगी।

महिलाओं के लिए वरदान है ये मसाला

महिलाओं को हॉर्मोनल इम्बैलेंस की समस्या ज्यादा होती है ऐसे में अगर महिलाएं मेथी दाना को पानी में भिगोकर उसका सेवन करें तो ये मसाला हॉर्मोन को बैलेंस करता है। पीरियड के दौरान और उससे पहले हॉर्मोन असंतुलन की समस्या ज्यादा होती है ऐसे में इस मसाले को खाने से फायदा होता है।

सुबह के नाश्ते में खाएं चावल से बने ढोकले

सुबह का नाश्ता काफी जरूरी होता है। दिन की शुरुआत हेल्दी नाश्ते के साथ करने से बॉडी में पूरा दिन एनर्जी बनी रहती है। कई लोग नाश्ते में पराठा या फिर पोहा खाते हैं। हालांकि, अगर आप भी इन सभी चीजों को रोज-रोज खाकर बोर हो गए हैं, तो नाश्ते में ढोकला खा सकते हैं। आप इसे चावल से एकदम सॉफ्ट और स्पंजी भी बना सकते हैं।

चावल का ढोकला बनाने की सामग्री

- एक कप चावल का आटा
- आधा कप दही
- एक छोटा चम्मच अदरक
- हरी मिर्च का पेस्ट
- स्वादानुसार नमक
- एक चुटकी हल्दी
- आधा छोटा चम्मच बेकिंग सोडा

बैटर को करें तैयार

ढोकला बनाने के लिए आप सबसे पहले सभी सामग्री को मिलाकर एक गाढ़ा बैटर तैयार कर लें। अब इसको 10 से 15

मिनट तक इसको ढककर रख दें। कुछ समय के बाद इस बैटर को ढोकले के सांचे में डालें और स्टीमर में 20 मिनट तक पकाएं।

अब गैस बंद कर इसको ठंडा होने दें और इसको टुकड़ों में काट लें। अब इसमें तड़का लगाएं। इसके लिए एक पैन में हल्का तेल डालें और उसमें राई, करी पत्ता और हरी मिर्च की मदद से तड़का बनाकर ढोकले पर डाल दें। आप इसके ऊपर से हरा धनिया भी डाल सकते हैं। आप इसको धनिया चटनी या फिर टमाटर की चटनी के साथ परोस सकते हैं। इस तरह से बनाए गए ढोकले काफी सॉफ्ट और स्पंजी होते हैं।

चावल का ढोकला खाने के फायदे

नाश्ते में चावल का ढोकला खाने के कई फायदे होते हैं। इसको आसानी से बनाया जा सकता है। इसको खाने से पेट काफी लंबे समय तक भरा रहता है। इसको बनाने के लिए दही और चावल का उपयोग किया जाता है, जिससे बॉडी को प्रोटीन, कैल्शियम और कार्बोहाइड्रेट आसानी से मिल जाते हैं, जो दिनभर शरीर को एनर्जी देते रहते हैं।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच होगी एफडीसी की बैठक

देश की आर्थिक स्थिति की समीक्षा करेंगी वित्त मंत्री

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश की आर्थिक स्थिति की समीक्षा करने वाली हैं। यह समीक्षा 10 जून को वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) की बैठक में होगी। सूत्रों के अनुसार यह उच्च स्तरीय पैनल की 29वीं बैठक होगी, जो मुंबई में आयोजित की जा रही है। इस बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा सहित सभी वित्तीय क्षेत्र के नियामक शामिल होंगे।

6.5 प्रतिशत विकास दर और आरबीआई की लाभांश घोषणा के बाद होगी पहली बैठक

वित्त वर्ष 2025 में भारत की विकास दर 6.5 प्रतिशत दर्ज होने के बाद यह पहली बैठक होगी। यह दर पिछले चार सालों में सबसे धीमी है। साथ ही, इस बैठक का आयोजन केंद्रीय बैंक की लाभांश भुगतान के बाद किया जा रहा है। पिछले महीने केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2025 के लिए 2.7 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड लाभांश की घोषणा की। यह भुगतान वित्त वर्ष 2023-24 के 2.1 लाख करोड़ रुपये के लाभांश से 27.4 प्रतिशत अधिक था।

भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2025 की अंतिम तिमाही में अपेक्षा से अधिक तेज गति से बढ़ी। इससे 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने में मदद मिली और इसका आकार 3.9 ट्रिलियन डॉलर हो गया। इसने वित्त वर्ष 2026 में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जापान को पीछे छोड़ने की उम्मीद बढ़ी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 25 की अंतिम तिमाही में अर्थव्यवस्था 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी। इसे निजी खपत में वृद्धि और विनिर्माण क्षेत्र में मजबूती से सहारा मिला।

एफएसडीसी की बैठक में वित्त मंत्री डिजिटल धोखाधड़ी को रोकने के तरीकों पर भी चर्चा कर सकती हैं।

डिजिटल धोखाधड़ी वित्तीय प्रणाली के लिए एक चुनौती है। इसके अलावा, परिषद वित्तीय क्षेत्रों के विकास के उपायों, वित्तीय स्थिरता, समावेशी आर्थिक वृद्धि और एफएसडीसी की उप-समिति की कार्रवाई की भी समीक्षा करेगी।

टमाटर से है 'मौत' का खतरा, क्या तबाह हो जाएगा 6,150 करोड़ का कारोबार?

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। पनीर की ग्रेवी से लेकर दाल के तड़के तक में इस्तेमाल होने वाले टमाटर से 'मौत' का खतरा भी हो सकता है। यहां सुपर मार्केट से इन टमाटरों को रिकॉल किया जा रहा है। बड़ा सवाल ये है कि क्या इससे टमाटर का पूरा 6,150 करोड़ रुपये का कारोबार तबाह हो जाएगा?

हमारे-आपके घर में सब्जी से लेकर दाल और सलाद तक… टमाटर एक ऐसी चीज है जिसके बिना खाना बनेगा कैसे, ये सोचना भी मुश्किल है। लेकिन जरा सावधान होने की जरूरत है, ये टमाटर 'जानलेवा' भी साबित हो सकता है। एक देश के फूड रेग्युलेटर को टमाटर में 'साल्मोनेला' नाम का संक्रमण मिला है जिसकी वजह से टमाटर की पूरी खेप को रिकॉल कर लिया गया है।

टमाटर को 'मौत का खतरा' बनाने वाला 'साल्मोनेला' (Salmonella) संक्रमण अमेरिका में पाया गया है। इसकी वजह से वहां के फूड रेग्युलेटर FDA ने टमाटर रिकॉल करने के आदेश जारी कर दिए हैं।

क्या है खतरा, कौन से टमाटर हुए रिकॉल?

एफडीए का कहना है कि टमाटर में इस संक्रमण की वजह से स्वास्थ्य संबंधी काफी गंभीर समस्या पैदा होने यहां तक की मौत का भी खतरा है। एफडीए ने इस संबंध में 28 मई को ही हाई लेवल चेतावनी जारी कर दी और रिकॉल को Class-1 कैटेगरी में डाल दिया।

टमाटर में साल्मोनेला संक्रमण के मामले काफी दिन पहले से आने शुरू हो गए थे। मुख्य तौर जॉर्जिया, नॉर्थ कैरोलिना और साउथ कैरोलिना राज्य में इन टमाटरों को रिकॉल किया गया है। वहीं मई महीने की शुरुआत में ही अमेरिका में काम करने वाले कई फार्म ने वॉलियंटरी तौर पर ही टमाटरों को रिकॉल करना शुरू कर दिया था।

फ्रीजर में महीनों जिंदा रहता है ये बैक्टीरिया

साल्मोनेला का बैक्टीरिया सूखे और गर्म वातावरण में कुछ हफ्ते, जबकि फ्रीजर्स या नम स्थानों पर इसका बैक्टीरिया महीनों तक जीवित रहता है। इसलिए एफडीए ने लोगों को टमाटर को फेंकने के बजाय रिकॉल में वापस करने और उपयोग ना करने की सलाह दी है।

टमाटरों में फैले साल्मोनेला संक्रमण का मूल कारण या स्रोत अभी तक पता नहीं चल पाया है। लेटेस्ट मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एफडीए ने अभी तक इस संक्रमण से किसी के बीमार होने या मरने की जानकारी रिपोर्ट नहीं की है।

सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुताबिक साल्मोनेला बैक्टीरिया आम लोगों को बीमार कर सकता है। खाने से होने वाली बीमारियों का ये सबसे प्रमुख कारण है। साल्मोनेला बैक्टीरिया के संक्रमित होने वाले लोगों को बुखार, दस्त लगने, जी मिचलाने, उल्टी और पेट में दर्द की शिकायत हो सकती है। वहीं छोटे बच्चों और बुजुर्गों के इम्यून सिस्टम को भी ये नुकसान पहुंचा सकता है। अमेरिका दुनिया के सबसे बड़े टमाटर उत्पादक देशों में से एक है। यहां के 20 से ज्यादा राज्यों में टमाटर का बहुतायत में उत्पादन होता है।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक शुरू

ब्याज दरों में कटौती की संभावना, 6 जून को आएगा फैसला

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक बुधवार को मुंबई में शुरू हुई। इस बैठक में नीतिगत ब्याज दरों पर फैसला लिया जाएगा। मौद्रिक नीति समिति के निर्णय की घोषणा 6 जून को होगी। केंद्रीय बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा इसका एलान करेंगे।

घटती महंगाई के बीच यह बैठक है अहम

यह नीतिगत बैठक ऐसे समय में हो रही है जब देश में महंगाई में लगातार नरमी दिखी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के डेटा के अनुसार, भारत में खुदरा महंगाई अप्रैल में घटकर घटकर 3.16 प्रतिशत हो गई। यह मार्च में 3.34 प्रतिशत थी। चूंकि महंगाई दर 4 प्रतिशत से कम है। ऐसे में समिति नीतिगत फैसला लेते समय इसे ध्यान में रख सकती है। भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, आरबीआई के इस बैठक में ब्याज दरों में कटौती की संभावना है। ब्याज दरों में 50 आधार अंक तक की कटौती हो सकती है। एसबीआई को विश्वास है कि इस कटौती से क्रेडिट साइक्ल को पुनर्जीवित किया जा सकेगा और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इसमें कहा गया था कि ढील देने के लिए ब्याज दरों में 100 आधार अंकों तक की कटौती हो सकती है।

पिछली एमपीसी बैठक में केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों में 25 आधार अंक यानी 0.25 प्रतिशत की कटौती की थी। इससे रेपो रेट 6.25 से घटकर 6 प्रतिशत हो गया। यह बैठक साल 2025 में 7,8 और 9 अप्रैल को हुई थी। फरवरी 2025 में भी ब्याज दरों में 25 आधार अंक की कटौती की थी। इससे रेपो रेट 6.5 से घटकर 6.25 प्रतिशत हो गया था। लगातार दो बार ब्याज दरों में कटौती और महंगाई में कमी आने के बाद, अर्थशास्त्री कि इस बैठक पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947**, सूर्य उत्तरायणे, ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426874**
सूर्योदय - 05-44
सूर्यास्त - 18-44
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष	में	वृष---	04-24 बजे
चंद्र-	कन्या	में	मिथुन..	06-24 बजे
मंगल	कर्क	में	कर्क---	08-37 बजे
बुध-	वृष	में	सिंह---	10-48 बजे
गुरु-	मिथुन	में	कन्या...	12-55 बजे
शुक्र-	मीन	में	तुला....	15-02 बजे
शनि-	मीन	में	वृश्चिक..	17-10 बजे
राहु-	कुंभ	में	धनु.....	19-24 बजे
केतु-	सिंह	में	मकर...	21-30 बजे
			कुंभ...	23-21 बजे
			मीन....	00-59 बजे
			मेष.....	02-35 बजे

दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- दशमीं **02-16** तक उपरान्त एकादशी
मास - ज्येष्ठ शुक्ल, गुरुवार **05 June**
नक्षत्र - हस्त अहोरात्र पूर्ण दिनरात तक
योग - सिद्धि **09-13** तक उप व्यतिपात
करण- तैतिल **13-03** तक उप गर
विशेष:- श्री गंगा दशहरा
व्रत-त्योहार - श्री बटुक भैरव जयन्ती

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है। सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:53 से 15:31 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05:44 - 07:20	शुभ	अमृत	18:44 - 20:09	शुभ
रोग	07:20 - 08:58	अशुभ	चंचल	20:09 - 21:31	शुभ
उत्पात	08:58 - 10:37	अशुभ	रोग	21:31 - 22:53	अशुभ
चंचल	10:37 - 12:15	शुभ	काल	22:53 - 00:15	अशुभ
लाभ	12:15 - 13:53	शुभ	लाभ	00:15 - 01:37	शुभ
अमृत	13:53 - 15:31	शुभ	उत्पात	01:37 - 02:58	अशुभ
काल	15:31 - 17:09	अशुभ	शुभ	02:58 - 04:20	शुभ
शुभ	17:09 - 18:44	शुभ	अमृत	04:20 - 05:44	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आज आप सबसे बड़े ग्राहकों में से एक के साथ अपने सौदे को अंतिम रूप दे सकते है। उनके साथ एक लंबी अवधि के अनुबंध पर आप हस्ताक्षर करने के लिए आगे बढे। ग्राहक वित्तीय संसाधनों से परिपूर्ण है, जिससे की आपके कार्यालय पर वित्तीय बोझ कम होगा। आपको अगर ग्राहकों से और सौदे लेने है तो आपको अपने सामान्य ज्ञान का अच्छा परिचय देना होगा और साथ ही साथ उन्हें एक अच्छी व्यापारिक सेवा देनी होगी।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
संतुलन बनाना आज का प्रमुख विषय रहेगा और आप अपनी आय और व्यय के बीच एक संतुलन हासिल करने की कोशिश करेंगे। आप अपनी आय के पूरक के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू कर सकते है और आज आपको एक बहुत अच्छा अवसर मिलने की संभावना है। साथ ही साथ आप अपने व्यय को भी नियंत्रित करने के लिए खर्चों पर लगाम लगाएंगे।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,
आज आप वह प्यार और ख़ुशी को पाएंगे जो आप अपने कार्य क्षेत्र में महसूस करते थे। बाहरी दबावों और काम के बोझ की वजह से वह ख़ुशी कही दब सी गई थी पर एक खुशनुमा पल आपको ये एहसास कराएगा की क्यों अपने ये कार्य क्षेत्र चुना था और ये क्यों आप पर इतना जचता है। आज का दिन अपने कार्य क्षेत्र में अपना रवैया बदलने के लिए अति उत्तम है।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,
आज का दिन उनके लिए उपयुक्त है जो की रचनात्मक कार्य से जुड़े हुए है। आपके सुझाव आपको नये अनुबंध दिलाएंगे जिससे आपकी बैंक में जमा राशि में विस्तार होगा। कलाकार, संगीतज्ञ, फिल्म निर्माता, फोटोग्राफर एवं लेखक अपने अपने कार्य क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे और जो लोग अन्य क्षेत्रो में हैं अगर वह अपने काम में कुछ नवीनता या कुछ रचनात्मकता लाएं तो वो भी आगे बढ़ सकते है।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,
अगर आप अपने कार्यक्षेत्र या अपने आर्थिक लक्ष्यों के लिए किसी पारंगत व्यक्ति या अपने निकट जानने वाले व्यक्ति से परामर्श लेते है तो ये सुझाव आपको काफी लाभ दे सकता है। आज का दिन इंजीनियरों और कंप्यूटर में प्रवीण व्यक्तियों के लिए काफी अछा रहेगा। आपको दूसरी नौकरी का प्रस्ताव भी मिल सकता है या उसी नौकरी में स्थान परिवर्तन के संकेत भी आपको मिल सकते है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
जहां तक वित्तीय मामलों का संबंध है, आज आप एक बुद्धिमान निर्णय लेंगे। सलाह आपका उचित मार्गदर्शन करेंगी, तो आज छोटे लाभ से संतुष्ट रहे। शेयर बाज़ार में लगे लोग आज बड़े शेयरों के निवेश से बचे। अपने भीतर की आवाज सुनकर अपने अंतर्ज्ञान से काम करे।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,
आज आपके समान हित के लोगों या एक समान व्यवसाय करने वालो के साथ वार्तालाप होगी। आपको इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए एवं दूसरों को बढ़ावा एवं प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि बदले में वे भी आपको समर्थन दे। आपको उन लोगों से ज्यादा उम्मीद नहीं करनी चाहिए क्यों की चीजे धीरे धीरे खुलती है और लोगो को नयी वस्तु या व्यक्ति पर भरोसा करने में समय लगता है।

वृश्चिक तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,
आज आप एक ऐसे सफल पेशेवर से मिल सकते है जो आपका कार्य करने के लिए उपलब्ध सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है, लेकिन उसके साथ साझेदारी के गठन से पहले थोड़ा सावधान रहे, संभावना है कि वह कार्य के मध्य में अपनी दरों में वृद्धि कर सकता है। सर्वश्रेष्ठ विकल्प ये होगा की आप ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर करे जिसमे दरें गतियमान की बजाय स्थायी हो।

धनु ये, यो, भा, भी, भू धा, फा, ढा, भे
एक उत्कृष्ट अवसर आपके लंबित कार्यों को खत्म करने के लिए आपके रास्ते में आ सकता है। इस खाली समय का पूरा उपयोग करें, हालांकि आप जिस तरीके से अपने कार्य अभी तक करते थे, उन्हें आपको छोड़ना होगा ! यह अपनी पसंद के घर के स्वामित्व को पाने के लिए सही समय है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपको विदेशी भूमि में स्थापित प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ कार्य करने के लिए प्रस्ताव मिल सकता है, और आपके विदेश में बसने का आपका सपना सच हो सकता है, हालाँकि दस्तावेज से जुड़े कुछ मुद्दों का सामना करना पड़ सकता है लेकिन इन मुद्दों का समय रहते हल हो जाएगा, और जब आपको सब कुछ मिल जाएगा जिसे आप चाहते थे तो धन की वर्षा भी आप पर होने लगेगी।

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
कुछ हफ्तों से एक प्रवृत्ति को बल मिल रहा था और उसका परिणाम आज दिखाई देगा। परिणाम दोहन करने के लिए अपने आप को तैयार रखे। योग्य व्यक्तियों से मेल जोल बढ़ा कर रखे। सकरात्मक बातचीत से एक अभिनव व्यापार विचार को गति मिलेगी। जो आपके पास है उससे आपको संतुष्ट रहना चाहिए। लालच को बढ़ने न दे।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
आप समय के महत्व को जानते हैं और आप आज एक लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में काम करेंगे। आप सही रास्ते पर हैं। कड़ी मेहनत करे, सफलता आप से दूर नहीं है। आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर है और इसलिए आप व्यापार और शेयरों में कुछ जोखिम ले सकते हैं। आय के नए अवसर आज दिखाई दे सकते हैं। आगे जाने से पहले अपने शुभचिंतकों से परामर्श करें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

तुर्की की जिस कंपनी को हटाया उसकी जगह लेगी अदाणी एयरपोर्ट्स

75 करोड़ डॉलर का विदेशी कर्ज लिया

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स मुंबई और अहमदाबाद में ग्राउंड हैंडलिंग सर्विसेज के लिए बोली (Adani ground handling bid) लगाने पर विचार कर रही है। इन दोनों एयरपोर्ट में तुर्की की कंपनी सेलेबी (Celebi Hava exit India) के हटने के बाद जगह बनी है। ग्राउंड हैंडलिंग अदाणी एयरपोर्ट के लिए नया बिजनेस होगा। इस बीच, कंपनी ने 75 करोड़ डॉलर का विदेशी कर्ज जुटाने की भी जानकारी दी है।

तुर्की की सेलेबी कंपनी की जगह लेना चाहती है अदाणी एयरपोर्ट्स

सेलेबी भारत में नौ हवाई अड्डों पर ऑपरेट करती थी। इनमें नई दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर गेटवे फैसिलिटी और मुंबई के छत्रपति शिवाजी एयरपोर्ट पर कमर्शियल हब शामिल हैं। भारत-पाकिस्तान युद्ध में पिछले महीने जब तुर्की ने पाकिस्तान का समर्थन किया तो उसके बाद तुर्की की इस कंपनी को भारत में अपना ऑपरेशन बंद करना पड़ा।

अगर अदाणी एयरपोर्ट्स मुंबई और अहमदाबाद एयरपोर्ट पर ग्राउंड हैंडलिंग की बोली हासिल करने में सफल रहती है, तो वह इन दोनों हवाई अड्डों पर तीसरी ग्राउंड हैंडलर कंपनी होगी। भारतीय नियमों के अनुसार जिन एयरपोर्ट की सालाना क्षमता कम से कम 10 लाख यात्रियों की है वहां तीन ग्राउंड हैंडलिंग कंपनियां रहेंगी।

अदाणी समूह की कंपनी अदाणी एयरपोर्ट्स ने 75 करोड़ डॉलर का विदेशी कर्ज (Adani Airports foreign loan) जुटाया है। कर्ज देने वाले अंतरराष्ट्रीय बैंकों में फर्स्ट अबू धाबी बैंक, बार्कलेज और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक शामिल हैं। कंपनी ने बुधवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है।

अदाणी एयरपोर्ट्स इस रकम का इस्तेमाल मौजूदा कर्ज की रीफाइनेंसिंग करने, इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करने तथा एयरपोर्ट पर क्षमता विस्तार में करेगी। ये अपग्रेड मुख्य रूप से अहमदाबाद, लखनऊ, बेंगलुरु, जयपुर, गुवाहाटी और तिरुअनंतपुरम एयरपोर्ट पर किए जाएंगे। अदाणी एयरपोर्ट्स का गठन 2019 में हुआ था। यह अदाणी समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज की 100% स्वामित्व वाली सब्सिडियरी है।

कंपनी ने कहा है कि वित्त वर्ष 2024-25 में इसके ऑपरेशन वाले एयरपोर्ट पर 9.4 करोड़ यात्री आए। इनकी क्षमता 11 करोड़ यात्रियों की है। 2040 तक यह यात्रियों की क्षमता 3 गुना बढ़ाकर 30 करोड़ करना चाहती है। इस रोड मैप के तहत नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट जल्दी ही शुरू होने वाला है। इसके पहले चरण में 2 करोड़ यात्रियों के जुड़ने की उम्मीद है। सभी चरण पूरे होने के बाद इसकी क्षमता 9 करोड़ सालाना हो जाएगी।

सोना हुआ महंगा, चांदी भी तेज चमकी

मुंबई, 4 जून (एजेंसियां)। भारत में गोल्ड को किसी भी शादी-व्याह या पर्व-त्योहार में काफी शुभ माना जाता है।

इसके अलावा, सोने का किसी परिवार के पास होना उसकी संपन्नता का प्रतीक भी माना जाता है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच सोने के दाम में बुधवार यानी 4 जून 2025 को एक बार फिर से बढ़ोतरी देखने को मिली है। आर्थिक राजधानी मुंबई में 22 कैरेट सोना प्रति 10 ग्राम बढ़कर 90 हजार के पार चला गया है और ये 90,900 पर बिक रहा है।

जबकि, 24 कैरेट सोना 99,170 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा है। मुंबई में चांदी 1900 रुपये ऊपर चढ़कर 1,09,000 रुपये की दर से बिक रही है। जबकि, एमसीएक्स पर सोना 0.34 प्रतिशत उछलकर 98,048 रुपये की दर से बिक रहा है। जबकि, चांदी भी 0.18 प्रतिशत ऊपर चढ़कर सुबह 1,04,400 रुपये पर कारोबार कर रही है।

आइये जानते हैं कि आपके शहर में सोना और चांदी के क्या लेटेस्ट रेट्स चल रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 22 कैरेट सोना 90,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की दर से बिक रहा है जबकि 24 कैरेट सोना 99,070 पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 22 कैरेट सोना 90,860 रुपये जबकि 24 कैरेट सोना 99,070 रुपये पर कारोबार कर रहा है।

चीन सहित सीमावर्ती देशों के लिए एफडीआई नीति में कोई बदलाव नहीं

2020 में जारी निर्देश अब भी हैं लागू

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने भारत के साथ सीमा साझा करने वाले देशों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) से जुड़ी नीति में कोई संशोधन नहीं किया गया है। यह जानकारी सूत्रों के हवालों से सामने आई है।

साल 2020 में सरकार ने एफडीआई से संबंधित प्रेस नोट जारी किया था। इसके तहत सीमावर्ती देशों के निवेशकों को भारत में निवेश करने के लिए, सरकार से स्वीकृति लेना अनिवार्य है। यह भारत के सभी सीमावर्ती देशों पर समान रूप से लागू है। ये देश चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार और अफगानिस्तान हैं। इन देशों को एफडीआई प्रस्तावों के अनुसार जांच और परीक्षण की समान प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा।

चीन के लिए एफडीआई प्रस्ताव में कोई बदलाव नहीं

एक सूत्र ने बताया कि प्रेस नोट 3 के जारी होने के बाद से एफडीआई नीति में कोई संशोधन नहीं किया गया है। यह टिप्पणी महत्वपूर्ण है क्योंकि कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि चीन के साथ एफडीआई प्रस्ताव में बदलाव किया गया है।

सेंसेक्स 260 अंक चढ़कर 80,998 पर बंद हुआ

निफ्टी में 77 अंक की तेजी रही; IT और बैंकिंग शेयर चढ़े

मुंबई, 4 जून (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 4 जून को तेजी रही। सेंसेक्स 260 अंक की बढ़त के साथ 80,998 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 78 अंक की बढ़त के साथ 24,620 के स्तर पर बंद हुआ है।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में तेजी और 11 में गिरावट रही। मेटल, ऑटो, बैंकिंग और IT शेयर में ज्यादा तेजी देखने को मिली। वहीं रियल्टी शेयर्स में 0.70% की गिरावट रही। इसके अलावा आज मेन बोर्ड सेगमेंट IPO स्कोडा ट्यूब्स के शेयर की बाजार में फ्लैट लिस्टिंग हुई।

एशियाई बाजारों में भी तेजी

एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 300 अंक (0.80%) की तेजी के साथ 37,747 पर और कोरिया का कोस्पी 71 अंक ऊपर 2,770 पर बंद हुआ।

हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 141 अंक तेजी 23,654 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं चीन का शंघाई कंपोजिट 14 अंक की तेजी के साथ 3,376 पर बंद हुआ।

3 जून को अमेरिका का डाउ जोन्स 214 अंक चढ़कर 42,519 पर बंद हुआ। वहीं नैस्डैक कंपोजिट 156 अंक चढ़कर 19,398 पर और S&P 500 5,970 पर तेजी के साथ बंद हुआ।

स्कोडा ट्यूब्स के शेयर की फ्लैट लिस्टिंग

स्टेनलेस स्टील ट्यूब और पाइप बनाने वाली कंपनी स्कोडा ट्यूब्स का शेयर आज NSE पर बिना बढ़त के साथ 140 रुपए पर लिस्ट हुआ। हालांकि लिस्टिंग के बाद में शेयर में 5% की तेजी के साथ 147 रुपए पर बंद हुआ। इस शेयर का इश्यू प्राइस भी 140 रुपए प्रति शेयर था।

रिजर्व बैंक (RBI) की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (MPC) मीटिंग आज से शुरू हुई। एक्सपर्ट्स के अनुसार मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी इस बार भी रेपो रेट में 0.25% कटौती कर सकती है। यानी, आने वाले दिनों में लोन सस्ते हो सकते है। 6 जून को सुबह 10 बजे RBI गवर्नर संजय मल्होत्रा इस मीटिंग में लिए गए फैसलों की जानकारी देंगे। इससे पहले हुई दो बैठक में 0.50% की कटौती हो चुकी है। इससे रेपो रेट गिरकर 6% पर आ गई है। MPC में 6 सदस्य होते हैं। इनमें से 3 RBI के होते हैं, जबकि बाकी केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं।

डॉलर के मुकाबले रुपये में आज बड़ी गिरावट

इतने पैसे टूटकर एक बार फिर 86 के करीब पहुंचा

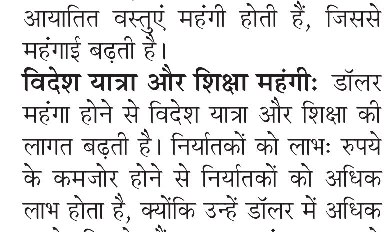

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में फिर गिरावट देखने को मिली है। विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय बाजार से पैसे की निकासी के चलते यह गिरावट आई है। आपको बता दें कि बुधवार को शुरुआती कारोबार में 25 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.86 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि सकारात्मक घरेलू शेयर बाजारों, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमत कम रहने और कमजोर अमेरिकी डॉलर ने गिरावट को कम किया। बताते चलें कि अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया कमजोर रुख के साथ 85.69 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.86 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 25 पैसे की गिरावट दर्शाता है।

रुपये में गिरावट के मुख्य कारण

डॉलर की बढ़ती मांग: अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनिश्चितता के चलते डॉलर की मजबूत मांग बनी हुई है। निवेशक सुरक्षित विकल्प के रूप में डॉलर की ओर रुख करते हैं, जिससे रुपया कमजोर हो रहा है।

विदेशी निवेश में कमी: विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। इससे भी रुपया कमजोर हुआ है।

महंगाई में वृद्धि: रुपये के कमजोर होने से आयातित वस्तुएं महंगी होती हैं, जिससे महंगाई बढ़ती है।

विदेश यात्रा और शिक्षा महंगी: डॉलर महंगा होने से विदेश यात्रा और शिक्षा की लागत बढ़ती है। निर्यातकों को लाभ: रुपये के कमजोर होने से निर्यातकों को अधिक लाभ होता है, क्योंकि उन्हें डॉलर में अधिक रुपये मिलते हैं। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.61 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05% की गिरावट के साथ 99.18 पर रहा।

47 जहरीले सांपों को थाईलैंड से क्यों लाया गया, मुंबई एयरपोर्ट पर कैसे पकड़े?

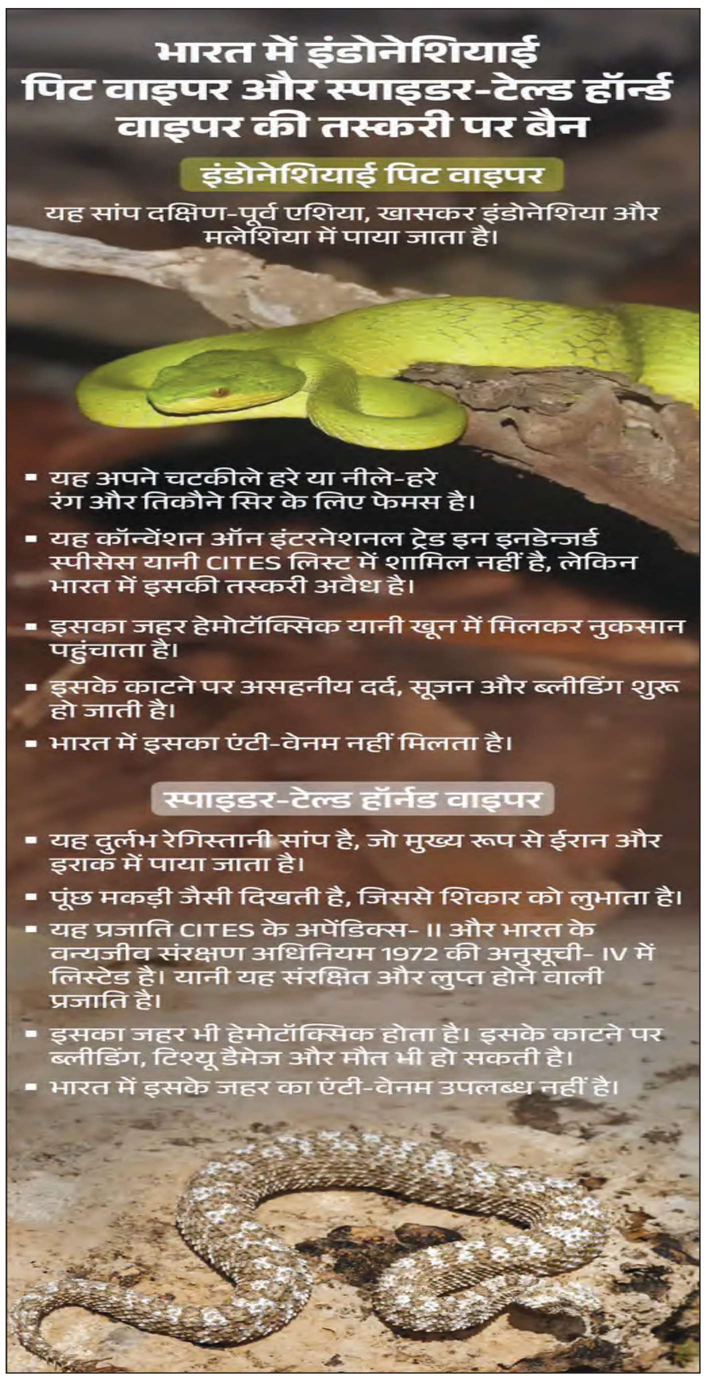

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। थाईलैंड से लौटा एक भारतीय शख्स जैसे ही मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंचा, कस्टम अफसरों ने उसे पकड़ लिया। जब उसके बैग की तलाशी ली, तो उसमें 47 जहरीले सांप और 5 दुर्लभ कछुए मिले। ये ऐसे सांप थे, जो ब्लैक मार्केट में लाखों में बिकते हैं। अगर ये काट लें तो भारत में इनका एंटी-वेनम भी नहीं है।

31 मई को रात 9.55 बजे थाईलैंड के बैंकॉक से थाई एयरवेज की फ्लाइट TG317 मुंबई के छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड की। टर्मिनल-2 पर यात्रियों ने उतरना शुरू किया। इसी दौरान कस्टम ऑफिसर्स को

कीमतें लाखों में, क्यों हो रही इनकी तस्करी?

खुफिया जानकारी मिली कि एक भारतीय यात्री के पास संदिग्ध बैग है। इसके बाद उस यात्री को पकड़ लिया गया। पूछताछ करने पर वह यात्री घबरा गया। तभी बैग की चेकिंग की गई, जिसमें दुर्लभ प्रजाति के 5 कछुए और 47 बेहद जहरीले सांप मिले। इसमें एक सांप मरा हुआ था। 1 जून को मुंबई कस्टम्स डिपार्टमेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर पोस्ट शेयर कर सांप पकड़ने की जानकारी दी। पुलिस ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 और कस्टम एक्ट 1962 के तहत यात्री को गिरफ्तार किया है। हालांकि अभी उसकी पहचान नहीं हुई है। वहीं वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो यानी डब्ल्यूसीसीबी ने जब्त सापों और कछुओं को उनके मूल देश में भेजने का आदेश दिया है।

यात्री के बैग में 5 एशियाई लीफ टर्टल यानी कछुए के अलावा 3 स्पाइडर-टेल्ड हॉर्नड वाइपर और 44 इंडोनेशियाई पिट वाइपर मिले। हालांकि इन दोनों प्रजातियों के सांपों की ह्यूमन बाइट हिस्ट्री नहीं है यानी इन सांपों ने आज तक किसी इंसान को नहीं काटा। इस कारण यह पता नहीं चल पाया कि इनके काटने से किसी इंसान की मौत कितनी देर में हो सकती है। आमतौर पर एक किंग कोबरा के काटने से 30 मिनट से 6 घंटे के अंदर मौत हो जाती है। इनके अलावा 5 एशियाई लीफ टर्टल भी मिले, जो बेहद दुर्लभ हैं। यह कछुए दक्षिण-पूर्व एशिया में पाए जाते हैं। पत्तों के जैसे रंग और पैटर्न की वजह से इसे लीफ टर्टल कहा जाता है। यह भी साइट्स के अपेंडिक्स- II और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची-IV में लिस्टेड है। यह कछुआ जहरीला नहीं है और इंसानों को इससे खतरा भी नहीं है, लेकिन दुर्लभता के कारण इसकी तस्करी बायोडायवर्सिटी के लिए खतरा है।

सांपों की तस्करी 4 बड़ी वजहों से की जाती है...

1. कम जोखिम में ज्यादा मुनाफा

ड्रग्स या हथियारों की तस्करी की तुलना में वन्यजीवों की तस्करी कम जोखिम वाली मानी जाती है, क्योंकि इसमें सजा का प्रावधान कम होता है। कई देशों में इसे गंभीर अपराध भी नहीं माना जाता है। थाईलैंड और इंडोनेशिया जैसे देशों में तस्करी पर जुर्माना कम है। इंटरनेशनल ब्लैक मार्केट में स्पाइडर-टेल्ड हॉर्न्ड वाइपर की कीमत 4 से 12 लाख रुपए तक हो सकती है। वहीं, इंडोनेशियाई पिट वाइपर की कीमत 40 हजार से 2 लाख रुपए तक हो सकती है। यानी कम जोखिम में ज्यादा मुनाफा।

2. अवैध व्यापार से संगठित अपराध में मदद

'द फार्मर' मैगजीन के मुताबिक, सांपों की तस्करी संगठित अपराध नेटवर्क का हिस्सा है। यानी सांपों की तस्करी से हथियार खरीदने, मनी लॉन्ड्रिंग और अन्य अवैध कामों के लिए पैसा जुटाया जाता है। ऑस्ट्रेलिया में क्रिमिनल सिंडिकेट्स देशी सांपों और पक्षियों को एशिया के ब्लैक मार्केट में बेचते हैं और इन पैसों से हथियार खरीदते हैं। इन सांपों को दक्षिण-पूर्व एशिया, साउथ अफ्रीका और मिडिल ईस्ट से अवैध रूप से पकड़ा जाता है। फिर इन्हें यूरोप, अमेरिका और एशिया के बाजारों में भेजा जाता है, जहां इनकी मांग ज्यादा है।

3. दुर्लभ सांपों को पालतू जानवर बनाना

कई शौकीन लोग दुर्लभ और जहरीले सांपों को खरीदकर रखना पसंद करते हैं। सांप जितना रेयर होगा, उसकी कीमत उतनी ज्यादा होगी। सांपों की कीमत उनकी प्रजाति, जहर और दुर्लभता के हिसाब से अलग-अलग होती है। ब्लैक मार्केट में रेड सैंड बोआ सांप 2 करोड़ रुपए से 25 करोड़ रुपए तक, दो सिर वाले रसेल वाइपर 1 करोड़ रुपए तक और दुर्लभ तक्षक सांप 9 करोड़ रुपए तक में बिकते हैं। ऐसे सांपों को अमीर लोग और इनके कलेक्टर्स ज्यादा पसंद करते हैं।

4. सांप की स्किन से लग्जरी आइटम्स बनाना

सांप की स्किन से हैंडबैग, जूते और बेल्ट भी बनाए जाते हैं। सांप की स्किन का रंग अनोखा होता है। इनसे बनीं चीजें लग्जरी कैटेगरी में शुमार हैं और मार्केट में बहुत महंगी बिकती हैं। 2023 में पाइथन स्किन का एक बैग करीब 3.7 लाख रुपए में बिका था। मुंबई में पकड़े गए इंडोनेशियाई पिट वाइपर की चटकीली हरी खाल फैशन इंडस्ट्री में आकर्षक मानी जाती है। इसके अलावा सांपों की तस्करी जहर निकालने के लिए भी होती है। सांपों के जहर से दवाइयां और शराब बनती हैं। इसके अलावा सांपों के जहर से नशा भी किया जाता है।

एक्सपर्ट्स मानते हैं कि सांपों के जहर का इस्तेमाल वे लोग करते हैं, जो रेगुलर नशीले पदार्थ जैसे मॉर्फीन और कोकीन से ऊब जाते हैं। दो साल पहले यूट्यूबर एल्विश यादव को स्नेक बाइट यानी सांप से कटवाकर नशा करने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। जर्नल ऑप साइकोलॉजिक मेडिसिन के मुताबिक,

सांप के जहर का थोड़ा अमाउंट लिया जाए तो इसका साइकोएक्टिव इफेक्ट होता है। यानी ये इंसान के नर्व सिस्टम को धीमा कर देता है। कुछ स्टडी में ये भी सामने आ चुका है कि कोबरा के जहर में मॉर्फीन ड्रग जैसा नशा होता है। सांप के जहर से नशा करने के लिए सांप से डसवाया जाता है, जिसके अलग-अलग तरीके होते हैं। नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी एनसीबी के अफसरों के मुताबिक, सांप के जहर से बने स्नेकबाइट पाउडर को ड्रिंक्स के साथ मिलाकर पिया जाता है। इस पाउडर में सबसे ज्यादा इस्तेमाल कोबरा के जहर का होता है। इसका नशा कुछ घंटे से लेकर पूरे दिन तक हो सकता है, जो जहर की मात्रा पर डिपेंड करता है।

सांपों के जहर में प्रोटीन, एंजाइम, पेप्टाइड्स और अन्य बायोएक्टिव केमिकल्स होते हैं। इस वजह से इसे दवाएं बनाने और शराब बनाने में इस्तेमाल किया जाता है। भारत में हैदराबाद के हाफकिन इंस्टीट्यूट या इरुला स्नेक कैचर्स को-ऑपरेटिव में कोबरा, क्रेट, रसेल वाइपर और सॉ-स्केल्ड का जहर निकाला जाता है। सांप के जहर से दवा बनाने के लिए इसे सुखाकर पाउडर बनाया जाता है, फिर इसमें से प्रोटीन, एंजाइम और पेप्टाइड्स को अलग किया जाता है। लैब में जांच के बाद इन एलीमेंट्स से एंटी-वेनम, हाई ब्लडप्रेशर, कैंसर, पेनकिलर्स और खून को पतला करने की दवाएं बनती हैं। वहीं, शराब बनाने के लिए जिंदा या मरे हुए सांप को एक बोतल में रखकर उसमें चावल, गेंहू या फिर अन्य अनाज की शराब को डाला जाता है। फिर किण्वन यानी फर्मेंटेशन के बाद इससे शराब बनती है। दुनियाभर में सांपों के जहर का कारोबार वैध और अवैध दोनों रूप से चलता है। कानूनी रूप से सांप के जहर का इस्तेमाल दवाएं बनाने में होता है। चीन में तो सांपों की खेती और कारोबार किया जाता है। यहां के जिसिकियाओ गांव में इन्हें पाला जाता है। बाद में इनके जहर को फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री को बेच दिया जाता है। कोबरा सांप का जहर वैध रूप से 5,000 से 25,000 रुपए तक में बिकता है। किंग कोबरा के एक गैलन यानी करीब 3.7 लीटर जहर की कीमत 1.3 करोड़ रुपए तक होती है। अगर इस जहर की तस्करी की जाए, तो कीमत कई गुना तक बढ़ जाती है।

फरवरी 2021 में बांग्लादेश से तस्करी कर भारत लाया जा रहा सांप का जहर पकड़ा गया। यह करीब 4 lbs यानी 1,814 ग्राम जहर था। डिवीजन फॉरेस्ट ऑफिसर के मुताबिक, पकड़ा गया जहर करीब 120 डॉलर यानी 10,000 रुपए प्रति ग्राम में बिकता है। यानी इस जहर की कीमत 1.81 करोड़ रुपए होनी चाहिए, लेकिन ब्लैक मार्केट में यह करीब 24 करोड़ रुपए तक में बिक सकता है। जानवर बेचनी वाली कंपनी अंडरग्राउंड रेपटाइल्स की वेबसाइट पर इंडोनेशियाई पेट वाइपर की कीमत 500 डॉलर यानी करीब 43,000 रुपए है। यानी मुंबई एयरपोर्ट पर पकड़े गए ऐसे 43 सांपों की कीमत करीब 18.5 लाख रुपए होनी चाहिए।

शादी करवाने इमाम-मौलाना 1100 रुपये से ज्यादा नहीं ले सकेंगे

छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड का आदेश; निकाह पढ़ाने ज्यादा डिमांड की शिकायत मिल रही थी

रायपुर, 4 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में निकाह पढ़ाने वाले मौलवी 1100 रुपए से ज्यादा नहीं ले सकेंगे। इसके लिए छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड ने आदेश जारी किया है।

बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने यह आदेश सभी वक्फ संस्थाओं (मस्जिद, मदरसा, दरगाह) के मुतवल्लियों को भेजा है। जारी आदेश में कहा गया है कि, छत्तीसगढ़ में अब निकाह पढ़ाने के लिए इमाम/मौलाना की तरफ से जो नजराना या उपहार लिया जाता है, वो 1100 रुपए से अधिक ना हो। दरअसल, इससे पहले शिकायत मिल रही थी कि, मौलाना ने 5100 रुपए नजराना-उपहार नहीं देने पर निकाह पढ़ाने से इनकार कर दिया था। राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने बताया कि, कुछ दिनों से शिकायतें मिल रही थी। मौलाना निकाह के बाद मिलने वाले नजराने को मनमाने तरीके से डिमांड कर रहे थे। एक जगह तो किसी एक इमाम-मौलाना ने निकाह पढ़ाने के लिए 5100 रुपए नजराना-उपहार नहीं दिए जाने पर निकाह पढ़ाने से इनकार कर दिया और वहां से चले गए थे। वक्फ बोर्ड की ओर से कहा गया है कि, इस तरह की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए डॉ. राज ने यह आदेश जारी किया है।

पुल से टकराई कार, एनएसयूआई नेता और मां की मौत

धमतरी, 4 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में एक सड़क हादसे में मां-बेटे की मौत हो गई। जबकि पिता गंभीर रूप से घायल है। बेटा जयकांत देवांगन (26) अपनी मम्मी पापा को लेकर एक शादी समारोह में दुर्ग गया था, मंगलवार रात लौटते समय उनकी कार पुल की दीवार से टकरा गई। मामला सिहावा थाना क्षेत्र का है। टांगापानी और घोरागांव के बीच स्थित पुल पर यह हादसा हुआ। जानकारी के मुताबिक, बेटा कार चला रहा था, पिता बगल वाली सीट पर बैठे थे, मां पीछे बैठी थी। टक्कर इतनी तेज थी कि सीट पीछे खिसक गया और कार के चारों एयर बैग भी खुले फिर भी मां बेटे का सिर फट गया और मौके पर ही मौत हो गई। जयकांत बेलरगांव में एनएसयूआई ब्लॉक अध्यक्ष रह चुके थे। पिता बर्तन और ज्वेलरी की शॉप चलाते हैं।

80-90 की स्पीड में थी कार

बताया जा रहा है, घटना के वक्त कार 80-90 की स्पीड में थी। देवांगन परिवार ने 3 महीने पहले ही क्रेटा कार खरीदी थी। कार में अभी भी स्वास्तिक का निशान बना हुआ है। हादसे में कार के सामने का हिस्सा पूरी तरह से डैमेज हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद घायलों को तुरंत नगरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां मां-बेटे को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, पिता की हालत को देखते हुए उन्हें धमतरी रेफर किया गया। पिता त्रिलोक देवांगन के कमर में चोट आई है। उनका इलाज निजी अस्पताल में जारी है। वे शहर के प्रतिष्ठित व्यापारी हैं, उनकी बर्तन और ज्वेलरी की दुकान है।

'युवा भी समझें कि माओवाद क्या है?'

विजय शर्मा बोले-नक्सलियों ने बस्तर के लोगों को बना रखा था गुलाम

रायपुर, 4 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने चीन के बीजिंग में 1989 में हुए तियानमेन स्क्वायर हत्याकांड पर कहा कि आज का दिन याद रखने लायक है। खासतौर पर छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए, क्योंकि माओवादियों ने यहां के लोगों को गुमराह किया है। उनकी गलतफहमियों को दूर करने के लिए युवाओं को यह जानना जरूरी है कि माओवाद क्या है? इसीलिए मैं आज इस बारे में ऑनलाइन संवाद कर रहा हूं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि "नौजवान साथियों को जानकारी होनी चाहिए के माओवाद क्या है, यह कहां से शुरू हुआ और कैसे शुरू हुआ, इसे नौजवानों को समझना होगा। छत्तीसगढ़ और केंद्र की वर्तमान सरकारें इससे निपटने के लिए क्या कर रही हैं, यह नौजवानों को समझना है। मेरा नौजवान साथियों से निवेदन है कि आपके हाथ में सोशल मीडिया की बड़ी ताकत है, आपके बीच में कोई भी समाचार तरंग की तरह आगे बढ़ता है। मेरा आपसे निवेदन है कि आप अपने सोशल मीडिया का उपयोग इन बातों के लिए जरूर करें।" उन्होंने कहा कि 1989 में बीजिंग के तियानमेन चौक पर इसलिए नरसंहार किया गया, क्योंकि कुछ नौजवानों ने वहां लोकतंत्र की मांग की थी। उन्होंने कहा कि चीन में लोकतंत्र न हो इसलिए हजारों नौजवानों को मौत के घाट उतार दिया गया था। चीन में पूरी जनता लाल सेना की गुलाम है। वैसा ही गुलाम उन्होंने (माओवादियों ने) बस्तर के लोगों को बना रखा है। चीन में गांव में सरकार को फैक्ट्री खोलनी है तब क्या पंचायत अनुमति देती है। चीन में खदान खोलना है तब क्या किसी जनप्रतिनिधि से पूछा जाता है। क्या वहां पंचायतें प्रस्ताव करती हैं। हमारे यहां खदान खोलनी है तब पंचायत जब तक अनुमति नहीं देती, तब तक बड़ी से बड़ी कंपनियां काम नहीं कर पातीं। यह लोकतंत्र की ताकत है। यहां ताकत जनता के हाथ में है। व्यवस्थाओं में कुछ कमी होती है तब पहले चर्चा की जाती है। हल नहीं होने पर चेतावनी देकर आंदोलन किया जाता है। क्या धरना आंदोलन करने वालों को गोली मार दी जाए? यह माओवाद सिखाता है कि ऐसे लोगों को गोली मार दी जाए।

वहीं दुर्ग जिले में गिरफ्तार किए गए दो बांग्लादेशी नागरिकों को लेकर डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा कि इसमें कई अपराधी पकड़े गए हैं। मैं स्वीकार करता हूं कि पकड़े गए इससे ज्यादा अपराधी हैं। इसे लेकर प्रदेश में नियम और कायदे के तहत काम हो रहा है। इसे और बेहतर किया जा रहा है।

दुर्ग-भिलाई में 2 और बांग्लादेशी पकड़ाए, अब-तक 7 अरेस्ट

भिलाई, 4 जून (एजेंसियां)। दुर्ग पुलिस जिले में पुलिस ने 2 और बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। दोनों पिछले करीब 6-8 महीने से कैंप क्षेत्र में रह रहे थे। एसटीएफ और छावनी थाना की संयुक्त टीम ने घुसपैठियों की पहचान कर दोनों को पकड़ा। आरोपी करीब 12 साल पहले बॉर्डर पार से भारत में घुसे। इसके बाद मोहम्मद अली शेख और साथी शेख दक्षिण 24 परगना (पं.बंगाल) के पते पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर ठिकाने बदल-बदल कर रहने लगे। बता दें कि दुर्ग जिले में पुलिस ने अब तक कुल 7 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है।

भिलाई में 12 सालों से रह रहे थे एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि अमन लकड़ी टाल के पास कैंप 2 में कुछ बांग्लादेशी किराए के मकान में रह रहे हैं। वो लोग यहां लगभग 10-12 सालों से निवासरत हैं। पुलिस की टीम 3 जून को वहां पहुंची। एसपी पद्मश्री तवंर के मुताबिक गिरफ्तार बंगलादेशी युवक को पश्चिम बंगाल का एक युवक यहां गार्ड की नौकरी लगाने के नाम से लाया था। उसके बाद युवक वापस पश्चिम बंगाल लौट गया। इसके बाद दोनों पति-पत्नी यहां डेली बेसिस पर जो काम मिलता था जैसे घरेलू, टेंट हाउस, मजदूरी का काम कर रहे थे। पुलिस बंगलादेशी युवक और युवती को लाने वाले आरोपी की तलाश कर रही है।

फर्जी दस्तावेज तैयार किए

पुलिस ने उस मोहल्ले और उस घर में रह रहे लोगों के आधार, पैन, बैंक पासबुक और अन्य दस्तावेजों की जांच की। इस दौरान उन्हें पता चला कि मोहम्मद अब्दुल रौब हुसैन (48 साल) पिता अब्दुल सत्तार खंदोकर, मूल निवासी जिला जेस्सोर बांग्लादेश और साथी खातून पिता मोहम्मद जमशेर सरदार निवासी जिला जेस्सोर बांग्लादेश के रहने वाले हैं।

पीएम मोदी पर अश्लील टिप्पणी को लेकर बवाल

भिलाई में बीजेपी कार्यकर्ताओं का थाने में हंगामा, हिरासत में कांग्रेस नेता

बिलासपुर में पूर्व-विधायक पर एफआईआर

भिलाई/बिलासपुर, 4 जून (एजेंसियां)। दुर्ग-भिलाई जिले में ऑपरेशन सिंदूर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर फेसबुक पोस्ट पर अश्लील टिप्पणी करने के मामले में भाजपा नेताओं ने मंगलवार रात जमकर बावल किया। उन्होंने वैशाली नगर थाने जाकर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता बृजमोहन सिंह के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

वैशाली नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर बृजमोहन सिंह को हिरासत में लिया। पुलिस ने जब तक कांग्रेस नेता को हिरासत में नहीं लिया भाजपा नेता देर रात तक थाने में हंगामा करते रहे। वहीं बिलासपुर जिले में भी कांग्रेस के पूर्व विधायक अरूण तिवारी के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। अरूण तिवारी ने भी ऑपरेशन सिंदूर को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट किया था। भाजपा कार्यकर्ता ने इसकी शिकायत की है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। आपको बता दें कि 3 दिन पहले किसी ईश्वर दुबे नाम के व्यक्ति ने अपने फेसबुक में ऑपरेशन सिंदूर और भाजपा को लेकर गलत टिप्पणी की थी। उस पोस्ट पर इस पर टिप्पणी करते हुए बृजमोहन सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर अश्लील टिप्पणी पोस्ट कर दी। जैसे ही इस बात की जानकारी भाजपा नेताओं को हुई, उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। शरद गुप्ता, नितेश मिश्रा, स्वीटी कौशिक सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता वैशाली नगर थाने मंगलवार रात पहुंच गए। उन्होंने थाने में लिखित शिकायत दी और मामला दर्ज करने की मांग की। भाजपा नेताओं ने कहा कि बृजमोहन सिंह वैशाली नगर विधानसभा से कांग्रेस के प्रत्याशी रह चुके हैं। कई बड़े पदों की जिम्मेदारी संभाली है। पीएम मोदी पर इस तरह अभद्र टिप्पणी करना पीड़ादायक और अशोभनीय है। सीएसपी भिलाई नगर सत्य प्रकाश तिवारी ने कहा कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

बिलासपुर के शनिचरी बाजार में आग से 22 दुकानें खाक

तेल, किराना, कॉस्मेटिक और कपड़ा दुकानें चपेट में आई; 50-60 लाख का नुकसान

बिलासपुर, 4 जून (एजेंसियां)। बिलासपुर के शनिचरी बाजार में रात ढाई बजे भीषण आग लग गई। आग की वजह से करीब 22 दुकानें जलकर राख हो गई। शनिचरी बाजार में तेल, कॉस्मेटिक, किराना समेत कई दुकानें आग की चपेट में आई। घटना की सूचना पाकर पहुंची दमकल की संयुक्त टीम ने 3-4 घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बाजार की गलियां तंग होने की वजह से आग पर काबू पाने पुलिस, प्रशासन और दमकल की टीम को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

अजय चंद्राकर ने कहा : स्टड फार्म चला रहे हैं राहुल गांधी

छत्तीसगढ़ में उनके 'घोड़े बीमार', अब वो वहीं रहने लायक

रायपुर, 4 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री और कुरुद विधायक अजय चंद्राकर ने सांसद राहुल गांधी के बयान पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी कोई राजनीतिक पार्टी नहीं चला रहे हैं, बल्कि ऐसा प्रतीत होता है कि वह कोई स्टड फार्म चला रहे हैं और घोड़े की खेती कर रहे हैं। वे घोड़ों के बारे में नॉलेज बढ़ा रहे हैं। उन्हें तो कांग्रेस पार्टी का नाम बदलकर स्टड फार्म गांधी परिवार प्राइवेट लिमिटेड कर देना चाहिए।

वरिष्ठ बीजेपी विधायक चंद्राकर ने कहा कि जिस तरह चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन को देखा जाए, खासकर राहुल गांधी के सक्रिय राजनीति में आने के बाद उनके प्रदर्शन को देखे तों, तो साफ दिखता है कि वे खुद ही पार्टी के लिए एक लंगड़े घोड़े साबित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में राहुल गांधी के सभी घोड़े बीमार हो गए हैं। छत्तीसगढ़ के सभी कांग्रेस नेताओं को किसी स्टड फार्म में भर्ती कर देना चाहिए, जहां बीमार घोड़ों के इलाज और देखरेख के लिए अस्पताल होता है। अब वे वहीं रखने लायक हो गए हैं। अंबानी ने जामनगर में पशुओं के देखरेख के लिए जो 'वनतारा' बनाया है, छत्तीसगढ़ के कांग्रेसियों को वहीं भेज देना चाहिए।

यूएन में बिलावल के झूठ को पत्रकार ने पकड़ा

भुट्टो ने कहा था-भारत ने पहलगाम हमले की आड़ में मुस्लिमों की छवि खराब की

इस्लामाबाद, 4 जून (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मुख्यालय में देर रात एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पाकिस्तानी नेता बिलावल भुट्टो जरदारी के झूठ को एक पत्रकार ने मौके पर ही पकड़ लिया। बिलावल ने आरोप लगाया कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले को भारत सरकार राजनीतिक मकसद से इस्तेमाल कर रही है ताकि भारत के मुसलमानों को बदनाम किया जा सके। इस पर एक पत्रकार ने कहा कि, आप कह रहे हैं कि हालिया आतंकी हमले का इस्तेमाल भारत में मुस्लिमों को बदनाम करने के लिए किया जा रहा है, लेकिन मैंने खुद भारतीय सेना की ब्रीफिंग्स देखी हैं, और उसमें मुस्लिम अधिकारी ही शामिल थे। दरअसल भारत की तरफ से दो महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी प्रेस ब्रीफिंग कर रही थीं।

बिलावल बोले-पाकिस्तान शांति चाहता है

बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि पाकिस्तान भारत के साथ शांति चाहता है, लेकिन यह शर्तों के साथ नहीं हो सकती। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि भारत ने कश्मीर के पहलगाम में हुई एक घटना के लिए बिना किसी जांच या सबूत के पाकिस्तान को दोषी ठहराया, जबकि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस घटना की जांच में मदद की पेशकश की थी। बिलावल भुट्टो ने आरोप लगाया कि भारत ने सीमा पार कर के निर्दोष लोगों को निशाना बनाया है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान हर तरह के आतंकवाद की निंदा करता है और इस लड़ाई में उसने बहुत भारी कीमत चुकाई है। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव पर चिंता जताई और कहा कि दोनों देश परमाणु शक्ति संपन्न हैं, इसलिए हालात काफी गंभीर हो सकते थे।

भारत की तरह पाकिस्तान ने भी विदेश में डेलिगेशन भेजा

पाकिस्तान ने भी भारत की तरह विदेशों में अपनी बात रखने के लिए डेलिगेशन भेजा है। इस प्रतिनिधिमंडल में कुल 9 सदस्य शामिल हैं।

इसकी अध्यक्षता पूर्व विदेश मंत्री और पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी कर रहे हैं।यह प्रतिनिधिमंडल न्यूयॉर्क, वाशिंगटन डीसी, लंदन और ब्रुसेल्स का दौरा करेगा। इस डेलिगेशन में जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. मुसद्दिक मलिक, पूर्व सूचना मंत्री शेरी रहमान, विदेश मामलों की संसदीय समिति की अध्यक्ष हिना रब्बानी खार, पूर्व रक्षा मंत्री खुर्रम दस्तगीर खान शामिल हैं। इनके अलावा समुद्री मामलों के पूर्व मंत्री सैयद फैसल अली सबजवारी, सीनेटर बुशरा अंजुम बट पूर्व विदेश सचिव जलील अब्बास जिलानी और तहमीना जंजुआ को भी इस प्रतिनिधिमंडल में रखा गया है।

द्वितीय विश्व युद्ध के समय के विस्फोटकों के चलते खाली कराया गया शहर

20 हजार लोगों को निकाला गया

बर्लिन, 4 जून (एजेंसियां)। जर्मनी के कोलोन्गे शहर में हाल ही में द्वितीय विश्व युद्ध के समय के तीन विस्फोटकों के मिलने के बाद शहर को खाली कराया जा रहा है। अब तक शहर के 20 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। इन बमों को निष्क्रिय किया जाएगा। दावा किया जा रहा है कि यह कोलोन्गे में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह सबसे बड़ा निकासी अभियान है।

जर्मनी में मिलते रहते हैं द्वितीय विश्व युद्ध के समय के बम

द्वितीय विश्व युद्ध को 80 साल हो चुके हैं, लेकिन अभी भी जर्मनी में द्वितीय विश्व युद्ध के समय गिराए गए बम मिलते रहते हैं। इस तरह के बमों को निष्क्रिय करने के लिए निकासी अभियान चलाए जाते हैं। ऐसा ही निकासी अभियान अब चलाया जा रहा है। चूंकि इस बार बम कोलोन्गे शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके और शहर के केंद्र में है, इसलिए निकासी अभियान बहुत बड़ा है। जिस जगह बम मिले हैं, उसके 1000 मीटर के दायरे में लोगों को निकाला जा रहा है।

भारतीय हज मिशन ने तैनात की सहायता टीम

मीना यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों की करेगी मदद

रियाद, 4 जून (एजेंसियां)। सऊदी अरब में हज यात्रा जारी है। भारतीय हज यात्री मक्का से मीना की ओर बढ़ रहे हैं। इस बीच, भारतीय हज मिशन ने तीर्थयात्रियों की मीना यात्रा के लिए सहायता दलों को तैनात किया है। भारतीय हज तीर्थयात्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, हज यात्रियों का मीना के लिए प्रस्थान शुरू हो गया है।

'टीम इंडिया' के अधिकारी भारतीय हज यात्रियों को मीना के निर्धारित कैंपों तक परिवहन सेवाओं के लिए सहायता कर रहे हैं। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने हज करने वाले भारतीय यात्रियों को शुभकामनाएं दीं और उनकी सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, इस साल हज करने वाले सभी भारतीय यात्रियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। हमारा हज मिशन, अधिकारियों और टीमों के नेतृत्व में, सऊदी प्रशासन के साथ पूरी तरह तैयार है। प्रशासनिक और चिकित्सा टीमें मीना के सभी कैंपों में मौजूद रहेंगी।

किसी भी सहायता के लिए हज सुविधा ऐप या टोल-फ्री नंबर का उपयोग करें। आपका हज सुगम, धन्य और आध्यात्मिक रूप से पूर्ण हो।

इससे पहले, सोमवार को भारत के सऊदी अरब में राजदूत सुहेल एजाज खान ने मुख्य अनुष्ठानों से पहले भारतीय हज यात्रियों को संबोधित किया। उन्होंने शुभकामनाएं दीं और पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया, साथ ही प्रशासनिक और चिकित्सा कर्मियों की उपस्थिति पर जोर दिया। इस बीच, जेद्दा के भारत के महावाणिज्य दूत फहद अहमद खान सूरी ने मशाएर क्षेत्र (मीना का टेंट शहर और मुजदलिफा और अराफात के मैदान) में भारतीय हज यात्रियों के लिए चिकित्सा देखभाल और सहायता की व्यवस्थाओं पर एक ब्रीफिंग की अध्यक्षता की।

इस सत्र में भारतीय हज काउंसलर मुहम्मद अब्दुल जलील और हज 2025 के लिए तैनात 'टीम इंडिया' के अधिकारियों, डॉक्टरों और नर्सों ने हिस्सा लिया। पिछले हफ्ते, हज यात्रा पर गए भारतीयों ने भारत सरकार द्वारा दी गई व्यवस्थाओं और सुविधाओं की गुणवत्ता की सराहना की, जो सऊदी अरब में सभी के लिए एक सुगम और निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करती हैं।

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'हज कमेटी ऑफ इंडिया के माध्यम से हज 2025 के लिए गए भारतीय तीर्थयात्री भारत सरकार के प्रबंधन और वहां दी जा रही सुविधाओं से बहुत खुश हैं। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय का निरंतर प्रयास है कि प्रत्येक हज यात्री के लिए यात्रा आरामदायक और सम्मानजनक हो।

आतंक फैलाने वाले पाकिस्तान को यूनेस्को में बड़ी जिम्मेदारी

तालिबान प्रतिबंध कमेटी का अध्यक्ष बना, आतंक रोकने वाले समिति का उपाध्यक्ष भी बना

न्यूयॉर्क, 4 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। तालिबान प्रतिबंध समिति को 1988 समिति के तौर पर भी जाना जाता है। गुयाना और रूस इस समिति के उपाध्यक्ष के रूप में काम करेंगे। यह समिति उन व्यक्तियों, समूहों और संस्थाओं की आर्थिक संपत्ति फ्रीज करने, यात्रा और हथियारों पर प्रतिबंध लगाने जैसे फैसले लेती है, जो अफगानिस्तान की शांति, स्थिरता और सुरक्षा के लिए खतरा माने जाते हैं। पाकिस्तान अब तालिबान प्रतिबंध समिति से जुड़ी बैठकों की अध्यक्षता करेगा, सिफारिशें तैयार करेगा और सदस्यों के बीच सहमति बनाने में मदद करेगा। तालिबान प्रतिबंध समिति पहले आईएसआईएल और अल-कायदा से जुड़े आतंकियों की निगरानी करती थी। बाद में इसे यूएनएससी के प्रस्ताव 1988 के तहत 2011 में फिर से अलग रूप में संगठित किया गया, ताकि इसे तालिबान पर केंद्रित किया जा सके। रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान को तालिबान पर प्रतिबंध लगाने वाली समिति की कमान मिलने के बाद अगर वह तालिबान के खिलाफ सख्त एक्शन लेता है तो इससे उसके संबंधों पर असर पड़ सकता है। पाकिस्तान को यह जिम्मेदारी ऐसे समय में मिली है, जब उसका वह तालिबान से संबंध सुधारने की कोशिश कर रहा है। पिछले महीने ही चीन के जरिए तालिबान और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों की मुलाकात हुई थी। इसके अलावा पाकिस्तान को आतंकवाद रोधी समिति (1373 काउंटर टेररिज्म कमेटी) का उपाध्यक्ष भी बनाया गया है।

ट्रम्प से अलग होते ही फूटा मस्क का गुस्सा

फंडिंग बिल को बेतुका और फिजूलखर्ची बताया, कहा-संसद देश को दिवालिया बना रही, यह असहनीय

वॉशिंगटन, 4 जून (एजेंसियां)। टेस्ला के मालिक इलॉन मस्क ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नए फंडिंग बिल की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर इसे घिनौना और शर्मनाक बताया है। मस्क ने अपने पोस्ट में लिखा, मैं अब और सहन नहीं कर सकता। यह बिल बहुत बड़ा, बेतुका और फिजूल खर्चों से भरा है। जिन लोगों ने इसके पक्ष में वोट दिया, उन्हें शर्म आनी चाहिए। मस्क ने कहा कि इस बिल से अमेरिका का बजट घाटा 2.5 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस (संसद) देश को दिवालिया बना रही है। एक दूसरे पोस्ट में मस्क ने कहा कि अगले साल नवंबर में हम उन सभी राजनेताओं को हटाएंगे, जिन्होंने जनता को धोखा दिया है।

क्या है यह फंडिंग बिल

इस बिल का नाम वन बिग ब्यूटिफुल बिल एक्ट है। यह ट्रम्प के 2017 के टैक्स कट्स को आगे बढ़ाता है। इसके अलावा सेना और बॉर्डर सुरक्षा पर खर्च बढ़ाता है। इसके बदले गरीबों को मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाएं, फूड सपोर्ट और अन्य योजनाओं में कटौती की जा रही है। सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक, यह बिल अगले 10 साल में अमेरिका के कर्ज में करीब 3.8 ट्रिलियन डॉलर का इजाफा करेगा। अभी अमेरिका पर कुल 36.2 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज है। इनकम टैक्स और एस्टेट टैक्स में 2017 में की गई कटौती को स्थायी बनाना, टैक्स कटौती को बढ़ाने का भी प्रस्ताव। ओवरटाइम और सोशल सिक्योरिटी इनकम पर टैक्स कटौती का प्रस्ताव। व्हाइट हाउस का कहना है कि सालाना 30 से 80 हजार डॉलर की कमाई वालों को अगले साल 15% कम टैक्स देना होगा। अवैध इमिग्रेशन रोकने के लिए बॉर्डर सिक्योरिटी और अमेरिकी सेना को मजबूत करने पर ज्यादा खर्च करना। सरकार में फिजूलखर्ची, धोखाधड़ी और दुरुपयोग रोकने के लिए कड़े इंतजाम। डेब्ट सीलिंग यानी सरकार कितना कर्ज ले सकती है, उसकी सीमा बढ़ाना। ये सीमा समय-समय पर बढ़ानी पड़ती है ताकि सरकार अपने बिल और खर्चे चुका सके।

ट्रम्प अपने फैसले पर कायम

ट्रम्प ने इस बिल की तारीफ करते हुए कहा कि यह अविश्वसनीय है और बजट घाटा कम करता है। उन्होंने संकेत दिया कि वो और बड़े टैक्स कट्स चाहते हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लीविट ने कहा कि राष्ट्रपति को मस्क की राय पहले से पता है और वे बिल को सही मानते हैं। इलॉन मस्क ने 29 मई को ट्रम्प प्रशासन का साथ छोड़ दिया था। वह डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डोज) में सलाहकार की भूमिका में थे। उन्होंने अपना कार्यकाल खत्म होने से एक दिन पहले इस बिल को लेकर नाराजगी जताते हुए पद से इस्तीफा दे दिया था। मस्क ने न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि डोज का मकसद खर्चों में कटौती करना है और यह बिल उसके खिलाफ है।

यूएस के प्रस्ताव की ईरान के सर्वोच्च नेता ने की आलोचना

यूरेनियम संवर्धन क्षमता बनाए रखने पर जोर

तेहरान, 4 जून (एजेंसियां)। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने बुधवार को परमाणु समझौते पर अमेरिका के प्रस्ताव की आलोचना की और कहा कि यह ईरान के विचार के पूरी तरह से खिलाफ है। खामेनेई ने हालांकि अमेरिका के साथ संभावित परमाणु समझौते की संभावना से इनकार भी नहीं किया। खामेनेई ने इस बात पर जोर दिया कि ईरान को यूरेनियम संवर्धन की क्षमता बनाए रखने पर फोकस करना चाहिए।

ईरान का फोकस यूरेनियम संवर्धन क्षमता बनाए रखने पर

खामेनेई ने कहा कि 'अगर हमारे पास 100 परमाणु ऊर्जा संयंत्र हैं और हमारे पास संवर्धन की क्षमता नहीं है, तो वे सारे परमाणु ऊर्जा संयंत्र हमारे लिए बेकार हैं। अगर हमारे पास संवर्धन नहीं है, तो हमें अमेरिका के सामने हाथ फैलाना होगा।' गौरतलब है कि कई परमाणु शक्ति संपन्न देश अभी भी बाहरी देशों से संवर्धित यूरेनियम लेते हैं। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु समझौते पर बात हो रही है और अभी तक दोनों देशों के बीच पांच दौर की बातचीत हो चुकी है। अमेरिका द्वारा ईरान को क्या प्रस्ताव दिया गया है, इसकी जानकारी भी सामने नहीं आई है।

ईरान के साथ परमाणु समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्राथमिकताओं में से एक है। समझौते के तहत अमेरिका, ईरान को कठोर आर्थिक प्रतिबंधों से राहत दे सकता है, जिसके बदले में ईरान को अपने यूरेनियम संवर्धन को समाप्त करना होगा। हालांकि समझौते पर अभी तक कोई सहमति नहीं बनी है। दूसरी तरफ इस्राइल-हमास युद्ध के चलते पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा हुआ है।

ली जे-म्यांग दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति चुने गए

सियोल, 4 जून (एजेंसियां)। डेमोक्रेटिक पार्टी (डीपी) के उम्मीदवार ली जे-म्यांग बुधवार को साउथ कोरिया के नए राष्ट्रपति चुने गए हैं। यह जीत कई महीनों की उथल-पुथल के बाद आई, जिसमें उनके पूर्व प्रतिद्वंद्वी को मार्शल लॉ लागू करने की असफल कोशिश के कारण महाभियोग और पद से हटाया गया था।

योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार यून के दिसंबर में मार्शल लॉ लगाने की असफल कोशिश ने ली जे-म्यांग के राष्ट्रपति बनने का रास्ता बनाया, लेकिन इसने देश में राजनीतिक विभाजन को और गहरा दिया। साथ ही, अमेरिका की टैरिफ नीतियों से लेकर उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु हथियार कार्यक्रम तक कई चुनौतियों को और मुश्किल कर दिया।

सभी वोटों की गिनती के बाद, लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (डीपी) के ली जे-म्यूंग ने 49.42 प्रतिशत वोट हासिल किए, जबकि उनके कंजर्वेटिव पीपल पावर पार्टी (पीपीपी) के प्रतिद्वंद्वी किम मून-सू को 41.15 प्रतिशत वोट मिले। ली ने 1.73 करोड़ वोट हासिल किए, जो किम से 29 लाख वोट ज्यादा थे। यह किसी भी राष्ट्रपति चुनाव में अब तक के सबसे अधिक वोट हैं। इस आंकड़े ने साल 2022 के चुनाव में यून सुक योल के 1.63 करोड़ वोटों को भी पार कर दिया है। सियोल के येओउइडो में नेशनल असेंबली स्थित है। यहां से ली जे-म्यूंग ने अपने भाषण में वादा किया है कि वह 'विद्रोह' को खत्म करेंगे और 'सैन्य तख्तापलट' जैसी स्थिति को रोकेंगे। ली जे-म्यांग ने अपनी पत्नी किम हे-क्यूंग के साथ मंच पर कहा, मैं एक ऐसी दुनिया बनाने का अपना मिशन पूरा करूंगा जहां लोकतंत्र बहाल हो, लोग संप्रभु के रूप में सम्मानित हों और हम एक-दूसरे के साथ सहयोग से रहें। जैसे ही मुझे राष्ट्रपति के रूप में चयन की पुष्टि मिलेगी, मैं अर्थव्यवस्था को सुधारने और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दूंगा। पीपीपी उम्मीदवार किम मून-सू ने अपने पार्टी हेडक्वार्टर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में हार स्वीकार की और कहा कि वह लोगों के फैसले को विनम्रता से स्वीकारते हैं।

शेख मुजीबुर्रहमान अब बांग्लादेश के 'राष्ट्रपिता' नहीं, यूनुस की अंतरिम सरकार ने खत्म किया दर्जा

ढाका, 4 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने देश के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान को दिए गए 'राष्ट्रपिता' के दर्जे को खत्म कर दिया है। स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़े कानून में संशोधन करके यह बदलाव किया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में बुधवार को यह जानकारी दी गई। यह फैसला ऐसे वक्त में आया, जब कुछ दिन पहले ही मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने शेख मुजीबुर्रहमान की तस्वीर को नए मुद्रा (करेंसी) नोटों से हटा दिया है। 'ढाका ट्रिब्यून' अखबार के मुताबिक, 'अंतरिम सरकार ने 'राष्ट्रीय स्वतंत्रता सेनानी परिषद अधिनियम' में संशोधन किया है, जिससे स्वतंत्रता सेनानी की परिभाषा को बदल दिया गया है।'

ईरानी पुलिस ने लापता हुए तीन भारतीयों को बचाया

तेहरान, 4 जून (एजेंसियां)। ईरानी पुलिस ने पिछले महीने लापता हुए तीन भारतीयों को बचाया है। भारत स्थित ईरानी दूतावास ने इसकी जानकारी दी। दूतावास ने स्थानीय मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि पिछले महीने ईरान में लापता हुए तीन भारतीय नागरिकों को सफलतापूर्वक बचा लिया गया है। ये स्थानीय ट्रैवल कंपनी की ओर से आकर्षक नौकरी का वादा किए जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया जा रहे थे। तीनों व्यक्तियों की पहचान जसपाल सिंह, हुसनप्रीत सिंह और अमृतपाल सिंह के रूप में हुई है, जो पंजाब के रहने वाले हैं और पहली मई को तेहरान पहुंचने के तुरंत बाद लापता हो गए थे।

दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पुष्टि की कि तेहरान पुलिस ने लापता व्यक्तियों को मुक्त कर दिया है। ईरानी दूतावास ने पोस्ट किया, तेहरान पुलिस ने तीन लापता भारतीय नागरिकों को मुक्त करा लिया है। ईरान में स्थानीय मीडिया का कहना है कि पुलिस ने ईरान में लापता हुए तीन भारतीयों को ढूंढकर रिहा करा लिया है। ईरानी समाचार एजेंसी मेहर के अनुसार, ये लोग एक स्थानीय ट्रैवल कंपनी द्वारा आकर्षक नौकरी का वादा किये जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया जा रहे थे। तस्नीम समाचार आउटलेट के मुताबिक, तीनों को दक्षिणी तेहरान स्थित वरामिन में बंधक बनाने वालों के खिलाफ पुलिस अभियान के बाद बचाया गया। लापता व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों द्वारा अपने रिश्तेदारों के अचानक लापता होने पर गंभीर चिंता व्यक्त करने के बाद भारतीय दूतावास ने 28 मई को एक बयान जारी किया था। बयान में कहा गया है, तीन भारतीय नागरिकों के परिवार के सदस्यों ने भारतीय दूतावास को सूचित किया है कि उनके रिश्तेदार ईरान की यात्रा के बाद लापता हो गए हैं। दूतावास ने इस मामले को ईरानी अधिकारियों के समक्ष जोरदार तरीके से उठाया है और अनुरोध किया है कि लापता भारतीयों का तत्काल पता लगाया जाए और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। हम दूतावास द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में परिवार के सदस्यों को नियमित रूप से जानकारी दे रहे हैं।

रिपोर्टों से यह भी पता चला है कि परिवारों को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा एक करोड़ रुपये की फिरौती की मांग की गई थी, तथा धमकी भरे कॉल पाकिस्तानी फोन नंबरों से आए थे। इससे गंभीर चिंता पैदा कर दी, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों की ओर से कूटनीतिक बातचीत तेज हुई। भारत में ईरानी दूतावास ने इन घटनाक्रमों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ईरान के विदेश मंत्रालय का काउंसलर मामलों का विभाग इस मामले पर करीब से नजर रख रहा है।

रूस को छू भी नहीं पाएंगे यूक्रेन के विस्फोटक ड्रोन

> अंतरिक्ष में 100 सैटेलाइट लांच करने जा रहे पुतिन

मास्को, 4 जून (एजेंसियां)। रूस पर यूक्रेन के अब तक के सबसे बड़े ड्रोन हमले के बाद अब राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन बड़ा कदम उठाने जा रहे हैं। रूस ड्रोन को कंट्रोल करने के लिए अब 100 से ज्यादा सैटेलाइट अंतरिक्ष में लांच करने जा रहा है। इसके जरिए न केवल मानवरहित विमानों को कंट्रोल किया जा सकता है, बल्कि निगरानी क्षमता में भी काफी बढ़ोत्तरी हो जाएगी। रूस ने यह कदम ऐसे समय पर उठाया है जब यूक्रेन करीब 5000 किमी दूर रूसी इलाके में भीषण ड्रोन हमला करके करीब 41 बॉम्बर को तबाह कर दिया। इससे रूस को करीब 7 अरब डॉलर के हथियारों का नुकसान हुआ है। यूक्रेन इसे अपनी सबसे बड़ी सफलता मान रहा है। डिजिटल इंडस्ट्री सम्मेलन में रोसकोसमोस के डायरेक्टर जनरल दमित्रि बाकनोव ने खुलासा किया कि नए सैटेलाइट नेटवर्क में 102 उपग्रह होंगे। साथ ही एक अतिरिक्त स्पेसक्राफ्ट भी लांच किया जाएगा जो रूस के स्पेस और सुरक्षा रणनीति का हिस्सा है। बाकनोव ने कहा कि ये सैटेलाइट ड्रोन के रियल टाइम कंट्रोल और निगरानी को सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि सैटेलाइट कवरेज बढ़ने से रक्षा, संचार और रिमोट निगरानी में काफी मदद मिलेगी। अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों का कहना है कि यूक्रेन का यह भीषण ड्रोन अटैक एक तरह से रूस पर 'पर्ल हार्बर' जैसा हमला था। जापान ने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका के पर्ल हार्बर बेस पर हमला करके कई विमानों और युद्धपोतों को तबाह कर दिया था। यूक्रेन के खुफिया अधिकारियों का दावा है कि 1 जून को किए गए हमले में यूक्रेन की सुरक्षा एजेंसी एसबीयू शामिल थी। इस ऑपरेशन स्पाइडर वेब के दौरान 117 ड्रोन से हमला किया गया था। इसमें रूस को करीब 7 अरब डॉलर के हथियारों का नुकसान हुआ है।

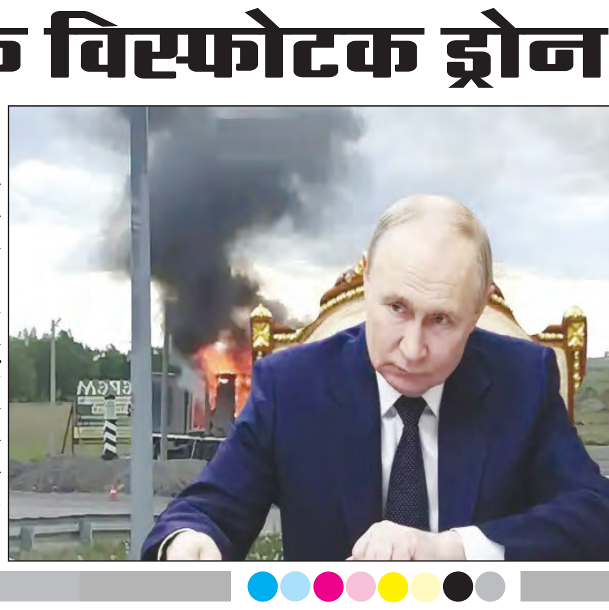

यूक्रेन का दावा-रूस और क्रीमिया को जोड़ने वाला ब्रिज उड़ाया

कीव, 4 जून (एजेंसियां)। यूक्रेन की सिक्योरिटी सर्विस ने दावा किया है कि उसने रूस और क्रीमिया को जोड़ने वाले कर्च ब्रिज को उड़ा दिया है। इस हमले में 1100 किलो विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया। यह हमला मंगलवार सुबह कर्च स्ट्रेट पर किया गया। इसके लिए कई महीने प्लानिंग की गई थी। एसबीयू ने कहा- हमने 2022 और 2023 में भी क्रीमिया पुल पर दो बार हमला किया था। आज हमने फिर से इसे निशाना बनाया। यह ब्रिज अब इमरजेंसी हालात में है।

एसबीयू ने इसका वीडियो भी शेयर किया, जिसमें पुल के एक पिलर के पास विस्फोट होता नजर आ रहा है। हालांकि, रूसी मिलिट्री ब्लॉगर्स ने दावा किया कि यह हमला नाकाम रहा। रूसी अधिकारियों ने बताया कि पुल को तीन घंटे के लिए बंद किया गया था, लेकिन अब यह सामान्य रूप से काम कर रहा है।

डिग्री से बढ़कर देश के लिए समर्पण की भावना रखें युवा

दीक्षांत समारोह में बोले राज्यपाल

बीकानेर, 4 जून (एजेंसियां)। राज्यपाल ने भारत की समृद्ध वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग विरासत का उल्लेख करते हुए रणकपुर मंदिर, गोरखपुर मंदिर और अजंता-एलोरा की गुफाओं जैसी प्राचीन स्थापत्य कला की अद्भुत मिसालों को भारत की तकनीकी उत्कृष्टता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग कॉलेजों और तकनीकी विश्वविद्यालयों की भूमिका देश के लिए सक्षम पेशेवर तैयार करने की है और बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रहा है।

राज्यपाल बागड़े ने युवाओं में बढ़ रही नशे की लत पर चिंता जताते हुए छात्रों से आह्वान किया कि वे जिम्मेदार नागरिक बनें और

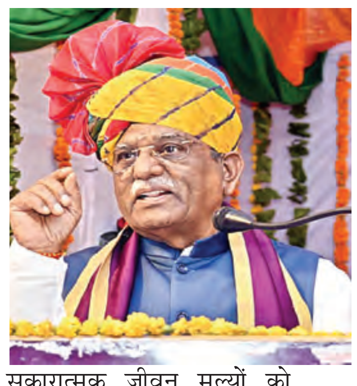

सकारात्मक जीवन मूल्यों को आत्मसात करें। उन्होंने कहा कि छात्रों को मजबूत चरित्र और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए। भारत ने कभी तक्षशिला और विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालयों के माध्यम से दुनिया में शिक्षा का नेतृत्व किया था। आज आवश्यकता है कि हम उस गौरवशाली परंपरा को पुनर्जीवित करें।

समारोह में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भी शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि राज्य ने तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति की है और आज यह अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। उन्होंने छात्रों से दीक्षांत समारोह को केवल डिग्री प्राप्ति का अवसर न मानते हुए इसे समाज और देश के प्रति अपने कर्तव्य की याद दिलाने वाला क्षण बताया।

केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने तकनीकी प्रगति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्टीम इंजन के आविष्कार से लेकर आज की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक तकनीक ने विश्व को पूरी तरह बदल दिया है। उन्होंने कहा कि तकनीकी विकास और नैतिक बल के बिना कोई भी देश प्रगति नहीं कर सकता। उन्होंने छात्रों से नवाचार, रोजगार सृजन और स्व-रोजगार को बढ़ावा देने का आह्वान किया। इस अवसर पर कुल 4,080 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं, जबकि 27 मेधावी विद्यार्थियों को राज्यपाल द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

देश का दुर्भाग्य है कि यहां जयचंद पैदा होते रहे

अपने लोगों से हारा है भारत : गुलाबचंद कटारिया

जोधपुर, 4 जून (एजेंसियां)। पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया अपने दो दिवसीय जोधपुर प्रवास के दूसरे दिन सुबह सर्किट हाउस में विश्राम के बाद नेहरू पार्क के लिए रवाना हुए। रवाना होने से पूर्व पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि यह देश का दुर्भाग्य रहा है कि यहां जयचंद जैसे लोग पैदा होते रहे हैं। यह देश दुश्मनों से कभी नहीं हारा लेकिन अपने ही जयचंदों से बार-बार हारता रहा है, यह सिलसिला आज भी जारी है।

राजस्थान को पंजाब से पानी देने के सवाल पर उन्होंने कहा- यह केंद्र सरकार का विषय है, उन्हें ही इसका समाधान निकालना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर उन्होंने कहा कि पहली बार किसी सैन्य कार्रवाई का ऐसा नामकरण किया गया है, जो हृदय को छू जाता है। हमारे देश में महिलाओं का अपमान कभी सहन नहीं किया गया। महाभारत महिलाओं के सम्मान के लिए हुआ, लंका दहन महिला के अस्तित्व की रक्षा के लिए हुआ। इस ऑपरेशन में निर्दोष बहनों ने अपने सामने गोली चलते देखी है। पूरे देश में इसको लेकर आक्रोश था और प्रधानमंत्री ने उचित समय पर उसका जवाब ब्याज सहित दिया।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने इसके बाद हलचल मचाई, ड्रोन उड़ाए और चीन के हथियारों का इस्तेमाल किया लेकिन भारत की सेना को जब हमारे प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री ने खुली छूट दी तो सेना ने दुश्मनों को करारा जवाब दिया। हमने अपने यहां बने हथियारों से उनके पटाखों को उड़ा दिया। एक ही ब्रह्मास्त्र ने दुनिया को हिला दिया।

कटारिया ने कहा- अगर थोड़ा और समय मिलता तो दुश्मनों को पूरी तरह ध्वस्त कर देते। हमने केवल आतंकवादियों को निशाना बनाया, आम जनता को नुकसान नहीं पहुंचाया, यही हमारे देश की मानवीय सोच है, जिसे पूरी दुनिया ने देखा। अब दुनिया को पता चल गया है कि यह 1962 वाला भारत नहीं है। चीन को भी इसका एहसास हो गया है। इतनी सटीकता से ऑपरेशन को अंजाम देना हमारी ताकत का परिचायक है। आज भारत कमजोर नहीं है।

जमीन के नीचे निकला 'अरबों का खजाना', निकालने की प्रक्रिया शुरू

जैसलमेर, 4 जून (एजेंसियां)। भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। पश्चिमी राजस्थान की रेतीली धरती पर ऑयल इंडिया लिमिटेड ने एक नया अध्याय लिखा है। जैसलमेर जिले के बखरिटिब्बा क्षेत्र में डिस्कवर स्मॉल फील्ड्स योजना के अंतर्गत गैस उत्पादन की शुरुआत हो चुकी है।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इस उपलब्धि की जानकारी एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। उन्होंने बताया कि ओआईएल ने विकास अवधि

के भीतर 3 सफल एमडब्ल्यूपी कुएं खोदकर 67,200 एससीएमडी प्राकृतिक गैस का उत्पादन शुरू कर दिया है, जिसे गेल और राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड को आपूर्ति की जा रही है। आने वाले समय में उत्पादन को बढ़ाकर 100 एमएमएससीएमडी तक पहुंचाने का लक्ष्य है।

हरदीप पुरी ने ओआईएल टीम की सराहना करते हुए कहा कि, "यह उपलब्धि कंपनी की मजबूती, संकल्प और जिम्मेदारी का प्रतीक है। दुर्गम रेगिस्तानी क्षेत्रों में भी ओआईएल के इंजीनियर और कर्मी हर दिन देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए लगातार प्रयासरत हैं।"

बखरिटिब्बा प्रोजेक्ट से जुड़ा यह कार्य भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रेगिस्तानी इलाकों में तेल और गैस जैसे प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करना न केवल तकनीकी चुनौती है बल्कि पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी सावधानी की मांग करता है।

इस प्रोजेक्ट से ना केवल स्थानीय क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि राजस्थान के आर्थिक विकास को भी नया बल मिलेगा। केंद्र सरकार की डीएसएफ नीति के तहत देश के छोटे और सीमांत तेल क्षेत्रों का दोहन कर ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। यह सफलता भारत के लिए एक संकेत है कि सीमांत क्षेत्रों में भी ऊर्जा की अपार संभावनाएं छिपी हुई हैं।

जल संरक्षण के लिए बनेंगे 100 एनिटक

खर्च होंगे 500 करोड़ रुपए

जयपुर, 4 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बजट घोषणाओं की समीक्षा की। सीएम ने कहा कि बजटीय प्रावधानों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में 500 करोड़ की लागत से 100 एनिकट का निर्माण कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बैठक में सीएम ने कहा कि जिन कार्यों का शिलान्यास हमारी

सरकार के कार्यकाल में हो रहा है, उनका उद्घाटन भी हमारे ही कार्यकाल में हो। इसके लिए सभी घोषणाओं को समय पर पूरा किया जाए।

निर्माण कार्यों में पारदर्शिता के निर्देश

मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता के निर्देश देते हुए कहा कि मजबूत आधारभूत संरचना प्रदेश की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। सड़क निर्माण कार्यों का फिजिकल वेरिफिकेशन अनिवार्य रूप से करवाएं। साथ ही बिजली, पानी, सीवर की लाइन डालने और सड़क बनाने के कार्य संबंधित विभाग आपसी समन्वय से करें।

5 से 20 जून तक जल संरक्षण महाअभियान

कुएं-बावड़ियों से हटेगा अतिक्रमण; जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत

जोधपुर, 4 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में 5 से 20 जून तक जल संरक्षण को लेकर विशेष महाअभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत राज्यभर में कुएं, बावड़ियों और तालाबों से अतिक्रमण हटाया जाएगा और वर्षा जल की एक-एक बूंद को संचित करने के प्रयास किए जाएंगे। यह जानकारी जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने जोधपुर में दी।

मंत्री रावत ने जोधपुर सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि जल संरक्षण अभियान के दौरान आमजन की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। साथ ही, हर दिन अलग-अलग विभागों के माध्यम से विशेष गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि नदियों, नालों, कुओं और बावड़ियों में पानी की आवक के रास्तों से अतिक्रमण हटाने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। सरकार इन जल स्रोतों को अतिक्रमण मुक्त कर पुनर्जीवित करने के लिए संकल्पबद्ध है। मंत्री रावत ने कहा कि राज्य में जल संरक्षण को लेकर सरकार पूरी तरह गंभीर है। वर्षा जल की एक-एक बूंद को संरक्षित करना हमारी प्राथमिकता है। जल स्वावलंबन के लिए जन सहयोग जरूरी है। जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत जोधपुर प्रवास पर पहुंचे। यहां उन्होंने जल स्वावलंबन पखवाड़े के अंतर्गत जन संचयन और बाढ़ नियंत्रण की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

जेजेएम को लेकर कांग्रेस पर साधा निशाना

जब मंत्री रावत से जल जीवन मिशन (जेजेएम) को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह योजना कांग्रेस सरकार के समय भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई थी। उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार ईआरसीपी (पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना) और यमुना नदी से जल आपूर्ति की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। यमुना जल परियोजना की डीपीआर तैयार की जा रही है और जल संसाधन नियंत्रण बोर्ड को भी अपग्रेड करने की घोषणा की जा चुकी है। इससे पहले जोधपुर पहुंचने पर भाजपा पदाधिकारियों ने मंत्री सुरेश रावत का भव्य स्वागत किया। इस मौके पर सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी, भाजपा देहात अध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी, भाजपा शहर अध्यक्ष राजेंद्र पालीवाल और भाजपा देहात उत्तर अध्यक्ष मनोहर पालीवाल मौजूद रहे।

डिस्कॉम का हेल्पर रिश्वत के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार

लोड कम करने के एवज में मांगे 25 हजार

जोधपुर, 4 जून (एजेंसियां)। एंटी करप्शन ब्यूरो जोधपुर की टीम ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए डिस्कॉम के एक हेल्पर को 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी ने बिजली कनेक्शन में लोड कम करने की एवज में रिश्वत की मांग की थी।

एसीबी अधिकारियों के अनुसार परिवादी का पहले लकड़ी का कारखाना था, जिसके लिए उसने अधिक लोड करवाया था। अब कारखाना बंद होने के कारण उसे कम लोड की जरूरत थी। इसके लिए उसने नांदड़ी स्थित डिस्कॉम कार्यालय में लोड कम करने के लिए आवेदन दिया। इस पर डिस्कॉम के हेल्पर ने 29,000 की रिश्वत की मांग की।

परिवादी ने एसीबी को इसकी शिकायत दी, जिसके बाद टीम ने शिकायत का सत्यापन किया। सत्यापन के दौरान आरोपी ने नॉर्मल कॉल पर ही स्पष्ट रूप से 25 हजार की डिमांड की और रिश्वत लेकर पावटा आने के लिए कहा। इसके बाद एसीबी की टीम ने इंस्पेक्टर सुनीता डूडी के नेतृत्व में कार्रवाई की योजना बनाई और ट्रैप बिछाकर आरोपी को रंगे हाथों रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया।

एसीबी की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह आरोपी पूर्व में भी इसी तरह लोगों से अवैध वसूली करता रहा है। सीधे मोबाइल कॉल पर रिश्वत मांगना उसकी निर्भीकता और दुस्साहस को दर्शाता है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि रिश्वतखोरी के इस नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल है।

सरकार की एक चूक ने रामू राम राईका की बेटी को दिलाई जमानत

जयपुर, 4 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में एसआई भर्ती परीक्षा 2021 के बहुचर्चित पेपर लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आरपीएससी के पूर्व सदस्य रामू राम राईका की बेटी शोभा राईका को 2 जून को जमानत दे दी। शोभा समेत तीन आरोपियों को मिली राहत के बाद अब सोशल मीडिया और छात्र संगठनों में नाराजगी का माहौल है। युवाओं ने सरकार की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं, क्या सरकार ने जमानत का विरोध जानबूझकर नहीं किया?

शोभा राइका को कैसे मिली जमानत?

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस संजय करोल और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने शोभा राईका की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि मामले की जांच पूरी हो चुकी है। चार्ज फ्रेमिंग की प्रक्रिया लंबी चल सकती है और 130 गवाहों की पेशी में समय लगेगा। कोर्ट ने कहा कि आरोपी का जांच पर कोई असर नहीं पड़ेगा, इसलिए उसे जमानत दी जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट शोभा राईका को जमानत देते हुए पेपर लीक से जुड़े एक अन्य मामले का हवाला दिया। कोर्ट ने अपने फैसले के लिए अंकिता गोदारा बनाम राजस्थान सरकार मामले को आधार बनाया, जिसमें अंकिता गोदारा, जो एसआई भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में आरोपी थी, को 13 मई को जमानत मिली थी।

कोर्ट के फैसले की कॉपी

हालांकि, कोर्ट ने निर्देश दिया कि सभी आरोपी समय पर अदालत में हाजिर हों और जांच एजेंसी का सहयोग करें। इसी आधार पर अंकिता गोदारा को 13 मई, प्रभा विश्नोई को 19 मई और शोभा राईका को 2 जून को जमानत दी गई।

शोभा राईका दोबारा टेस्ट में पकड़ी गई

शोभा राईका को 31 अगस्त 2023 को गिरफ्तार किया गया था। 2021 की एसआई भर्ती परीक्षा में शोभा ने पांचवीं और उनके भाई देवेश राईका ने 40वीं रैंक हासिल की थी। लेकिन राजस्थान पुलिस अकादमी में ट्रेनिंग के दौरान उनका प्रदर्शन बेहद खराब रहा। शोभा ने मूल परीक्षा में हिंदी में 200 में से 189 और सामान्य ज्ञान में 155 अंक प्राप्त किए थे।

हालांकि, एसओजी के दोबारा आयोजित टेस्ट में वे हिंदी में केवल 24 और सामान्य ज्ञान में सिर्फ 34 सवालों के जवाब दे पाईं। एसओजी की जांच में पता चला कि शोभा के पिता रामूराम राईका ने उन्हें पेपर उपलब्ध कराया था, जिसके आधार पर वे परीक्षा पास कर पाई थीं।

सरकार की चुप्पी पर उठे सवाल

इस केस में सबसे बड़ा सवाल सरकार की चुप्पी और निष्क्रियता पर उठ रहा है। बेरोजगार युवाओं की आवाज उठाने वाले मनोज मीणा ने कड़े शब्दों में सरकार से पूछा कि क्या भजनलाल जी, प्रदेश के युवाओं के साथ ऐसा धोखा क्यों? रामू राईका की बेटी को जमानत आखिर क्यों मिली?

करंट लगने से विधवा महिला सहित बेटी-दामाद की मौत

अजमेर, 4 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर जिले में बुधवार सुबह दुखद खबर सामने आई है। सावर उपखंड क्षेत्र के बिसुन्दनी गांव में निर्माणाधीन मकान की तराई के दौरान हाईटेंशन बिजली लाइन के करंट की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में विधवा महिला सहित पति-पत्नी शामिल है। वहीं, करंट लगने से एक महिला गंभीर रूप से झुलस गई। झुलसी महिला को इलाज के लिए सावर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। करंट से तीन लोगों की मौत के बाद परिजनों व स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है। अस्पताल के बाहर लोगों की भीड़ जमा है। परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया है। ग्रामीण मुआवजे की मांग और मृतक के बेटे को नौकरी देने की मांग पर अड़े हुए हैं। हादसा केकड़ी क्षेत्र के सावर थाना इलाके के बिसुन्दनी गांव में बुधवार सुबह करीब 7 बजे हुआ। बिसुन्दनी निवासी प्रेमी देवी (60) के मकान का निर्माण कार्य चल रहा था। निर्माण कार्य में सहयोग के लिए विधवा महिला की बेटी व जवाई भी आए हुए थे।

बुधवार सुबह निर्माणाधीन मकान की तराई के दौरान प्रेमदेवी, बेटी माया देवी (45), जवाई कंवरलाल (50) निवासी कादेड़ा (केकड़ी) और एक अन्य बेटी तारा देवी (22) मकान के ऊपर से गुजर रही बिजली लाइन के चपेट में आने से करंट आ गए।

करंट से प्रेम देवी, माया देवी व कंवरलाल की मौके पर मौत हो गई। घटना में तारा देवी झुलस गई। घटना के चलते मौके पर अफरा-तफरी मच गई। अचानक हुए इस हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और सावर जीएसएस में फोन करके बिजली सप्लाई बंद करवाई। सूचना मिलते ही सावर पुलिस भी मौके पर पहुंची।

दुकान में घुसी कार, दूल्हा और चचेरे भाई की मौत

बाड़मेर, 4 जून (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले के चौहटन थाना क्षेत्र में हुए एक भीषण सड़क हादसे ने शादी की खुशियों को मातम में बदल दिया। हादसे में दूल्हा लुंगाराम और उसके चचेरे भाई खेताराम की दर्दनाक मौत हो गई। शादी की खुशियों के बीच इस हादसे की वजह से परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। यह दुखद घटना चौहटन थाना क्षेत्र के बूठ राठौड़ान फांटे के पास घटी। जानकारी के अनुसार, लुंगाराम और उसका परिवार शादी के लिए सामान लेने चौहटन जा रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बोलेरो कैंपर को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक दुकान से जा टकराई और पलट गई। हादसे में दुकान के आगे खड़े दो अन्य लोग भी घायल हो गए।

एमएस बिट्टा का जोधपुर दौरा

देश की सुरक्षा-आतंकवाद और खालिस्तान मुद्दे पर जाहिर की अपनी चिंता

जोधपुर, 4 जून (एजेंसियां)। ऑल इंडिया एंटी टेररिस्ट फ्रंट के अध्यक्ष एम.एस. बिट्टा आज जोधपुर दौरे पर पहुंचे। सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने देश की सुरक्षा, आतंकवाद, सोशल मीडिया की भूमिका और खालिस्तान जैसे गंभीर मुद्दों पर अपनी चिंता जाहिर की। एम.एस. बिट्टा ने कहा कि भारत हमेशा से आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़ा रहा है और अब समय आ गया है कि हम आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित, मजबूत और अमर भारत दें। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें ऐसा भारत बनाना है कि दुश्मन सोच भी न सके। इसके लिए हमें इजराइल जैसी मजबूती अपनानी होगी।

बिट्टा ने सोशल मीडिया की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा

कि कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स अब लक्ष्मण रेखा पार कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि आज ऐसे कई मंच हैं जो उन लोगों को आवाज दे रहे हैं जिन्होंने कभी आतंकवाद को बढ़ावा दिया। उन्होंने वरिष्ठ पत्रकार ज्योति मल्होत्रा का उदाहरण देते हुए कहा कि सिर्फ वही नहीं, पंजाब में कई ऐसे 'ज्योति' हैं जो देशविरोधी विचार फैला रहे हैं।

पाकिस्तान की नापाक हरकतों को लेकर बिट्टा ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पूरा विश्व भारत के साथ खड़ा है।

डिजिटल अरेस्ट

बुजुर्ग से 23.56 लाख ठगे

जयपुर, 4 जून (एजेंसियां)। साइबर ठगों ने 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर एक 75 वर्षीय बुजुर्ग को निशाना बनाते हुए 23.56 लाख रुपये की बड़ी ठगी को अंजाम दिया है। जयपुर के इस मामले में साइबर क्राइम पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य बैंक खाताधारक सुरेश कुमार जाट उर्फ सुरेंद्र पुत्र बलबीर सिंह निवासी अलसीसर जिला झुंझुनू हाल निवास रोहिणी, नई दिल्ली को गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी साइबर अपराधियों के खिलाफ चल रहे अभियान में एक महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है। एसपी साइबर क्राइम शांतनु कुमार ने बताया कि पीड़ित ने 27 मई को जयपुर साइबर क्राइम पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 23 मई को उन्हें दो अलग-अलग मोबाइल नंबरों से कॉल आए थे। कॉल करने वाले ने खुद को मुंबई के कोलाबा पुलिस स्टेशन से संजय कुमार बताया था।

बेटी के सामने ही पति ने पत्नी को कुल्हाड़ी से काटकर मार डाला

टोंक, 4 जून (एजेंसियां)। बनेठा थाना क्षेत्र के सुरेली गांव में शराब के नशे में धुत्त एक शख्स ने कुल्हाड़ी से हमला कर अपनी पत्नी की हत्या कर दी। आरोपी ने मां के बचाव में आई पुत्री पर भी वार कर दिए। इससे वह भी घायल हो गई। मां-बेटी की चीख-पुकार सुनकर आए आस-पड़ोस के लोग आए और दोनों को अस्पताल ले कर गए। जहां चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया।

वहीं पुत्री को जिला सआदत अस्पताल में भर्ती कराया है। इधर, पड़ोसियों के आने से पहले आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। बनेठा थाना प्रभारी रामगिलास रैगर ने बताया कि मृतका काली देवी (45) पत्नी रामसहाय रैगर है। घायल पुत्री खुशबू रैगर है। उसका उपचार जारी है।

बनेठा थाना पुलिस को चिरोंज निवासी मृतका के भाई राजेंद्र रैगर ने रिपोर्ट दी है। इसमें राजेन्द्र रैगर ने बताया कि उसका जीजा रामसहाय कारीगरी का काम करता है। वह शराब का आदी है और आए दिन शराब पीकर घर आता है और नशे में पत्नी और बेटी के साथ मारपीट करता था।

रिपोर्ट में बताया कि सोमवार रात करीब 12 बजे राम सहाय शराब पीकर आया और घर के आंगन में चारपाई पर सो रही काली रैगर पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। बीच बचाव करने आई बेटी खुशबू रैगर (13) पर भी आरोपी रामसहाय ने वार किए। इसके बाद वह फरार हो गया।

हमले में दोनों मां, बेटी नीचे गिर गईं। उनकी चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी आए और दोनों को लहूलुहान हालत में कार से सआदत अस्पताल टोंक में भर्ती करवाया। जहां मां काली रैगर को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं खुशबू का इलाज जारी है।

स्वास्थ्य मंत्री ने आहार ठेकेदार को हटाने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने अधिकारियों को हैदराबाद के एर्रगड्डा में मानसिक स्वास्थ्य संस्थान (आईएमएच) में आहार ठेकेदार को तुरंत समाप्त करने का निर्देश दिया है। सोमवार, 2 जून को तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह के दौरान, आईएमएच में रोगियों को मिठाइयाँ वितरित की गईं, जिसके परिणामस्वरूप एक महत्वपूर्ण खाद्य विषाक्तता का प्रकोप हुआ, जिसने 92 व्यक्तियों को प्रभावित किया और एक की मृत्यु हो गई। अस्पताल के नॉन-डीसी वार्ड, जहां मिठाई परोसी गई थी, में मतली, उल्टी और बेचैनी की शिकायतों में तेजी से वृद्धि देखी गई। कुल 74 मरीज आईएमएच में निगरानी में हैं, जबकि 18 को अतिरिक्त उपचार के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि मरीज स्थिर हालत में हैं।

मंत्री ने बुधवार को स्थिति का आकलन करने और प्रभावित मरीजों को दी जा रही देखभाल के बारे में जानकारी लेने के लिए आईएमएच का दौरा किया। घटना के बारे में मीडिया ब्रीफिंग में मंत्री ने खेद व्यक्त किया और इस बात पर प्रकाश डाला कि यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय लागू किए जा रहे हैं कि ऐसी घटनाएं फिर न हों। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को बेहतर चिकित्सा देखभाल मिल रही है और बीमार हुए सभी व्यक्तियों की स्वास्थ्य स्थिति वर्तमान में स्थिर है। अधिक गंभीर रूप से बीमार अठारह मरीजों को उस्मानिया अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है।

गांधी और उस्मानिया अस्पतालों सहित छह चिकित्सा दल शेष रोगियों की देखभाल की देखरेख कर रहे हैं। डॉक्टरों ने आश्वस्त किया कि मरीजों की हालत जानलेवा नहीं है और उन्हें उम्मीद है कि मरीज अगले दो दिनों में ठीक हो जाएंगे, जैसा कि राजा नरसिम्हा ने बताया। मंत्री ने घटना की जांच के लिए एक समिति के गठन की घोषणा की और पुष्टि की कि रिपोर्ट प्रस्तुत होने के बाद जिम्मेदार पाए जाने वालों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि घटना के संबंध में स्थानीय पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और वे अभी भी मृतक की पहचान करने की प्रक्रिया में हैं।

भारतीय मानक ब्यूरो की भूमिका: प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने में मानक

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)।एक राष्ट्रीय मानक निकाय के रूप में, भारतीय मानक ब्यूरो पर्यावरणीय संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने में स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने वाले मानकों को विकसित और प्रचारित करके। प्लास्टिक कचरे से पर्यावरण को प्रदूषित होने से रोकने के तरीकों में से एक प्लास्टिक का पुनर्चक्रण करना है। प्लास्टिक के पुनर्चक्रण के लिए महत्वपूर्ण भारतीय मानक निम्नलिखित हैं:

प्लास्टिक कचरे/स्क्रैप के चयन, पृथक्करण और प्रसंस्करण के लिए दिशानिर्देश निर्धारित करता है। यह उपभोक्ता-पूर्व और उपभोक्ता-पश्चात स्रोतों से उत्पन्न होने वाले प्लास्टिक कचरे की रिकवरी के लिए विभिन्न विकल्पों को स्थापित करता है। यह मानक उन गुणवत्ता आवश्यकताओं को भी स्थापित करता है जिन पर रिकवरी प्रक्रिया के सभी चरणों में विचार किया जाना चाहिए।

प्लास्टिक सामग्री की उसके मूल गुणों और अनुप्रयोगों के आधार पर पहचान और वर्गीकरण के लिए है। यह मानक पुनर्चक्रित प्लास्टिक सामग्री पर लागू होता है जो बिना किसी और संशोधन के सामान्य उपयोग के लिए तैयार है।

भारतीय मानक ब्यूरो इन मानकों के माध्यम से प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने और एक स्थायी भविष्य को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पुलिस ने बुजुर्ग किसान से की मारपीट, निलंबित

निर्मल, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) को उसके अत्याचारी व्यवहार का वीडियो वायरल होने और व्यापक आक्रोश फैलने के बाद निलंबित कर दिया गया है। वह निर्मल जिले के खानपुर मंडल के पाथा येल्लापुर गांव में भू भारती विधेयक पर एक सार्वजनिक बैठक से एक बुजुर्ग किसान को घसीटते और बाहर फेंकते हुए कैमरे में कैद हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, किसान अल्लेपु वेंकटी को एएसआई रामचंदर ने जबरन बेदखल कर दिया, क्योंकि उसने अपनी संपत्ति अपने दो बेटों के नाम करने के बाद भी उसकी उपेक्षा की है। घटना स्थल पर मौजूद राजस्व अधिकारियों ने कथित तौर पर पुलिस से किसान को हटाने के लिए कहा और उस पर उपद्रव करने का आरोप लगाया।

बैठक में मौजूद साथी किसानों ने इस घटना को अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड कर लिया और यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो के कारण पुलिस की तीखी आलोचना हुई, खास तौर पर बुजुर्ग व्यक्ति की उम्र या परिस्थितियों को ध्यान में रखे बिना उसके साथ दुर्व्यवहार करने के लिए। कई नेटिजन्स और कार्यकर्ताओं ने अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

बैठक में शामिल किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि एएसआई रामचंदर ने उनकी आवाज दबाने की कोशिश की और उन्हें राजस्व अधिकारियों के सामने अपनी बात रखने की अनुमति नहीं दी। उन्होंने उनकी कथित मनमानी के लिए जवाबदेही की मांग की। लोगों के आक्रोश के बाद एएसआई रामचंदर को निलंबित कर दिया गया। निलंबन आदेश बासर रेंज के डीआईजी ने जारी किया। खानपुर के सब-इंस्पेक्टर राहुल गायकवाड़ ने अनुशासनात्मक कार्रवाई की पुष्टि की।

हैदराबाद-विजयवाड़ा राजमार्ग पर महिला की मौत

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद-विजयवाड़ा राजमार्ग पर चौटुप्पल नगरपालिका क्षेत्र में दो कारों और एक लॉरी के बीच हुई एक बड़ी सड़क दुर्घटना में 29 वर्षीय महिला श्रावणी की मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब हैदराबाद से विजयवाड़ा जा रही दो कारें आपस में टकरा गईं। टक्कर के बाद, एक कार बाईं ओर मुड़ गई और पीछे से आ रही एक लॉरी ने उसे टक्कर मार दी। लॉरी से टकराने वाली कार में सवार श्रावणी की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कार में तीन लोग सवार थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पुलिस को मलबे से उसके शव को निकालने के लिए अर्थमूवर का इस्तेमाल करना पड़ा। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राज्यपाल ने सिविल सेवा, आईएफएस परीक्षा में सफल होने वालों को सम्मानित किया

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने बुधवार को राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित एक समारोह में यूपीएससी सिविल सेवा और भारतीय वन सेवा परीक्षा-2024 में दो तेलुगु राज्यों के सफल उम्मीदवारों को सम्मानित किया। सफल होने वालों को बधाई देते हुए राज्यपाल ने उनकी सफलता को अनुशासन, दृढ़ संकल्प और दृढ़ता का परिणाम बताया। उन्होंने उन्हें सार्वजनिक सेवा के पथप्रदर्शक बताया और उनसे विनम्रता, निष्ठा और करुणा के साथ सेवा करने का आग्रह किया। आप केवल प्रतीक्षारत अधिकारी नहीं हैं, बल्कि भारत के भविष्य के निर्माता हैं। राज्यपाल ने तेलुगु राज्यों के सिविल सेवकों की विरासत की भी सराहना की और उम्मीदवारों की सफलता में परिवारों और गुरुओं द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव एम. दाना किशोर सहित वरिष्ठ अधिकारी, संकाय सदस्य एवं परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

एचसीएससी के पदाधिकारियों ने सीपी से मुलाकात की

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी सिक्योरिटी काउंसिल (एचसीएससी) के पदाधिकारियों ने डीजी एवं सीपी हैदराबाद सीवी आनंद से मुलाकात की, तथा उन्हें दुबई पुलिस द्वारा 13 मई से 16 मई 2025 तक आयोजित विश्व पुलिस शिखर सम्मेलन (डब्लूपीएस) 2025 में "एंटी-नारकोटिक्स अवार्ड में उत्कृष्टता' के लिए प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया। हैदराबाद शहर में मादक पदार्थों की तस्करी एवं सेवन को रोकने के लिए किए गए सक्रिय उपायों, हैदराबाद आयुक्तालय की सीमाओं में छात्रों एवं सामान्य समुदाय के बीच मादक पदार्थों की तस्करी पर नियंत्रण के लिए आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों तथा पिछले तीन वर्षों में इस संबंध में की गई महत्वपूर्ण उपलब्धियों के कारण उन्हें यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया।

सी. शेखर रेड्डी, महासचिव एचसीएससीके साथ अन्य पदाधिकारी प्रशांत कुमार, संयुक्त सचिव (सीएसआर फोरम), के.जी.एस.एस. श्रीकांत, संयुक्त सचिव (एंटी-नारकोटिक्स फोरम) तथा प्रवीण तंगेला, संयुक्त सचिव (साइबर फोरम) भी मौजूद थे। बैठक में विक्रम सिंह मान, आईपीएस, एडिशनल सीपी, कानून एवं व्यवस्था भी मौजूद थे। हैदराबाद सिटी सिक्योरिटी काउंसिल (एचसीएससी) एक गैर-लाभकारी संस्था है जो शहर में सुरक्षा और संरक्षा को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद सिटी पुलिस कमिश्नरेट, विभिन्न प्रतिष्ठानों, सरकारी एजेंसियों और नागरिकों को एक साथ लाती है। एचसीएससी महिलाओं की सुरक्षा, यातायात सुरक्षा, बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और साइबर सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में सक्रिय रूप से काम करती है।

सहयोग और साझेदारी के माध्यम से, एचसीएससी जागरूकता पैदा करने, प्रभावी रणनीतियों को लागू करने और सभी के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करती है।

बोत्सा सत्यनारायण राज्य में हीट स्ट्रोक के कारण बेहोश हो गए

विजयनगरम, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व राज्य मंत्री और वाईएसआरसीपी एमएलसी बोत्सा सत्यनारायण बीमार हो गए हैं। ज्ञात हो कि वाईएसआरसीपी के तत्वावधान में आज पूरे राज्य में 'पीठ में छुरा घोंपने का दिन' कार्यक्रम आयोजित किया गया था। बोत्सा सत्यनारायण चीपुरुपल्ली में आयोजित इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे। रैली के बाद मंच पर ही हीट स्ट्रोक के कारण वे बेहोश हो गए। इसके बाद उनके सहयोगी उन्हें तुरंत पास के अस्पताल ले गए। वाईएसआरसीपी ने लोगों की ओर से आंदोलन का रास्ता अपनाते हुए दावा किया है कि गठबंधन सरकार सत्ता में आने के बाद चुनाव में किए गए वादों को लागू करने में विफल रही है और मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने लोगों को धोखा दिया है। पार्टी प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी के आह्वान पर, बुधवार (4 जून) को पूरे राज्य में 'पीठ में छुरा घोंपने का दिन' के रूप में मनाने का फैसला किया गया है, जिस दिन चुनाव परिणाम भी घोषित किए गए थे

सांसद ने अनंतपुर-केएसआर बेंगलुरु मेमू की विस्तारित सेवा को हरी झंडी दिखाई

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अनंतपुर के सांसद अंबिका जी. लक्ष्मीनारायण वाल्मिकी ने बुधवार को अनंतपुर रेलवे स्टेशन से ट्रेन नंबर 66560 अनंतपुर-केएसआर बेंगलुरु मेमू की विस्तारित सेवा को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर परिताला सुनीता, विधान सभा सदस्य, आंध्र प्रदेश; चन्द्रशेखर गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, गुंतकल मंडल; डॉ. विनोद कुमार, कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, अनंतपुर; उदयनाथ कोटला, उप महाप्रबंधक (जी), एससीआर, अन्य गणमान्य व्यक्ति और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए, अंबिका जी लक्ष्मीनारायण ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जिले से निकलने वाली पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के साथ अनंतपुर के लोगों का लंबे समय से संजोया हुआ सपना साकार हो गया है। उन्होंने घोषणा की कि निरंतर प्रयासों के बाद, ट्रेन संख्या 66559/66560 केएसआर बेंगलुरु - श्री सत्य साईं प्रशांति निलयम - केएसआर बेंगलुरु मेमू सेवा का अनंतपुर तक विस्तार स्वीकृत किया गया है। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन का विस्तार विशेष रूप से छात्रों, अभिभावकों, व्यापारियों और चिकित्सा और अन्य आवश्यक उद्देश्यों के लिए यात्रा करने वाले स्थानीय निवासियों के लिए फायदेमंद होगा। रेल परिवहन की सामर्थ्य पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यात्री केवल 50 रुपये में अनंतपुर से बेंगलुरु की यात्रा कर सकते हैं, जिससे रेलवे परिवहन का सबसे किफ़ायती साधन बन गया है। सांसद ने आंध्र प्रदेश के रेल बुनियादी ढांचे को बढ़ाने में उनके मार्गदर्शन और निरंतर समर्थन के लिए प्रधान मंत्री, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और रेल मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 9,417 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है, जो पिछले वर्षों की तुलना में अब तक का सबसे अधिक बजट है। लक्ष्मीनारायण ने यह भी कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत चरणबद्ध तरीके से 29.20 करोड़ रुपये की लागत से अनंतपुर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुनर्विकसित स्टेशन आधुनिक यात्री सुविधाओं और विश्व स्तरीय सुविधाओं से लैस होगा। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त, धर्मावरम, हिंदूपुरम, ताड़ीपटरी और गूटी रेलवे स्टेशनों का भी एबीएसएस के तहत पुनर्विकास किया जा रहा है। विधायक परिताला सुनीता ने कहा कि आज एक शुभ अवसर है क्योंकि अनंतपुर-केएसआर बेंगलुरु मेमू की विस्तारित सेवा को हरी झंडी दिखाई गई है। उन्होंने ट्रेन संख्या 66559/66560 केएसआर बेंगलुरु-श्री सत्य साईं प्रशांति निलयम-केएसआर बेंगलुरु मेमू सेवा का अनंतपुर तक विस्तार सुनिश्चित करने के लिए अनंतपुर के माननीय सांसद के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विस्तारित सेवा विभिन्न समूहों की आवश्यकताओं को पूरा करेगी।

राकेश जयसवाल नगरसेवक जामबाग ने आज स्ट्रीट लाइट और मानसून आपातकालीन टीमों की मरम्मत और स्थापना की मांग को लेकर जीएचएमसी कार्यालय टैंकबंड विद लैंप के सामने विरोध प्रदर्शन किया। श्री के नरसिम्हा रेड्डी नगरसेवक मंसूराबाद, श्री वी श्रवण नगरसेवक मल्काजगिरि भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

पित्ती ट्रस्ट-सेवा दल के चार दिवसीय सेवा शिविर की स्थापना के कार्य का शुभारम्भ

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट तथा अग्रवाल सेवा दल द्वारा बत्तीनी गौड़ परिवार द्वारा 8 जून को निःशुल्क वितरित किए जा रहे मत्स्य प्रसाद ग्रहण करने देश-विदेश से हैदराबाद पधारने वाले दमा रोगियों एवं उनके परिजनों की सुविधा हेतु विशाल चार दिवसीय सेवा शिविर नुमाईश मैदान, नामपल्ली में लगाया जा रहा है। सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस 6 जून से 9 जून तक चलने वाले इस सेवा शिविर का स्थापना कार्य का आज शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर तेलंगाना राज्य सरकार के मंत्री श्री पोन्नम प्रभाकर ने सेवा शिविर का दौरा कर पित्ती ट्रस्ट-सेवा दल द्वारा दमा रोगियों की सुविधा हेतु की जा रही तैयारियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पित्ती ट्रस्ट-सेवा दल से इस शिविर से सेवा का शुभारम्भ 5 जून से करने के लिए कहा I इस अवसर पर पित्ती ट्रस्ट-सेवा दल के अजित गुप्ता, कैलाश केडिया, गोपाल सिंह, शंकर लाल यादव, घनश्याम यादव, नितिन केडिया एवं अन्य उपस्थित थे।

यह काम नहीं हुआ तो बंद हो जाएगा आपका आईआरटीसी अकाउंट

नई दिल्ली/ हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हर दिन, लगभग 225,000 यात्री भारतीय रेलवे के ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए तत्काल टिकट बुक करते हैं। 24 मई से 2 जून तक ऑनलाइन तत्काल टिकट बुकिंग पैटर्न के विश्लेषण से पता चला है कि, खिड़की खुलने के बाद पहले मिनट में औसतन 108,000 एसी क्लास टिकटों में से केवल 5,615 ही बुक हुए। हालांकि, दूसरे मिनट में 22,827 टिकट बुक हुए। एसी क्लास में, खिड़की खुलने के पहले 10 मिनट के भीतर औसतन 67,159 टिकट ऑनलाइन बुक किए गए, जो ऑनलाइन बुक किए गए सभी टिकटों का 62.5 % है। बाकी 37.5 % टिकटें चार्ट बनने से 10 मिनट पहले बुक की गईं, जिसमें 3.01% तत्काल टिकटें खिड़की खुलने के 10 घंटे बाद बुक की गईं। नॉन-एसी श्रेणी में, 24 मई से 2 जून तक, औसतन 118,567 टिकटें प्रतिदिन ऑनलाइन बुक की गईं। इनमें से 4,724 टिकटें - लगभग 4 % - पहले मिनट में बुक की गईं, जबकि 20,786 टिकटें - लगभग 17.5 % - दूसरे मिनट में बुक की गईं। लगभग 66.4 % टिकटें खिड़की खुलने के बाद पहले 10 मिनट के भीतर बिक गईं। इसके अलावा, लगभग 84.02 % टिकटें खिड़की खुलने के पहले घंटे के भीतर बिक गईं, जबकि शेष टिकटें अगले 10 घंटों में बिक गईं। इससे साफ पता चलता है कि तत्काल टिकटें यात्रियों को ऑनलाइन सिस्टम के जरिए उपलब्ध कराई जाती हैं, और लगभग 12% तत्काल टिकटें खिड़की खुलने के 8 से 10 घंटे बाद भी बुक की जाती हैं। रेलवे ने ऑनलाइन टिकट बुक करने के लिए स्वचालित उपकरणों के इस्तेमाल के खिलाफ अभियान शुरू किया है, जिसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया जा रहा है। विशेष निगरानी प्रयासों के जरिए रेलवे ने पिछले छह महीनों में 24 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ताओं को निष्क्रिय और ब्लॉक किया है। इसके अलावा, लगभग 2 मिलियन अन्य खातों को संदिग्ध के रूप में चिह्नित किया गया है और उनके आधार और अन्य दस्तावेजों के आधार पर जांच की जा रही है। वर्तमान में, आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर 130 मिलियन से अधिक सक्रिय ग्राहक हैं, जिनमें से केवल 12 मिलियन ही आधार-सत्यापित हैं।आईआरसीटीसी ने उन सभी खातों के लिए विशेष सत्यापन करने का फैसला किया है जो आधार से प्रमाणित नहीं हैं।

लोगों को ठगने वाला किशोर राजस्थान से गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर अपराध इकाई ने बुधवार को राजस्थान से एक किशोर को गिरफ्तार किया, जिस पर कथित तौर पर वरिष्ठ आईएएस और आईपीएस अधिकारी बनकर लोगों को धोखा देकर पैसे इकट्ठा करने का आरोप है। पुलिस ने बताया कि राजस्थान के अलवर निवासी संदिग्ध अरबाज खान (19) ने वरिष्ठ आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के नाम से फेसबुक पर कई फर्जी अकाउंट बनाए थे। साइबर क्राइम अधिकारियों ने बताया कि आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की डिस्प्ले पिक्चर वाले इन अकाउंट का इस्तेमाल करके संदिग्ध ने लोगों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी। एक बार रिक्वेस्ट स्वीकार होने के बाद उसने अलग-अलग बहाने बनाकर उनसे पैसे ऐंठे। वह तेलंगाना में इसी तरह के दो मामलों में शामिल है। एक वरिष्ठ नौकरशाह की शिकायत के आधार पर साइबर अपराध पुलिस ने मामला दर्ज कर संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है।

5 जून को आईआईटी-मद्रास टी-हब में डेमो डे करेगा आयोजित

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आईआईटी मद्रास के संकाय और पूर्व छात्र गुरुवार को यहां टी-हब में जेईई उम्मीदवारों और उनके अभिभावकों से मिलेंगे। यह पहल 'डेमो डे' कार्यक्रमों का हिस्सा है जो भारत भर के कई शहरों में भौतिक मोड के साथ-साथ ऑनलाइन मोड में भी आयोजित किए जा रहे हैं। यह कार्यक्रम छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए वर्तमान छात्रों, शिक्षकों और पूर्व छात्रों के साथ बातचीत करने तथा स्रोत से सीधे प्रामाणिक और अद्यतन जानकारी प्राप्त करने का अवसर है।

डेमो डे कार्यक्रमों के माध्यम से, छात्र हाल ही में हुए बदलावों, जैसे कि नए पाठ्यक्रमों की शुरूआत, के बारे में स्पष्टीकरण भी प्राप्त कर सकते हैं। आईआईटी मद्रास ने दो नए बीटेक कार्यक्रम शुरू किए हैं - कम्प्यूटेशनल इंजीनियरिंग और मैकेनिक्स (सीईएम) और इंस्ट्रूमेंटेशन और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग (आईबीएमई) - इसके अलावा पिछले साल शुरू किए गए एआई और डेटा एनालिटिक्स (एआईडीए) में बीटेक भी शुरू किया है।

ईद-उल-अज़हा मनाने के लिए वितरित की गई शाकाहारी बिरयानी

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ईद-उल-अजहा से पहले, पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) इंडिया ने सर्व नीडी वॉलंटरी ऑर्गनाइजेशन और शाकाहारी गायिका और अभिनेत्री ज़हरा एस खान के साथ मिलकर बुधवार को हैदराबाद में 1000 जरूरतमंद व्यक्तियों को शाकाहारी सोया बिरयानी दान की। पेटा की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को कुर्बानी के वैकल्पिक तरीकों को चुनने के लिए प्रोत्साहित करना था, जो न केवल ईद की भावना का सम्मान करता है, बल्कि जानवरों के लिए जीवन और मृत्यु के बीच अंतर भी पैदा कर सकता है।

आरपीएफ सिकंदराबाद ने 2025 तक 238 बच्चों को बचाया

69 तस्करों को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) सिकंदराबाद डिवीजन ने मानव तस्करी के खिलाफ चल रही लड़ाई के तहत इस वर्ष अब तक 238 बच्चों को बचाया है और 69 मानव तस्करों को पकड़ा है। आरपीएफ मानव तस्करी विरोधी इकाइयों (एएचटीयू) और गैर सरकारी संगठन बचपन बचाओ आंदोलन (बीबीए) के सहयोग से मानव तस्करी के खिलाफ ऑपरेशन एक्शन (एएएचटी) सक्रिय रूप से चला रही है। आरपीएफ अधिकारियों के अनुसार, सामान्य, शयनयान और एसी डिब्बों में गहन जांच के दौरान बाल तस्करी के शिकार लोगों की पहचान कर उन्हें बचाया जाता है, जबकि मानव तस्करों और उनके एजेंटों का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार किया जाता है।

हाल ही में, अधिकतर मामले छत्तीसगढ़, बिहार, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से तस्करी किये गये बच्चों से संबंधित थे। ऑपरेशन एएएचटी के तहत, आरपीएफ एक बहुआयामी रणनीति लागू कर रही है, जिसमें समर्पित एएचटीयू कर्मियों की तैनाती, सीसीटीवी निगरानी के माध्यम से निगरानी और रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में जागरूकता अभियान शामिल हैं। 2023 में, आरपीएफ सिकंदराबाद डिवीजन ने ऑपरेशन एएएचटी के तहत 305 बच्चों को बचाया और 137 तस्करों को गिरफ्तार किया। 2024 में, यह संख्या बढ़कर 310 बच्चों को बचाया गया और 174 तस्करों को गिरफ्तार किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में बाल बचाव में 1.64 प्रतिशत की वृद्धि और तस्करों की गिरफ्तारी में 27.01 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

2025 में अब तक 238 बच्चों को बचाया गया है और 69 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों को संदेह है कि साल के अंत तक बचाए गए बच्चों की संख्या 400 तक पहुंच सकती है।

तोड़फोड़ विरोधी टीमों ने मंदिरों और बस स्टॉप की ली तलाशी

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। घटकेसर पुलिस ने तोड़फोड़ निरोधक टीमों के साथ मिलकर बुधवार को कई स्थानों पर जांच की। खोजी कुत्तों की सहायता से तोड़फोड़-रोधी टीमों ने मंदिरों, बस स्टॉपों और स्थानीय सरकारी कार्यालयों जैसे सार्वजनिक स्थानों पर निरीक्षण किया। घटकेसर इंस्पेक्टर पी परुषाराम ने कहा कि राचाकोंडा के पुलिस आयुक्त जी सुधीर बाबू के निर्देशों के तहत जांच की गई।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

9 साल बाद फाइनल में पहुंची आरसीबी कैसे बनी आईपीएल-चैंपियन

कप्तानी डेब्यू पर चमके रजत, 9 मैच विनर निकाले, गेंदबाजों ने टूर्नामेंट जिताया; 5 फैक्टर्स

खेल डेस्क, 4 जून (एजेंसियां)। इंतजार खत्म, आईपीएल की तीसरी सबसे बड़ी टीम आरसीबी ने 18 सीजन में पहला टाइटल जीत ही लिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पंजाब किंग्स को 6 रन से फाइनल हराया और पीबीकेएस के पहले खिताब का इंतजार बढ़ा दिया।

आईपीएल में पहली बार कप्तानी कर रहे रजत पाटीदार ने आरसीबी को घर से बाहर सभी मैच जिताए। टीम ने 11 मैच जीते, इनमें 1-2 नहीं, बल्कि 9 अलग-अलग प्लेयर ऑफ द मैच निकले। गेंदबाजों के दम पर बेंगलुरु ने बता दिया कि बड़े नाम नहीं, मजबूत टीम के सहारे चैंपियन कैसे बना जाता है।

5 फैक्टर्स में आरसीब का विनिंग सीक्रेट...

फैक्टर-1 : हर प्लेयर का अलग रोल

आरसीब की विनिंग स्ट्रैटजी मेगा ऑक्शन से पहले ही बननी शुरू हो गई थी। जब मेंटॉर दिनेश कार्तिक ने डायरेक्टर मो बोबत और कोच एंडी फ्लॉवर के साथ प्लानिंग कर बेस्ट टीम खरीदी। क्रिस गेल, एबी डिविलियर्स, ग्लेन मैक्सवेल और फाफ डु प्लेसिस जैसे बड़े प्लेयर्स पर दांव खेलने वाली आरसीब ने इस बार विराट कोहली के अलावा किसी भी बड़े प्लेयर को रिटेन नहीं किया। आरसीब के यूट्यूब चैनल पर कार्तिक ने बताया कि कैसे मैनेजमेंट ने हर एक रोल के लिए अलग-अलग खिलाड़ी खरीदा। टीम ने ओपनिंग, मिडिल ऑर्डर, फिनिशिंग, स्पिन से लेकर पावरप्ले और डेथ बॉलिंग तक के लिए बेस्ट प्लेयर्स के ऑप्शन तय किए। फिर ऑक्शन में बेस्ट प्लेयर्स ही खरीदे। अगर बेस्ट नहीं मिला तो सेकेंड बेस्ट खरीदा, लेकिन रोल आधारित खिलाड़ियों पर ही फोकस किया। जिसका नतीजा यह हुआ कि बेंगलुरु ने ऑक्शन के बाद ही लगभग परफेक्ट टीम बना ली। ऐसी ही टीम पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स ने भी बनाई। पंजाब रनर-अप रही, वहीं दिल्ली पांचवें नंबर पर रहकर बाहर हो गई, लेकिन बेंगलुरु ने चैंपियन बन कर अपनी ऑक्शन स्ट्रैटजी को सही साबित कर दिया।

5 बैटर्स का स्ट्राइक रेट 170+ रहा

आरसीब ने बैटिंग ऑलराउंडर मिलाकर टूर्नामेंट में 11 बैटर्स ट्राई किए। इनमें 5 का स्ट्राइक रेट 170 से ज्यादा का रहा, यानी इनका रोल लगातार अटैक करने का रहा। इनमें रोमारियो शेफर्ड, टिम डेविड, जितेश शर्मा, जैकब बेथेल और फिल सॉल्ट शामिल थे।

बेंगलुरु के 4 बैटर्स ने 250 से ज्यादा रन भी बनाए। इनमें विराट कोहली 657 रन बनाकर टॉप पर रहे। ओपनिंग में फिल सॉल्ट ने उनका बखूबी साथ दिया, जिन्होंने 175 प्लस के स्ट्राइक रेट से 403 रन बना दिए। 10 मैच खेलने के बाद इंजर्ड होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए देवदत्त पडिक्कल ने भी 150 के स्ट्राइक रेट से 247 रन बना दिए। कप्तान पाटीदार ने भी 312 रन बनाए। चारों ने मिलकर आरसीब के लोअर मिडिल ऑर्डर पर दबाव बढ़ने ही नहीं दिया।

फिनिशर्स पर कभी दबाव बढ़ा भी तो जितेश, डेविड और शेफर्ड ने मौके को भुनाकर टीम को जीत दिलाई। लीग स्टेज के आखिरी मैच में जब आरसीब को टॉप-2 में पहुंचने के लिए 228 रन चेज करने थे, तब विकेटकीपर जितेश ने ही 33 गेंद पर 85 रन बनाकर बेंगलुरु को जीत दिलाई थी।

4 बॉलर्स ने 13 प्लस विकेट लिए

आरसीब ने बॉलिंग यूनिट में भी ज्यादा बदलाव नहीं किए। जोश हेजलवुड, यश दयाल और भुवनेश्वर कुमार को नई गेंद के साथ डेथ ओवर्स संभालने की जिम्मेदारी मिली। वहीं स्पिनर क्रुणाल पंड्या और सुयश शर्मा को मिडिल ओवर्स में रन रोकने का काम सौंपा गया। दोनों स्पिनर्स ने 8.50 से कम की इकोनॉमी से रन खर्च किए और 25 विकेट भी लिए। क्रुणाल ने तो फाइनल में भी किफायती गेंदबाजी की और महज 17 रन देकर 2 बड़े विकेट निकाल लिए। हेजलवुड इंजरी के कारण 12 ही मैच खेल सके, लेकिन उन्होंने 22 विकेट निकाले। उन्होंने भुवनेश्वर कुमार के साथ मिलकर पावरप्ले में आरसीब की गेंदबाजी पर दबाव बढ़ने ही नहीं दिया। भूवी और हेजलवुड अगर कभी फ्लॉप हो जाते तो लेफ्ट आर्म पेसर यश दयाल तीसरे स्पेल में आकर विकेट ले जाते। आरसीब के पेसर्स ने 64 विकेट निकाले, जो टूर्नामेंट में एमआई और एसआरएच के बाद सबसे ज्यादा रहे।

पांचों बॉलर्स कभी कामयाब नहीं हो पाते तो रोमारियो शेफर्ड 1-2 ओवर फेंककर बड़ा विकेट ले जाते। उन्होंने फाइनल में भी पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर को महज 1 रन पर कॉट बिहाइंड कराया और आरसीबी को हावी कर दिया। शेफर्ड ने 8 मैच में 11 की इकोनॉमी से रन खर्च किए, लेकिन 6 विकेट भी निकाले।

फैक्टर-2 : 1-2 नहीं, 9 अलग हीरोज निकले

आरसीबी के टाइटल विनिंग कैंपेन की सबसे खूबसूरत बात यह रही कि टीम से 9 अलग-अलग खिलाड़ी 12 मुकाबलों में प्लेयर ऑफ द मैच बने। टिम डेविड को तो टीम की हार में भी यह अवॉर्ड मिल गया, क्योंकि उनकी परफॉर्मेंस ने आरसीबी को बेहद मुश्किल पिच पर सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया था।

बेंगलुरु के प्लेयर ऑफ द फाइनल क्रुणाल पंड्या ने टीम में सबसे ज्यादा 3 बार यह अवॉर्ड जीता। खिताबी मुकाबले के अलावा उन्हें दिल्ली के खिलाफ बैटिंग और कोलकाता के खिलाफ बॉलिंग के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। उनके बाद कप्तान रजत पाटीदार ने 2 अवॉर्ड जीते, दोनों अवॉर्ड आईपीएल की सबसे सफल टीमों मुंबई और चेन्नई के खिलाफ आए। इनके अलावा 7 अलग-अलग खिलाड़ी भी 1-1 बार अपने प्रदर्शन के दम पर प्लेयर ऑफ द मैच बने। आरसीबी से जहां 9 खिलाड़ी चमके, वहीं रनर-अप पंजाब से 5 अलग-अलग खिलाड़ी ही प्लेयर ऑफ द मैच बन सके। तीसरे नंबर पर रही मुंबई के 6 और चौथे स्थान पर फिनिश करने वाली गुजरात के भी 5 ही खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द मैच बने। यानी 1 या 2 खिलाड़ियों के दम पर टीमें मैच जीत सकती हैं, लेकिन IPL जैसे टूर्नामेंट को जीतने के लिए ज्यादातर खिलाड़ियों का चलना बेहद जरूरी हो जाता है।

फैक्टर-3 : घर से बाहर 90% मैच जीते

पंजाब और बेंगलुरु 18वें सीजन की चुनिंदा टीमें रहीं, जिन्होंने होमग्राउंड पर कम और घर से बाहर ज्यादा मैच जीते। बेंगलुरु ने 15 में से 10 मैच होमग्राउंड से बाहर खेले और 9 में जीत हासिल की। आरसीबी की घर से बाहर इकलौती हार लखनऊ में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली। जिसमें जितेश शर्मा कप्तानी कर रहे थे। रजत पाटीदार की कप्तानी में तो टीम ने होमग्राउंड से बाहर सभी 8 मैच जीते, जिनमें मुल्लांपर और अहमदाबाद में पंजाब किंग्स के खिलाफ क्वालिफायर-1 और फाइनल की जीत भी शामिल रही। बेंगलुरु ने अपने अभियान की शुरुआत ही कोलकाता में जीत के साथ की थी, लेकिन टीम को अपने होमग्राउंड चिन्नास्वामी स्टेडियम में 2 हार मिल गई। टीम ने यहां 4 मैच गंवाए, फिर भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण ओपीएल रोका गया। टूर्नामेंट दोबारा शुरू हुआ तो बारिश के कारण बेंगलुरु को मेजबानी नहीं मिली। सेकेंड फेज में आरसीबी ने अपने सभी मैच होमग्राउंड से बाहर खेले और 1 को छोड़कर सभी में जीत हासिल की। घरेलू मैदान से बाहर 90% जीत में कप्तान रजत की लीडरशिप स्किल बहुत काम आई। उन्होंने विपक्षी बैटर्स की कमजोरी के हिसाब से गेंदबाजों का इस्तेमाल किया और जरूरत पड़ने पर पावरप्ले में ही स्पिन बॉलिंग भी करवाई। रजत की बेहतरीन स्ट्रैटजी से ही टीम ने क्वालिफायर-1 में पंजाब को 101 रन पर समेटा और फाइनल में उन्हें 191 रन का टारगेट हासिल नहीं करने दिया।

फैक्टर-4 : 3 फाइनल गंवाए, अब मिली कामयाबी

आरसीबी टूर्नामेंट की उन चुनिंदा टीमों का हिस्सा है, जो 2008 से आईपीएल खेल रही हैं। 2024 तक टीम के पास अचीवमेंट के नाम पर कोई ट्रॉफी भी नहीं थी, लेकिन टीम 3 बार फाइनल में जरूर पहुंची थी। 2009, 2011 और 2016 में आरसीबी ने 3 फाइनल खेले, लेकिन तीनों गंवा दिए।

2025 से पहले बेंगलुरु के लिए इत्तफाक की बात यह रही कि तीनों फाइनल टीम ने चेज करते हुए गंवाए। 2009 में डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ आरसीबी ने टॉस जीता, लेकिन 6 रन से मुकाबला गंवा दिया। 2011 और 2016 में टीम को टॉस हारकर पहले बॉलिंग करनी पड़ी, लेकिन चेन्नई और हैदराबाद से हार मिली।

18 सीजन में पहली बार आरसीबी को फाइनल में पहले बैटिंग करने का मौका मिला। अहमदाबाद की बैटिंग फ्रेंडली पिच पर टीम 190 रन ही बना पाई।

जो पार स्कोर से करीब 15-20 रन कम था, क्योंकि पंजाब ने इसी मैदान पर मुंबई के खिलाफ क्वालिफायर-1 में एक ओवर बाकी रहते 204 रन चेज कर लिए थे। हालांकि, इस बार आरसीबी ने अपनी बेहतरीन बॉलिंग के दम पर तकदीर बदली और पंजाब को 184 रन पर ही रोककर टाइटल अपने नाम कर लिया। यानी ऐसा कहना गलत नहीं होगा कि आरसीबी की किस्मत में पहला आईपीएल जीतना, चेज करते हुए नहीं, स्कोर डिफेंड करते हुए लिखा था। हालांकि, बेंगलुरु से पहले सनराइजर्स हैदराबाद, डेक्कन चार्जर्स, चेन्नई सुपर किंग्स (3 बार) और मुंबई इंडियंस (4 बार) भी पहले बैटिंग करते हुए आईपीएल फाइनल जीत चुकी हैं।

फैक्टर-5 : चैंपियन कोहली ने साथ नहीं छोड़ा

भारत के लिए सभी आईसीसी ट्रॉफी जीत चुके विराट कोहली के पास 2024 तक बस आईपीएल ट्रॉफी ही नहीं थी। जिस कारण कई बार उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाता। कहा गया कि कोहली ही आरसीबी के लिए पनौती है, जब तक वे रहेंगे बेंगलुरु आईपीएल नहीं जीत सकता।

इन सब के बावजूद कोहली ने आरसीबी और फ्रेंचाइजी ने भी विराट का साथ नहीं छोड़ा। 18वें सीजन से पहले कोहली को आरसीबी ने 21 करोड़ रुपए देकर रिटेन किया। विराट ने लगातार तीसरे सीजन 600 प्लस रन बनाए और बैटिंग की बागडोर संभाली। फाइनल में उन्होंने 35 गेंद पर 43 रन की धीमी पारी खेली, लेकिन मुकाबला जब खत्म हुआ, तब समझ आया कि उनकी पारी के दम पर ही आरसीबी के बाकी बैटर्स बगैर विकेट की चिंता किए खुलकर शॉट्स खेल सके। टीम ने 190 रन बनाए, जिसमें कोहली टॉप स्कोरर रहे।

5वें ओवर में जब पंजाब का पहला विकेट गिरा, तब कोहली अपने ट्रैडिशनल अंदाज में सेलिब्रेशन करने लगे। उनके एक्शन से साफ नजर आ रहा था कि उन्होंने जीत की उम्मीद नहीं छोड़ी है। पंजाब के हर विकेट पर उनकी उम्मीद बढ़ती गई। आखिरी 6 गेंदों पर जब 29 रन बचाने थे, तब भी कोहली की आंखों में हार का डर साफ नजर आ रहा था।

जैसे ही जोश हेजलवुड ने 20वें ओवर की शुरुआती 2 गेंदें डॉट कराईं, कोहली की आंखें लाल हो गईं। वे इमोशनल हो गए। विराट ने मैच के बाद कहा कि उस मोमेंट में उनके सामने आरसीबी के साथ असफलता में गुजारे 17 सीजन नजर आ गए। उन्हें फील हुआ कि इंतजार सफल हुआ। मैच जैसे ही खत्म हुआ, विराट ने मैदान में अपना मुंह छिपाया और फूट-फूट कर रोने लगे। उनके आंसुओं ने हर इंडियन क्रिकेट फैन को कहीं न कहीं इमोशनल कर दिया।

जब कोहली ट्रॉफी लेकर खुशी में जश्न मनाने लगे, तब ऐसा लगा जैसे स्टेडियम में मौजूद आरसीबी के हर फैन की तपस्या पूरी हो गई। जिस लोयल्टी (निष्ठा) की बातें बेंगलुरु के फैंस 17 साल से करते आ रहे थे, उसी का फल आरसीबी ने ट्रॉफी जीतकर उन्हें सौंप दिया। दूसरी ओर, विराट ने भी 12 महीने के अंदर जिस भी टूर्नामेंट में हिस्सा लिया, उसमें चैंपियन बने। 29 जून 2024 को उन्होंने भारत के लिए टी-20 वर्ल्ड कप, 9 मार्च 2025 को उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी और अब 3 जून को आईपीएल पर कब्जा जमा लिया।

आज होगी नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता

12 सितारे टूर्नामेंट में होंगे शामिल

बेंगलुरु, 4 जून (एजेंसियां)। भारत में पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। पहले यह प्रतियोगिता 24 मई को आयोजित की जानी थी। इस प्रतियोगिता का आयोजन ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले चोपड़ा द्वारा जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सहयोग से किया जा रहा है और इसे भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) से मंजूरी मिली हुई है।

भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के कारण पिछले महीने स्थगित की गई नीरज चोपड़ा क्लासिक अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता अब पांच जुलाई को बेंगलुरु में आयोजित की जाएगी। आयोजकों ने घोषणा की। श्री कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित की जाने वाली इस प्रतियोगिता में 12 खिलाड़ी भाग लेंगे।

भारत में पहली बार अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता

भारत में पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। पहले यह प्रतियोगिता 24 मई को आयोजित की जानी थी। इस प्रतियोगिता का आयोजन ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले चोपड़ा द्वारा जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सहयोग से किया जा रहा है और इसे भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) से मंजूरी मिली हुई है।

टूर्नामेंट में 12 खिलाड़ी होंगे शामिल

टूर्नामेंट में विदेश के सात सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक खिलाड़ी शामिल होंगे और नीरज चोपड़ा समेत पांच भारतीय खिलाड़ी शामिल होंगे। चोपड़ा के अलावा इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ी एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता सचिन यादव, किशोर जेना, रोहित यादव और साहिल सिलवाल हैं। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों में दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 93.07 मीटर), जर्मनी के 2016 ओलंपिक स्वर्ण विजेता थॉमस रोहलर (93.90 मीटर), कीनिया के 2015 के विश्व चैंपियन जूलियस येगो (92.72 मीटर), अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन (87.76 मीटर), जापान के एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जेनकी डीन (84.28 मीटर), श्रीलंका के रुमेश पथिरेज (85.45 मीटर) और ब्राजील के लुईज मौरिसियो दा सिल्वा (86.34 मीटर) शामिल हैं।

जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स की ओर से आया बयान

जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी करण यादव ने कहा, 'नीरज चोपड़ा क्लासिक को फिर से आयोजित करने के लिए बहुत बड़े सामूहिक प्रयास की जरूरत थी और हमें पांच जुलाई को इसके आयोजन की पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है।' विश्व एथलेटिक्स से श्रेणी ए का दर्जा प्राप्त इस प्रतियोगिता का आयोजन पहले पंचकुला में होना था लेकिन सीधे प्रसारण के लिए पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं होने के कारण इसकी मेजबानी बेंगलुरु को सौंपी गई।

चैंपियन आरसीबी को 20 करोड़, पीबीकेएस को 12.50 करोड़ मिले

सुदर्शन को 4 अवॉर्ड से 40 लाख; 14 साल के वैभव सुपर स्ट्राइकर

मुंबई, 4 जून (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 को नया चैंपियन मिल चुका है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को 6 रन से हराते हुए 18वें सीजन का टाइटल जीता। आरसीबी ने पहली बार आईपीएल टाइटल जीता, लेकिन पंजाब के ट्रॉफी जीतने का इंतजार बढ़ गया।

खिताब जीतने पर आरसीबी को चमचमाती ट्रॉफी के साथ 20 करोड़ रुपए की विनिंग प्राइज मिली। जबकि रनर-अप पीबीकेएस को 12.5 करोड़ रुपए से संतोष करना पड़ा। तीसरे स्थान पर रही मुंबई इंडियंस को 7 और चौथे नंबर की टीम गुजरात टाइटंस को 6.50 करोड़ रुपए मिले।

सीजन में सबसे ज्यादा 759 रन बनाने वाले गुजरात के साई सुदर्शन को ऑरेंज कैप दी गई, जबकि सबसे ज्यादा 25 विकेट लेने वाले प्रसिद्ध कृष्णा को पर्पल कैप मिली। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी सुपर स्ट्राइकर ऑफ सीजन चुने गए।

सुदर्शन को 4 अवॉर्ड; 14 साल के वैभव सुपर स्ट्राइकर

सबसे ज्यादा इंडिविजुअल अवॉर्ड गुजरात के ओपनर साई सुदर्शन को मिले। उन्हें ऑरेंज कैप के अलावा, अल्टीमेट फैंटेसी प्लेयर ऑफ द सीजन, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन और मोस्ट बाउंड्री (चौके) का अवॉर्ड भी दिया गया। मुंबई के सूर्यकुमार यादव मोस्ट वेल्यूएबल प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे।

इनके अलावा, मोस्ट सिक्स हिटर का अवॉर्ड लखनऊ के निकोलस पूरन, ग्रीन डॉट बॉल का अवॉर्ड गुजरात के मोहम्मद सिराज और बेस्ट कैच का अवॉर्ड हैदराबाद के कमिंदु मेंडिस को दिया गया।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम का ऐलान

दिग्गजों को नहीं मिला मौका

मेलबोर्न, 4 जून (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 के खत्म होने के कुछ ही घंटों बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टी-20 सीरीज के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। हैरानी वाली बात यह है कि इसमें आईपीएल में खेलने वाले कुछ खिलाड़ियों को मौका नहीं मिला है। खराब फॉर्म में चल रहे दिल्ली कैपिटल्स के जेक फ्रेजर मैकगर्क को टीम से बाहर कर दिया गया है। टीम में उनकी जगह मिचेल ओवेन और मैट कुहनेमैन को तरजीह दी गई है।

इसके अलावा पंजाब किंग्स के खिलाड़ी जेवियर बार्टलेट और मार्कस स्टोइनिस को भी टीम में नहीं चुना गया है। जहां तक मैकगर्क का सवाल है, उन्होंने पिछले सात मैचों में केवल एक फिफ्टी जड़ी है और बाकी में 20 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाए। दूसरी ओर ओवेन बिग बैश लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे, जहां उन्होंने 11 पारियों में 45.20 की औसत से 452 रन बनाए।

फाइनल में उन्होंने मात्र 42 गेंदों पर शतक जड़ दिया था और होबार्ट हरिकेंस को खिताब दिलाया। इस टीम की अगुवाई मिचेल मार्श करेंगे, जिन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने 13 मैचों में 627 रन बनाए थे। टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन करने वाले ग्लेन मैक्सवेल को भी मौका मिला है, साथ ही इस टीम में चोटिल टिम डेविड भी जगह बनाने में कामयाब रहे हैं।

दिलचस्प बात यह है कि कैमरून ग्रीन और जोश हेजलवुड की टी-20 टीम में वापसी हो गई है। हेजलवुड ने आईपीएल मे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए शानदार प्रदर्शन किया था और 22 विकेट लेकर टीम को खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई।

ऑपरेशन सिंदूर' का आरसीबी के चैंपियन बनने में अहम रोल, सामने आया कोच का बड़ा बयान

खेल डेस्क, 4 जून (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का वो सपना भी अब पूरा हो चुका है, जिसका इंतजार टीम को पिछले 18 साल से हो रहा है। पंजाब किंग्स को हराकर आरसीबी अपना पहला आईपीएल टाइटल जीत चुकी है। सीजन की शुरुआत से ही आरसीबी इस बार कमाल की लय में दिखाई दे रही थी। बल्लेबाजी हो या फिर गेंदबाजी आरसीबी किसी भी डिपार्टमेंट में कमजोर नहीं लगी। वहीं खिताब जीतने के बाद टीम के हेड कोच एंडी फ्लोवर का बड़ा बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की तरफ इशारा करते हुए बताया कि कैसे आरसीबी को इससे मदद मिली है? आरसीबी के पहली हार आईपीएल का चैंपियन बनने के बाद टीम के हेड कोच एंडी फ्लोवर ने कहा "आज जब हम जीत का जश्न मना रहे थे, तो कुछ लोगों ने मुझसे कहा कि ब्रेक से हेजलवुड को ठीक होने का समय मिल गया और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे रजत को अपने हाथ को ठीक करने का समय मिल गया। हां उसने हमे थोड़ी राहत जरुर दी, क्योंकि उससे पहले हम थोड़ा स्लो हो गए थे" दरअसल भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच आईपीएल को 10 के लिए निलंबित कर दिया गया था, जिसके चलते जोश हेजलवुड को चोट से रिकवर होने में काफी मदद मिली। आईपीएल निलंबित होने के बाद हेजलवुड ऑस्ट्रेलिया वापस लौट गए थे, जिसके बाद उन्होंने लीग का आखिरी मैच मिस कर दिया था। आईपीएल 2025 में जोश हेजलवुड ने काफी कमाल की गेंदबाजी का नजारा पेश किया था। इस सीजन हेजलवुड ने 12 मैचों में गेंदबाजी करते हुए 22 विकेट अपने नाम किए थे। हालांकि फाइनल मैच में हेजलवुड थोड़े से महंगे साबित हुए, क्योंकि आखिरी ओवर में शशांक सिंह ने उनकी खूब पिटाई की थी। पंजाब किंग्स के खिलाफ फाइनल मैच में जोश हेजलुड ने गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 54 रन देकर 1 विकेट हासिल किया था।

अल्काराज लगातार तीसरे साल फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में

पेरिस, 4 जून (एजेंसियां)। स्पेनिश टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज ने फ्रेंच ओपन 2025 के मेंस सिगल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। डिफेंडिंग चैंपियन ने क्वार्टर फाइनल में 12वीं सीड अमेरिकी खिलाड़ी टॉमी पॉल को केवल 94 मिनट में हराया। वहीं, इटली के लोरेंजो मुसेटी भी अंतिम-4 में पहुंच गए हैं।

विमेंस सिंगल्स की मौजूदा चैंपियन पोलैंड की टेनिस स्टार इगा स्वियातेक और वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका भी अगले दौर में पहुंच गई हैं।

सेमीफाइनल में मुसेटी से भिड़ेंगे अल्काराज

अल्काराज लगातार तीसरी बार फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। अल्काराज ने टॉमी पॉल को सीधे सेटों में हराया। उन्होंने 6-0, 6-1, 6-4 से जीत दर्ज की। अब सेमीफाइनल में उनका मुकाबला इटली के लोरेंजो मुसेटी से होगा, जिन्होंने फ्रांसेस टियाफो को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। यह मुकाबला शुक्रवार, 6 जून को खेला जाएगा।

मैच के बाद अल्काराज ने दर्शकों से मजाकिया अंदाज में इसलिए माफी मांगी क्योंकि मैच जल्दी खत्म हो गया था।

मुसेटी के मैच के दौरान विवाद इटली के टेनिस खिलाड़ी लोरेंजो मुसेटी ने फ्रेंच ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। मुसेटी ने पहली बार फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो को 6-2, 4-6, 7-5, 6-2 से हराया।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम का निराशाजनक प्रदर्शन

मैत्री मैच में उज्बेकिस्तान से मिली हार

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को निराशाजनक प्रदर्शन किया। भारतीय टीम को उज्बेकिस्तान से दूसरे फीफा महिला अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। यह भारतीय टीम की दो मैत्री में लगातार दूसरी हार थी। पहले मैत्री में भी भारत को 0-1 से हार मिली थी। उज्बेकिस्तान के लिए निलुफर कुद्रतोवा ने विजयी गोल दागा।

कलेश्वरम आयोग का मतलब कांग्रेस आयोग: के. कविता

केसीआर को नोटिस के विरोध में इंदिरा पार्क में धरना

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी एमएलसी कलवकुंतला कविता ने बुधवार को राजनीतिक द्वेष के साथ कलेश्वरम आयोग द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को नोटिस जारी करने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। नोटिस के विरोध में शहर के इंदिरा पार्क धरना चौक पर तेलंगाना जागृति द्वारा आयोजित महाधरना में बोलते हुए कविता ने सवाल किया कि केसीआर ने नोटिस देकर क्या गलत किया है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें नोटिस दिया जाता तो यह पूरे तेलंगाना को नोटिस देने जैसा होता। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या तेलंगाना की जमीन को पानी उपलब्ध कराना केसीआर की गलती थी।कविता ने सवाल उठाया कि कालेश्वरम परियोजना के संबंध में केसीआर को नोटिस देने वाले आयोग ने मेघा कंपनी के मालिक कृष्णा रेड्डी को नोटिस क्यों नहीं दिया, जिन्होंने इस परियोजना के लिए 90 प्रतिशत पंप हाउस बनाए थे। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार केवल कमीशन और ठेकेदारों के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार केवल साजिश के तहत काम कर रही है। उन्होंने सवाल किया कि केसीआर ने क्या गलत किया और क्या पानी लाना गलत था? उन्होंने सवाल किया कि क्या कालेश्वरम परियोजना का मतलब केवल तीन बैराज हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार द्वारा गठित आयोग कालेश्वरम आयोग नहीं, बल्कि कांग्रेस आयोग है। कविता ने कहा कि चूंकि केसीआर ने कालेश्वरम जैसी बहुस्तरीय लिफ्ट सिंचाई परियोजना की कल्पना की है, इसलिए उन्होंने सवाल किया कि क्या उसी कांग्रेस पार्टी ने कभी ऐसी परियोजना की कल्पना की थी। उन्होंने कहा कि हालांकि कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना के लिए जीवन रक्षक चेवेल्ला परियोजना से केवल 16 टीएमसी पानी प्राप्त करने की योजना बनाई थी, लेकिन केसीआर ने इसे बढ़ाकर 141 टीएमसी कर दिया। उन्होंने कहा कि कालेश्वरम को केसीआर का प्रिय नाम बनाकर उन्हें बदनाम करने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि पानी देने वाले केसीआर को नोटिस देना वास्तव में शर्मनाक है और कांग्रेस नेताओं को केसीआर के खिलाफ कोई भी गलत काम न करने की चेतावनी दी। यह देखते हुए कि एपी के सीएम चंद्रबाबू नायडू कह रहे हैं कि वे गोदावरी से 200 टीएमसी पानी बानाकाचेरला परियोजना में भेजेंगे, उन्होंने सवाल किया कि सीएम रेवंत रेड्डी में इसे रोकने के लिए पत्र लिखने का साहस क्यों नहीं है। उन्होंने मांग की कि बानाकाचेरला परियोजना को तुरंत रोका जाए। उन्होंने यह भी मांग की कि रेवंत रेड्डी तुरंत केंद्र सरकार को एक पत्र लिखें कि लिंकेज प्वाइंट तुपकुला गुडेम में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी तेलंगाना को धोखा दे रही है, जबकि भाजपा इस मुद्दे पर चुप है।

इथेनॉल फैक्ट्री स्थापना के खिलाफ ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

जोगुलम्बा गदवाल, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के राजोली मंडल में तनाव व्याप्त है। पेद्दा धनवाड़ा गांव में प्रस्तावित इथेनॉल फैक्ट्री के खिलाफ 12 गांवों के लोगों नेबुधवार विरोध कार्यक्रम का आह्वान किया है। जन संगठनों के नेताओं ने इस आंदोलन कार्यक्रम का समर्थन किया है। इसी क्रम में पुलिस ने किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सुबह से ही भारी सुरक्षा व्यवस्था कर दी है और इथेनॉल कंपनी के आसपास किसी के भी प्रवेश को रोकने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

इसके अलावा, शांतिपूर्ण तरीके से विरोध कर रहे लोगों को नजरबंद कर दिया गया और उन्हें अपने घरों से बाहर निकलने से रोक दिया गया। इससे हिंसक स्थिति पैदा हो गई। लोगों ने यह पूछकर अपना गुस्सा जाहिर किया कि जब वे शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने की कोशिश कर रहे थे तो पुलिस उन्हें कैसे गिरफ्तार कर सकती है। कई गांवों के लोग उस जगह पर पहुंचे, जहां कंपनी स्थापित की जानी थी। उन्होंने कंपनी के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने इथेनॉल कंपनी के लिए लगाए गए कंटेनर में आग लगा दी। कई वाहनों में तोड़फोड़ भी की गई। तत्काल सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने का प्रयास किया। लोगों ने इथेनॉल कंपनी के खिलाफ नारे लगाए। लोगों ने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की अनुमति न मिलने पर कड़ा विरोध जताया।

सभी दलों के नेता लंबे समय से लोगों में इथेनॉल कंपनी से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूकता पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं। महबूबनगर संयुक्त जिले के चित्तनूर में स्थित इथेनॉल कंपनी के दुष्प्रभावों की पृष्ठभूमि में पहले से ही राजोलू के पास पेड्डाधनवाड़ा गांव में इथेनॉल कंपनी स्थापित करने के खिलाफ कई दिनों से विरोध प्रदर्शन चल रहा है। इसके तहत लोगों ने आज शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। हालांकि, पुलिस कार्रवाई के कारण शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में तनाव पैदा हो गया है।

हैदराबाद-विजयवाड़ा राजमार्ग पर दुर्घटना में 2 लोगों की मौत

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को शहर के बाहरी इलाके चौटुप्पल में हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक निजी बस के नियंत्रण से बाहर हो जाने और आगे चल रहे एक ट्रक से टकरा जाने से बस के चालक और एक यात्री सहित दो लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, यह हादसा सुबह 5 बजे के आसपास हुआ, जब बस के ड्राइवर को खैतापुरम में सड़क किनारे खड़े ट्रक पर ध्यान नहीं गया, जो खराब हो गया था। पुलिस को संदेह है कि ड्राइवर को झपकी आ गई थी, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई।

बस चालक और आगे की सीटों पर बैठी एक महिला यात्री को कई चोटें आईं और उनकी मृत्यु हो गई। सूचना मिलने पर चौटुप्पल पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। टक्कर के कारण ट्रक और बस दोनों बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस को उन्हें हटाने के लिए अर्थमूवर का इस्तेमाल करना पड़ा। इस घटना के कारण हैदराबाद-विजयवाड़ा के बीच व्यस्त सड़क पर यातायात जाम हो गया। हालांकि, पुलिस ने तुरंत ही दुर्घटना में शामिल वाहनों और यातायात को सुचारू कर दिया।

मनोरोगी रोगी की हृदय गति रुकने से मृत्यु हो गई: अधीक्षक

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एर्रागड्डा स्थित मानसिक स्वास्थ्य संस्थान की अधीक्षक डॉ. आर. अनिता ने मंगलवार को बताया कि मंगलवार को अस्पताल में भर्ती मनोरोगी करण (30) की मौत हृदय गति रुकने से हुई थी। डॉ. अनिता ने बताया कि अस्पताल के मनोरोग वार्ड में उनका इलाज चल रहा था। मंगलवार की सुबह उन्हें स्टाफ ने बेहोश पाया। तुरंत ड्यूटी डॉक्टरों को सूचित किया गया, जिन्होंने मरीज को देखा और उसे होश में लाने की कोशिश की। मरीज को होश में नहीं लाया जा सका और कार्डियोपल्मोनरी अरेस्ट के कारण उसे मृत घोषित कर दिया गया। अधीक्षक ने कहा कि मृतक मरीज ने घटना से पहले दस्त या जठरांत्र संबंधी लक्षणों की शिकायत नहीं की थी। नैदानिक लक्षणों के आधार पर, यह माना जाता है कि मरीज को ब्रोन्कोन्यूमोनिया हो सकता है, जिसके कारण कार्डियोपल्मोनरी अरेस्ट हो सकता है। अधीक्षक ने बताया कि कुल 35 मानसिक रोगियों ने दस्त की शिकायत की, जो संभवतः भोजन से संबंधित जठरांत्र संबंधी परेशानी का संकेत है। डॉ. अनिता ने कहा कि सभी रोगियों की तुरंत जांच की गई और ड्यूटी मेडिकल अधिकारियों द्वारा लक्षणात्मक और सहायक उपचार शुरू किया गया। कोई गंभीर जटिलता नहीं देखी गई और सभी रोगी वर्तमान में स्थिर हैं और निगरानी में हैं। उसके बाद इसी तरह के लक्षणों के साथ किसी और को भर्ती नहीं किया गया। डॉ. अनिता ने बताया कि भोजन और पानी के स्रोतों को सूक्ष्मजीवविज्ञानी परीक्षण के लिए भेज दिया गया है तथा अस्पताल परिसर में आवश्यक निवारक और स्वच्छता संबंधी उपायों को लागू कर दिया गया है।

जीएचएमसी की बैठक में मानसून की तैयारियों पर चर्चा

आतंकी हमले की जिम्मेदारी और स्थानीय मुद्दों पर हुई गरमागरम बहस

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की महापौर गडवाला विजयलक्ष्मी की अध्यक्षता में बुधवार को जीएचएमसी साधारण परिषद की बैठक में मानसून की तैयारियों और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर विस्तृत चर्चा हुई, जिसका मुद्दा पार्षदों ने उठाया था। बैठक के दौरान सीताफलमंडी से बीआरएस पार्षद समाला हेमा द्वारा पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के लिए केंद्र सरकार की खुफिया विफलता को जिम्मेदार ठहराए जाने पर बीआरएस और भाजपा पार्षदों के बीच तीखी बहस हुई। भाजपा पार्षदों ने इस पर तुरंत प्रतिक्रिया व्यक्त की और केंद्र को दोषी ठहराने के लिए बीआरएस पार्षद से माफी मांगने की मांग की।

बीआरएस पार्षदों ने आत्महत्या के मामले में कथित संलिप्तता के लिए बोराबंडा के बाबा फसीउद्दीन (कांग्रेस) की गिरफ्तारी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने नारे लगाए और फसीउद्दीन की गिरफ्तारी की मांग करते हुए तख्तियां पकड़ीं। मेयर गडवाला विजयलक्ष्मी ने हस्तक्षेप किया और गुस्साए पार्षदों को शांत करवाया। उन्होंने कहा कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि कानून अपना काम करेगा और अगर बीआरएस पार्षदों के पास इस मामले से जुड़ा कोई अतिरिक्त सबूत है तो वे उसे जांच अधिकारियों को सौंप सकते हैं। परिषद में चर्चा के लिए निर्धारित अन्य मुद्दों में हाइड्रा का संचालन, स्ट्रीट लाइट, जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करना, जीएचएमसी द्वारा निर्मित वर्षा जल संचयन गड्ढे, आरटीसी बस स्टॉप की बहाली, कब्रिस्तानों में बुनियादी ढांचे की कमी और शहर भर में फ्लाईओवरों पर किए गए पेंटिंग और सौंदर्यीकरण कार्य शामिल हैं।

अयोध्या राम मंदिर में लगाए जाएंगे कारीगरों द्वारा हाथ से नक्काशी किए गए दरवाजे

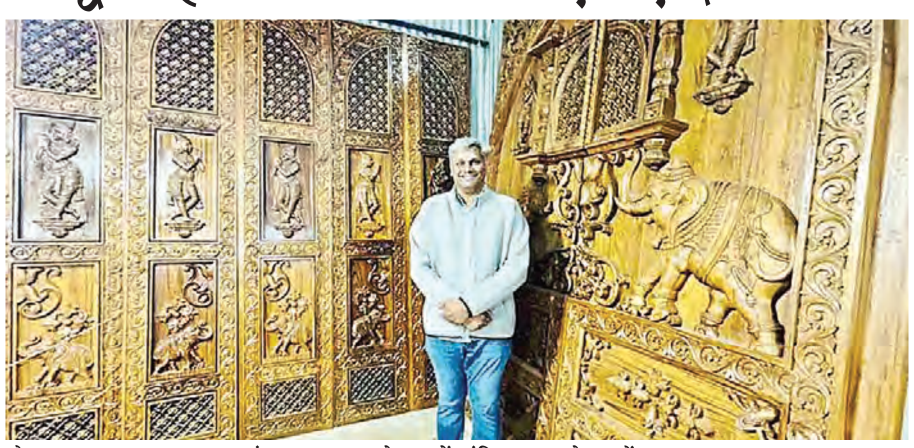

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर के भीतर सभी नवनिर्मित मंदिरों के लिए हैदराबाद स्थित अनुराधा टिम्बर्स इंटरनेशनल द्वारा तैयार किए गए हाथ से नक्काशीदार लकड़ी के दरवाजे गुरुवार, 5 जून को प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दूसरे चरण के दौरान अयोध्या राम मंदिर में उद्घाटन के लिए तैयार हैं।

अनुराधा टिम्बर्स इंटरनेशनल के प्रबंध साझेदार चडालावदा सरथ बाबू ने कहा कि हमारे लगभग 30 कारीगरों ने इन पवित्र दरवाजों को तैयार किया है। उन्होंने कहा कि नक्काशी और बढ़ईगीरी का सारा काम अयोध्या में मंदिर स्थल के पास विशेष रूप से स्थापित कार्यशाला में किया गया।

सरथ बाबू ने कहा कि अयोध्या परियोजना अनुराधा टिम्बर्स इंटरनेशनल की विरासत में एक गौरवपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि हम अपने शिल्प कौशल के माध्यम से भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

परकोटे के लिए कई शेष दरवाजों पर काम जारी है, हमारी टीमें बेजोड़ भक्ति और सटीकता के साथ समय पर पूरा करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही हैं।

जिन मंदिरों का अभिषेक किया जाना है उनमें राम दरबार (प्रथम तल) - जिसमें भगवान राम, सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान की मूर्तियां हैं, परकोटा (बाहरी दीवार) पर छह मंदिर, भगवान शिव (उत्तर-पूर्व कोना), भगवान गणेश (दक्षिण-पूर्व कोना), भगवान हनुमान (दक्षिणी ओर), भगवान सूर्य (दक्षिण-पश्चिम कोना), देवी भगवती (उत्तर-पश्चिम कोना), देवी अन्नपूर्णा (उत्तरी ओर), सप्त मंडपम क्षेत्र में सात मंदिर: ऋषि वशिष्ठ, ऋषि वाल्मीकि, ऋषि अगस्त्य, ऋषि विश्वामित्र, अहिल्या, शबरी और निषादराज शामिल हैं।

घाटकेसर के पास रेलवे ट्रैक पर अज्ञात व्यक्ति का मिला शव

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को घाटकेसर और बीबीनगर के बीच रेलवे पटरियों पर एक अज्ञात व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) को संदेह है कि वह या तो दुर्घटनावश चलती ट्रेन से गिर गया होगा या उसकी मौत हो गई होगी या फिर रेलवे ट्रैक पार करते समय या उससे गुजरते समय किसी ट्रेन की चपेट में आ गया होगा। जीआरपी के अनुसार, पीड़ित की उम्र पचास के आसपास होने का संदेह है, वह या तो ट्रैक पार कर रहा था या चलती ट्रेन से गिर गया, गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस को संदेह है कि उसका शव दुर्घटनास्थल से कुछ दूरी पर फेंका गया। सिकंदराबाद राजकीय रेलवे पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल के मुर्दाघर में भेज दिया है। मृतक की पहचान के प्रयास जारी हैं।

ट्रॉली में महिला का सड़ा-गला मिला शव

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को विजया दुर्गा ओनर्स एसोसिएशन कॉलोनी, बाचुपल्ली में एक अज्ञात युवती का शव ट्रॉली बैग में भरकर एक सुनसान जगह पर मिला। पुलिस ने बताया कि आशंका है कि उसकी हत्या कहीं और की गई है और पुलिस ने शव को यहीं दफना दिया है। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है, संदेह है कि उसकी उम्र 25 से 35 वर्ष के बीच थी तथा उसका शव बुरी तरह सड़ी-गली अवस्था में था। स्थानीय निवासियों को दीवार के पास झाड़ियों के बीच एक ट्रॉली बैग देखकर संदेह हुआ और उन्होंने इसकी सूचना बचुपल्ली पुलिस को दी।

इंस्पेक्टर बाचुपल्ली जे उपेंद्र राव ने कहा कि हम मौके पर पहुंचे, ट्रॉली बैग खोला, और उसमें एक महिला का शव भरा हुआ मिला। उसे शक है कि कुछ दिन पहले उसकी हत्या कहीं और की गई थी। क्लूज टीम और डॉग स्क्वायड ने घटनास्थल का दौरा किया और जांच की। पीड़िता और संदिग्धों की पहचान के लिए आस-पास के इलाकों में लगे निगरानी कैमरों की फुटेज की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जिस जगह पर उसकी हत्या की गई थी, उसका अभी पता नहीं चल पाया है। शव को पोस्टमार्टम और संरक्षण के लिए गांधी अस्पताल के मुर्दाघर में भेज दिया गया है।

मंत्री ने मछली प्रसादम के वितरण की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने 8 जून को मछली प्रसादम के वितरण के लिए नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को मछली प्रसादम के वितरण में किसी भी तरह की समस्या न हो, इसके लिए एहतियाती कदम उठाने के आदेश दिए। उन्होंने मछली प्रसादम के वितरण के संबंध में मत्स्य निगम के अध्यक्ष मेट्टू साई कुमार को कई सुझाव दिए। मत्स्य निगम ने मछली प्रसादम के लिए 1.5 लाख मछली फ्राई तैयार की है। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने मछली प्रसादम के वितरण में लगने वाली लंबी कतारों, कतार में आने वाली कठिनाइयों और सुरक्षा व्यवस्था के बारे में पुलिस से जानकारी ली।मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सुझाव दिया कि मछली प्रसादम के लिए आने वाले लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराया जाना चाहिए और उन्हें भोजन और आवास प्रदान करने वाले स्वैच्छिक संगठनों के लिए आवश्यक व्यवस्था की जानी चाहिए। इस महीने की 6 तारीख से ही अन्य राज्यों से लोगों के प्रदर्शनी मैदान में आने की संभावना है, इसलिए मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सुझाव दिया कि एहतियाती उपाय किए जाने चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े।

मानसिक अस्पताल में दूषित भोजन मामलें में कड़ी कार्रवाई: पोन्नम

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि एरागड्डा मानसिक अस्पताल में दूषित भोजन की घटना ने गंभीर हलचल पैदा कर दी है। हैदराबाद के जिला कलेक्टर अनुदीप दुरासेट्टी की देखरेख में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जांच की गई। घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। खाद्य ठेकेदार को बर्खास्त कर दिया गया। उन्होंने कहा कि घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की गई। ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के लिए कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने डॉक्टरों से बात करते हुए और उनकी निगरानी करते हुए कहा कि हम बीमार लोगों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा प्रदान कर रहे हैं। वर्तमान में, उनका स्वास्थ्य स्थिर है। सरकार उनके साथ खड़ी है और सुनिश्चित कर रही है कि उन्हें किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े।

यादाद्री भुवनगिरी में किसानों ने मदर डेयरी कार्यालय के गेट पर जड़ा ताला

भुवनगिरी, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मोथकुर मंडल के मुशापताल गांव के डेयरी किसानों ने बुधवार को यादाद्री भुवनगिरी में मदर डेयरी दूध शीतलन केंद्र के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और इसके गेट पर ताला लगा दिया। उन्होंने उनसे एकत्र किए गए दूध के बिलों के भुगतान की मांग की। बिल तीन महीने से लंबित थे। मदर डेयरी के चेयरमैन मधुसूदन रेड्डी से जब प्रदर्शनकारियों ने फोन पर संपर्क किया तो उन्होंने कथित तौर पर उन्हें धमकाया और कहा कि विरोध प्रदर्शन और गेट बंद करना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने किसानों को तुरंत अपना आंदोलन बंद करने की चेतावनी दी। किसानों ने उनकी टिप्पणी की निंदा की और उन पर उन्हें डराने का आरोप लगाया। विरोध प्रदर्शन में मोथकुर के डेयरी किसान सोसायटी की अध्यक्ष कविता सहित कई किसानों ने भाग लिया।

सिद्दीपेट के बेजागाम गांव में प्राचीन जैन मूर्तियां मिलीं

सिद्दीपेट, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कोठा तेलंगानाचरित्र ब्रुंदम (केटीसीबी) के इतिहासकार कोलिपाका श्रीनिवास ने सिद्दीपेट जिले के गजवेल मंडल के बेजगाम गांव में 24वें जैन तीर्थंकर वर्धमान महावीर की दो मूर्तियों की पहचान की है, जो अलग-अलग कालखंडों से संबंधित हैं।

राया चेरुवु में स्थित पहली मूर्ति में महावीर को उनके सिर पर उष्णीष (मुकुट जैसी आकृति) के साथ दर्शाया गया है। काले कोराइट पत्थर से उकेरी गई यह मूर्ति, जिसमें एक शांत चेहरा है, 8वीं-9वीं शताब्दी की है। दूसरी मूर्ति, जो गांव में हनुमान मंदिर के पास टूटी हुई और छोड़ी हुई पाई गई थी, में एक छोटा उष्णीष वाला गोल चेहरा है और इसे 10वीं-11वीं शताब्दी की शैली में उकेरा गया था।

इससे पहले, कल्याणी चालुक्य शासक भुवनैकमल्ला देव के शासनकाल का 1072 ई. का एक शिलालेख मिला था, जिसमें पंपा परमानदिगल द्वारा बेजगाम देवता को दान दिए जाने का उल्लेख है। उसी अवधि के एक शिलालेख का एक और टुकड़ा मौजूद है, जो बताता है कि संदर्भित 'बेजागाम देवता' एक जैन तीर्थंकर हो सकते हैं। केटीसीबी के सदस्यों ने ग्रामीणों से मूर्ति को झील से हटाकर तटबंध पर स्थापित करने का आग्रह किया, ताकि मूर्ति को संरक्षित किया जा सके तथा उनके गांव का इतिहास सुरक्षित रहे। इसके अतिरिक्त, बेजागम में नंदी की मूर्तियाँ, एक शिवलिंग, तथा गणेश, भैरव, नाग पत्थर और शिव मंदिर से जुड़े नायक पत्थरों की मूर्तियाँ हैं। माना जाता है कि 'बेजागम' नाम की उत्पत्ति बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक वैजनाथ से हुई है।

तेलंगाना के सात नए नवोदय विद्यालयों में प्रवेश में देरी

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में सात नए स्वीकृत जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) अभी भी केवल कागज़ों पर ही बने हुए हैं। जेएनवी न केवल आगामी शैक्षणिक वर्ष से चूक जाएंगे, बल्कि वे शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए छात्रों को प्रवेश भी नहीं देंगे। नवोदय विद्यालय समिति, जिसने हाल ही में जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा (जेएनवीएसटी) - 2026 जारी की, में शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए कक्षा VI में प्रवेश के लिए नव स्वीकृत सात जेएनवी को शामिल नहीं किया गया। केंद्र सरकार ने 6 दिसंबर, 2024 को जगतियाल, निज़ामाबाद, भद्राद्री कोत्तागुडेम, मेडचल-मलकजगिरी, महबूबनगर, संगारेड्डी और सूर्यापेट जिलों में एक-एक के साथ सात जेएनवी को मंजूरी दी।

छात्रों और अभिभावकों को उम्मीद थी कि अगले शैक्षणिक वर्ष में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। लेकिन हाल ही में जारी जेएनवीएसटी प्रवेश अधिसूचना में राज्य के केवल मौजूदा नौ स्कूलों को ही शामिल किया गया, जिससे उनकी उम्मीदें धराशायी हो गईं। शिक्षाविदों और अभिभावकों का तर्क है कि केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने के बाद समिति और राज्य सरकार को स्थायी भवन बनने तक कम से कम अस्थायी स्थानों पर स्कूल स्थापित करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू कर देनी चाहिए थी। क्रान्ति कीन फाउंडेशन की संयुक्त सचिव कल्याणी ने बताया, 'समिति और राज्य सरकार के बीच समन्वय की कमी दिखती है। कम से कम स्कूलों को निजी इंजीनियरिंग या अन्य कॉलेजों से अस्थायी रूप से कक्षाएं शुरू कर देनी चाहिए थीं।'

शिक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार ने अस्थायी भवनों का प्रस्ताव देने के अलावा सात जेएनवी के लिए भूमि की पहचान की है। सूत्रों ने बताया, 'हाल ही में एक केंद्रीय टीम ने राज्य का दौरा किया और चिन्हित भूमि का निरीक्षण किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.